दैनिक

सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 53/ अंक 115/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, गुरुवार 30 नवंबर 2023 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

शाम 5.30 बजे आना शुरू हो जाएंगे एक्जिट पोल के नतीजे

नई दिल्ली। तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए मतदान खत्म होते ही पांचों राज्यों के एक्जिट पोल आना शुरू हो जाएंगे। इसके लिए चुनाव आयोग ने पहले शाम 6.30 बजे तक रोक लगा रखी थी, लेकिन आज इसके समय में बदलाव कर दिया गया है। अब शाम 5.30 बजे के बाद अलग-अलग एजेंसियों के एग्जिट पोल आने शुरू हो जाएंगे।

रोहित को टी20 टीम की कप्तानी के लिए मनाएगा बीसीसीआई

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के आगामी महत्वपूर्ण दौरे के लिए गुरुवार को टीम का एलान करने से पहले बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारी रोहित शर्मा को टी20 प्रारूप में भारतीय टीम की अगुआई करने के लिए मनाने की कोशिश करेंगे। टी20 विश्व कप 2022 के सेमीफाइनल में टीम इंडिया की हार के बाद रोहित को काफी विरोध का सामना करना पड़ा था। इसी वजह से वह पिछले एक साल से टी20 नहीं खेले हैं। इसी कड़ी में बीसीसीआई सचिव और चयन समिति के संयोजक जय शाह दिल्ली में मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर से मुलाकात करेंगे और टीम पर चर्चा करने के साथ ही अगले बड़े टूर्नामेंट टी20 विश्व कप के लिए खाका तैयार करेंगे।

नियमित टी20 कप्तान हार्दिक पांड्या हाल में समाप्त हुए वनडे विश्व कप के दौरान टखने में चोट लगने के कारण एक और महीने के लिए बाहर हो गए हैं। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए सूर्यकुमार यादव को जिम्मेदारी सौंपी गई है। हालांकि, अब जब टी20 विश्व कप में करीब सात महीने का वक्त बचा है और टीम की तैयारियां लगभग शुरू हो गई हैं। ऐसे में बोर्ड चाहता है कि रोहित फिर से टी20 में वापसी करें और कप्तानी की जिम्मेदारी संभालें।

सूरत केमिकल प्लांट में अब तक 7 की जलकर मौत

सूरत। गुजरात के सूरत में बुधवार 29 नवंबर को एक केमिकल फैक्ट्री के स्टोरेज टैंक में ब्लास्ट होने से आग लग गई थी। इसमें मरने वालों की संख्या अब तक 7 हो गई है। हादसे के बाद 7 से 8 लोग लापता थे। करीब 24 घंटे बाद घटनास्थल से 7 कंकाल मिले। इसके बाद ही प्रशासन ने 7 लोगों की मौत की पुष्टि की। सभी की जलने से मौत हुई।

ब्लास्ट में 20 लोग घायल हैं, जिनमें 8 की हालत नाजुक है। सूरत के फॉयर ब्रिगेड अधिकारी बसंत पारीक के मुताबिक, सचिन इंडस्ट्रियल एरिया में स्थित फैक्ट्री में देर रात करीब दो बजे एक बड़े टैंक में रखे केमिकल में रिसाव हुआ। इसके चलते विस्फोट के बाद आग लग गई। आग ने फैक्ट्री की पूरी यूनिट को अपनी चपेट में ले लिया। करीब 9 घंटे बाद आग पर काबू पाया जा सका। डीसीपी राजेश परमार ने दिव्य भास्कर से हुई बातचीत में कहा- घटना 29 नवंबर रात करीब दो बजे की है। केमिकल फैक्ट्री में लगी आग पर काबू पाने में करीब 10 घंटे का समय लगा। इसके बाद फैक्ट्री में अंदर जाकर जांच की गई तो वहां 7 मानव खोपड़ियां और कंकाल मिले।

कंपनी ने भी 7 कर्मचारियों के गुम होने की जानकारी दे दी थी। सभी नरकंकालों को पोस्टमॉर्टम के लिए सूरत सिविल अस्पताल भेजा गया। पुलिस, फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल), सुरक्षा और जांच अधिकारी की मौजूदगी में यह पूरा सर्च ऑपरेशन चलाया गया था।

जंग फिर शुरू होने से 8 मिनट पहले बढ़ा सीजफायर

तेल अबीव। इजराइल-हमास के बीच सीजफायर खत्म होने से 8 मिनट पहले यानी 10.22 बजे (भारतीय समयानुसार) इसे 1 दिन के लिए आगे बढ़ा दिया गया है। इजराइल और कतर के अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, हमास ने आज आजाद होने वाले 10 बंधकों की लिस्ट दी है, जिसे इजराइल ने पास कर दिया है।

युद्ध विराम के तहत हमास हर दिन 10 बंधकों को छोड़ेगा। इसके बदले में इजराइल 30 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा। इजराइली सेना ने बताया कि सीजफायर की दूसरी शर्तों पर अब भी बातचीत जारी है। इससे पहले टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, युद्ध विराम के छठे दिन हमास ने 5 बच्चों समेत कुल 16 लोगों को आजाद किया। पहले दो रूसी-इजराइली महिलाओं को रिहा किया गया। बाद में 10 इजराइली और 4 थाई नागरिकों को आजाद किया। रिपोर्ट के मुताबिक, अब हमास के खिलाफ करीब 159 बंधक बचे हैं। बदले में इजराइल ने भी करीब 30 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने जी 20 की अध्यक्षता पर लिखा ब्लाग

वसुधैव कुटुंबकम की भावना को प्रतिबिंबित करने प्रतिबद्धता जताने और फिर से इस पल को जीने का मौका

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की जी20 की अध्यक्षता और एक नये बहुपक्षवाद की सुबह की बात की है। पीएम मोदी ने एक ब्लॉग में लिखा कि गुरुवार (30 नवंबर) को 365 दिन पूरे हुए, जब भारत को जी20 की अध्यक्षता करने का मौका मिला. उन्होंने कहा कि ये वसुधैव कुटुंबकम (एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य) की भावना को प्रतिबिंबित करने, प्रतिबद्धता जताने और फिर से इस पल को जीने का मौका है।

पीएम मोदी ने लिखा कि जिस वक्त हमने जी20 की अध्यक्षता संभाली. उस वक्त दुनिया कई तरह की परेशानियों से जूझ रही थी. दुनिया कोविड-19 से उबर रही थी, उसके ऊपर जलवायु परिवर्तन का खतरा मंडरा रहा था, वित्तीय अस्थिरता और कर्ज की समस्या ने भी उसे परेशान किया हुआ था. ये सबकुछ ऐसे समय पर हो रहा था, जब दुनियाभर में बहुपक्षवाद घट रहा था. दुनिया में चल रहे संघर्षों और प्रतिस्पर्धा के बीच विकास सहयोग प्रभावित हुआ, जिससे प्रगति में बाधा आई।

ब्लॉग में और क्या-क्या कहा गया?

अपने ब्लॉग में पीएम मोदी ने लिखा कि जी20 का अध्यक्ष बनते हुए भारत ने दुनिया को यथास्थिति का एक विकल्प दिया. इसने जीडीपी-केंद्रित से मानव-केंद्रित प्रगित की ओर कदम बढ़ाए. भारत का मकसद दुनिया को ये याद दिलाना रहा है कि हमें कौन सी चीजें जोड़ती हैं, न कि वो चीजें जो हमें विभाजित करती हैं. आखिर में वैश्विक बातचीत को कुछ लोगों के हितों से आगे बढ़कर कई लोगों की आकांक्षाओं को रास्ता देना रहा. इसके लिए बहुपक्षवाद में सुधार की जरूरत थी।

प्रधानमंत्री मोदी ने आगे लिखा कि समावेशी, महत्वाकांक्षी, कार्य-उन्मुख और निर्णायक- ये वो चार शब्द हैं, जो जी20 अध्यक्ष के तौर पर हमारे दृष्टिकोण को पूरी तरह से परिभाषित करते हैं. नई दिल्ली लीडर्स डेक्लेरेशन (एनडीएलडी) इन चारों की बातों को पूरा करने की हमारी प्रतिबद्धता का सबूत है. एनडीएलडी को सर्वसम्मति के साथ सभी जी20 सदस्य देशों के जरिए अपनाया गया है. समावेशिता हमारी अध्यक्षता के केंद्र में रही है।

पीएम मोदी आगे लिखते हैं कि जी20 के स्थायी सदस्य के तौर पर अफ्रीकन यूनियन को शामिल करने से 55 अफ्रीकी देश एक बार में ही जी20 से जुड़ गए हैं. इस तरह इस वैश्विक संगठन में शामिल देशों की कुल आबादी दुनिया की 80 फीसदी आबादी के बराबर है. इस सक्रिय रुख ने वैश्विक चुनौतियों और अवसरों पर अधिक व्यापक बातचीत को बढ़ावा दिया है।

मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस को विदाई, वीरा राणा ने सम्हाला कार्यभार

देश, समाज के लिए जीना है, बैंस ने यही कर दिखाया: शिवराज

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है- अपने लिए जिए तो क्या जिए, देश, समाज के लिए जीना ही जीना है, इकबाल सिंह बैंस ने यही कर दिखाया है। उन्होंने अच्छा काम किया। जो भी काम उन्हें सौंपे गए बिना किसी तनाव, दबाव के उन्होंने पूरे किए। कोविड के दौरान भी उन्होंने बेहतर काम कर दिखाया। सीएम राइज स्कूल, सिटीजन चार्टर और आनंद उनकी बेहतर उपलब्धियां रही।

वे आज इस कार्यकाल की अंतिम केबिनेट में मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस को विदाई देते समय बोल रहे थे। उन्होंने बैंस के व्यवहार और उनके कार्यकाल की जमकर तारीफ की। सीएस बैंस बोले- यह एक पड़ाव है, कोई अंत नहीं। हम काम करते रहेंगे, हमारी सक्रियता बनी रहेगी। आनंद विभाग को उन्होंने अपनी प्रमुख उपलब्धि बताया। नवागत प्रभारी मुख्यसचिव वीरा राणा ने बैंस को शुभकामनाएं दीं। अंत में एसीएस मो. सुलेमान ने आभार व्यक्त किया। इस मौके सभी एसीएस, सभी विभागों के प्रमुख सचिव एवं महत्वपूर्ण अधिकारी मौजूद रहे।

शिवराज के पसंदीदा रहे बैंस

2005 में जब शिवराज ने मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला, तब से बैंस उनके खास अधिकारियों में शुमार रहे। इसके पहले वे पूर्व सीएम

दिग्विजय सिंह के भी करीबी अधिकारियों में शामिल थे। 2020 में सत्ता के तख्ता पलट के बाद शिवराज ने जब सरकार में वापसी की तो उन्होंने अपनी शपथ के 24 घंटे के भीतर ही कांग्रेस सरकार के तत्कालीन मुख्य सचिव गोपाल रेड्डी को हटाकर बैंस को मुख्य सचिव बना दिया था।

वीरा राणा ने संभाला मध्य प्रदेश मुख्य सचिव का पदभार

1988 बैच की अधिकारी वीरा राणा ने गुरुवार को प्रदेश के मुख्य सचिव पद का पदभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने चार्ज संभालते ही कामकाज की शुरुआत कर दी। इकबाल सिंह बैंस आज रिटायर हो गए हैं। 6-6 महीने के 2 बार मिले एक्सटेंशन के बाद बैंस का कार्यकाल 30 नवंबर को पूरा हो गया। वह वर्तमान में माध्यमिक शिक्षा मंडल की अध्यक्ष हैं और उनके पास कृषि उत्पादन आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार है। इसके साथ-साथ उन्हें मुख्य सचिव पद का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। वह मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, खेल और युवा कल्याण, प्रशासन अकादमी और कुटीर और ग्रामोद्योग विभाग की जिम्मेदारी संभाल चुकी हैं। इकबाल सिंह बैंस के बाद वह प्रदेश में उपलब्ध अधिकारियों में सबसे वरिष्ठ हैं। सामान्य प्रशासन विभाग ने मुख्यमंत्री के अनुमोदन से वरिष्ठता के अनुसार पैनल भेजा था। चुनाव आयोग ने वरिष्ठता के आधार पर वीरा राणा के नाम पर सहमति दी। वह मार्च 2024 में सेवानिवृत्त होंगी। सूत्रों का कहना है कि सरकार बनने के बाद मुख्य सचिव को लेकर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

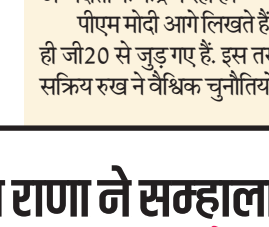

तेलंगाना की 119 सीटों पर वोटिंग जारी, नालगोंडा में बीआरएस-भाजपा कार्यकताओं के बीच झड़प

हैदराबाद। तेलंगाना की 119 विधानसभा सीटों पर सुबह 7 बजे से वोटिंग जारी है। चुनाव आयोग के मुताबिक, दोपहर 1 बजे तक 36.68 प्रतिशत मतदान हो चुका है। इधर, नालगोंडा में बीआरएस-भाजपा कार्यकताओं के बीच झड़प होने की खबर आई है। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव, पूर्व क्रिकेटर और जुबली हिल्स से कांग्रेस कैंडिडेट मोहम्मद अजहरुद्दीन और एएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भी वोटिंग की। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी, साउथ के सुपर स्टार, अल्लू अर्जुन, जूनियर एनटीआर, चिरंजीवी और ऑस्कर विजेता म्यूजिक कंपोजर किरावाणी ने भी मतदान किया।

तेलंगाना कांग्रेस के अध्यक्ष रेवंत रेड्डी के भाई कोंडल रेड्डी का आरोप है कि जब वह एक बूथ गए थे तो बीआरएस कार्यकर्ताओं ने मुझे रोकने की कोशिश की। मुझ पर हमले की कोशिश की गई। बीआरएस कार्यकर्ताओं की गाड़ियां मेरी कार का पीछा कर रही हैं और मुझे रोकने का प्रयास किया जा रहा है। हमने पुलिस से इसकी शिकायत की है। तेलंगाना विधानसभा की कुल 119 सीटों के लिए 2,290 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। राज्य के 3.26 करोड़ मतदाता इनकी किस्मत का फैसला करेंगे। राज्य में 35,655 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। राज्यभर में सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक वोटिंग होगी।

1 दिसंबर से बदल जाएंगे कई नियम, आम आदमी की जेब पर पढेगा इसका असर

नई दिल्ली। इस साल के आखिरी महीना की 1 तारीख यानि 1 दिसंबर के साथ ही कुछ नियम बदल रहे हैं। जानकारी के मुताबिक 1 दिसंबर से शुरू होने वाले महीने में कुछ ऐसे बदलाव होने जा रहे हैं जो सीधा आम आदमी की जेब पर असर पड़ेगा। बता दें इन नियमों के बारे में जानना आपके लिए काफी जरूरी है। इन नियमों में आधार कार्ड से लेकर पेंशन से जुड़े जीवन प्रमाण पत्र जमा कराने तक के रूल्स बदलने वाले है।

यूपीआई आईडी हो जाएगी बंद - अगर बात की जाए यूपीआई आईडी की तो जिन लोगों की यूपीआई आईडी पिछले एक साल से एक्टिव नहीं है, वो बंद कर दी जाएगी। इस संबंध में नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने सभी पेमेंट ऐप को निर्देश दिए हैं।

थोक सिम बेचने पर रोक - पूरी तरह से केवायसी किए बिना दुकानदार सिम नहीं बेच पाएंगे। एक आईडी पर सीमित सिम ही अलॉट किए जाएंगे। इस बार दुकानदार थोक में सिम कार्ड नहीं रख पाएंगे।

जीवन प्रमाण पत्र कराना होगा जमा - जो लोग सेवानिवृत्त हो रहे है उन सरकारी कर्मचारियों को नवंबर की आखिरी तारीख से पहले जीवन प्रमाण पत्र जमा कराना जरूरी है। 80 साल से ज्यादा के पात्र नागरिकों को 30 नवंबर तक अपना जीवन प्रमाण पत्र जमा कराना है वरना उनकी पेंशन बंद हो जाएगी।

आधार अपडेट के लिए देने होंगे पैसे - पिछले 10 साल से जिन लोगों ने अपना आधार कार्ड को अपडेट नहीं कराया है वो लोग 14 दिसंबर तक फ्री में अपना आधार कार्ड अपडेट कराया जा सकता है। इसके बाद आधार अपडेट कराने पर फीस देनी पड़ेगी।

जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी, तमिलनाडु में भारी बारिश

नई दिल्ली। देश के पहाड़ी राज्यों में स्नोफोल और मैदानी इलाकों में बारिश से ठंड बढ़ गई है। जम्मू-कश्मीर में गुरुवार सुबह से भारी बर्फबारी हो रही है। स्नोफोल के बाद गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान माइनस 1 डिग्री पहुंच गया।

तमिलनाडु में पिछले तीन दिन से लगातार बारिश से बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। सड़कों पर पानी भर गया है। चेन्नई, तिरुवल्लूर सहित 5 जिलों में स्कूल बंद किए गए हैं। अरक्कोणम शहर में एसडीआरएफ को स्टैंड बाय पर रखा गया है। मध्य प्रदेश में वर्षा को लेकर 14 जिलों में ऑरेंज अलर्ट है। भोपाल, उज्जैन सहित कई शहरों में वर्षा हो रही है। इंदौर एयरपोर्ट पर घने कोहरे के कारण सुबह 9.30 बजे तक लैंड होने वाली 5 फ्लाइट को अहमदाबाद डायवर्ट करना पड़ा।

पंजाब और हरियाणा की राजधानी चंडीगढ़ में कल से भारी बारिश हो रही है। आईएमडी ने गुरुवार को राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, केरल, तमिलनाडु सहित कई राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने आज गुरुवार को पश्चिमी मालवा को छोड़ अन्य पूरे पंजाब में बारिश होने की संभावनाएं जताई है। वहीं, 11 जिले ऐसे हैं, जहां बारिश का अलर्ट दिया गया है और सुबह से इन जिलों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। बारिश के चलते न्यूनतम तापमान में आज गिरावट देखने को मिलेगी।

राजस्थान के जैसलमेर, जोधपुर, उदयपुर, दौसा समेत कई शहरों में गुरुवार सुबह कोहरा छाया रहा। बीकानेर और गंगानगर के एरिया में कोहरा छाने के साथ हल्की सर्द हवाएं चलने से तापमान में गिरावट हुई है।

धर्म ध्वजा फहराकर किया संत गोविंदराम के जन्मोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

संत सदाराम मंदिर बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालु, निकली कलश यात्रा

शदाणी दरबार तीर्थ रायपुर के आठवें गुरु संत गोविंदराम का 79वाँ जन्मोत्सव का कार्यक्रम भोपाल में सोनगिरी स्थित संत शदाराम मंदिर प्रांगण में बुधवार को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ रानी कमलापति स्टेशन परिसर से सनातन धर्म यात्रा के साथ हुआ, जिसे शदाणी दरबार के नवम् पीठाधीश संत डॉ. युधिष्ठिर लाल द्वारा धर्म ध्वजा फहराकर रवाना किया।

यह धर्म यात्रा स्टेशन परिसर से सोनगिरी स्थित संत शदाराम मंदिर पहुँची। जिसका भोपाल के संतों सहित भक्तों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। मंदिर परिसर में पंडित विष्णु शास्त्री द्वारा विधि-विधान व पूर्ण मंत्रोचार के साथ हवन यज्ञ व झंडा वंदन किया गया। इसी जन्मोत्सव कार्यक्रम में शाम को महिलाओं द्वारा कलश यात्रा निकली गई जो सोनागिरी के प्रमुख मार्गों से होते हुए शदाणी दरबार पंडाल तक पहुंची। यह कलश यात्रा बैंड बाजों के साथ निकाली गई, जिसमें कन्याएं व महिलाएं अपने सिर पर कलश लेकर चल रही थीं। इस दौरान कलश यात्रा में शामिल लोग धार्मिक गीतों की धुनों पर जमकर थिरकते नजर आए। इसके बाद रात्रि में भजन कीर्तन, प्रवचन व सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धून पर शदानी भक्त देर रात तक झूमते हुये नजर आये। इस जन्मोत्सव कार्यक्रम में इटारसी, होशंगाबाद, इन्दौर, नागपुर, रायपुर, अमरावती, जलगांव, इंदौर, दिल्ली, हरिद्वार से भी श्रद्धालुगण राजधानी भोपाल पहुँचे। उल्लेखनीय है कि शदाणी दरबार तीर्थ भारतीय संस्कृति एवं श्रद्धा का प्रतीक है, शदाणी दरबार का इतिहास 300 वर्ष पुराना है।

जन्मोत्सव कार्यक्रम का पंडाल बना आकर्षण का केन्द्र

संत गोविंदराम का 79वाँ जन्मोत्सव का कार्यक्रम में बना पंडाल हुबहू रायपुर की शदाणी दरबार के आधार पर बनाया गया है था, इसे देख सब मोहित हो रहे थे, इस पंडाल को देख लोगों को ऐसा प्रतीत हो रहा था की हम आज शदाणी दरबार तीर्थ रायपुर के प्रांगण में ही पूज्य संतों के सामने अपनी हाजिरी लगाने उपस्थित हुए है।

पेलिएटिव केयर पर दिया जायेगा चिकित्सकों और नर्सिंग ऑफिसर को प्रशिक्षण

भोपाल। पेलिएटिव केयर पर दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन एम्स चिकित्सालय में किया जा रहा है। 30 नवंबर और एक दिसंबर को आयोजित प्रशिक्षण में कैंसर मरीजों के लिए पैलिएटिव केयर के बारे में जानकारी दी जाएगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय प्रशिक्षण में चिकित्सक एवं नर्सिंग ऑफिसर सम्मिलित होंगे। यह प्रशिक्षण एम्स अस्पताल के कैंसर विभाग, रेडियोथैरेपी विभाग, एनेस्थीसिया, मेडिसिन, सायकेट्री विभाग के विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण में कैंसर मरीज को होने वाली समस्याओं, दर्द के प्रकार, उनकी पहचान और प्रबंधन, गांठ या घाव की देखभाल के बारे में जानकारी दी जाएगी। चिकित्सा स्टाफ और मरीज के परिजनों को कैंसर मरीजों की देखभाल, मानसिक और भावनात्मक सहयोग, गुणवत्तापूर्ण जीवन के लिए सकारात्मक वातावरण जैसे विषयों पर प्रशिक्षित किया जाएगा।

सेंस आफ क्राइम पर कार्यशाला पीड़ितों को न्याय और अपराधियों को सजा दिलाना महत्वपूर्णः डॉ. शर्मा

भोपाल। गंभीर अपराधों के अनुसंधान में अधिकारियों और विवेचकों की व्यावसायिक दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से मंगलवार को पुलिस कमिश्नर कार्यालय सभागार में नगरीय पुलिस भोपाल के समस्त राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को एक दिवसीय कार्यशाला में सेंस ऑफ क्राइम पर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य जनमानस से जुड़े गंभीर अपराधों मे सेंस ऑफ क्राइम यानीअपराध स्थल,घटना स्थल पर अनुसंधानकर्ता को क्या-क्या साक्ष्य मिल सकते हैं और अपराध स्थल का निरीक्षण करते समय क्या-क्या महत्वपूर्ण सावधानियां रखी जाएं, ताकि पीड़ित को न्याय एवं गुनाहगारों को सजा दिलाई जा सके। कार्यशाला के मुख्य प्रशिक्षक डॉ0 हर्ष शर्मा सेवानिवृत संचालक राज्य फोरेंसिक मध्यप्रदेश ने बताया कि एक अनुसंधानकर्ता को गंभीर अपराधों मे अपराध स्थल/घटना स्थल पर क्या-क्या साक्ष्य मिल सकते हैं, उन्हें कब और कैसे संरक्षित करना है। अपराध स्थल का निरीक्षण करते समय उन्हें संवेदनशीलता से एवं विवेकपूर्ण तरीके से क्या-क्या महत्वपूर्ण सावधानियां बरती जानी चाहिए, ताकि पीड़ित को न्याय एवं गुनाहगारों को सजा दिलाई जा सके। डॉ0 शर्मा ने हत्या, रेप, चोरी, लूट एवं डकैती समेत अनेक मामलों में विभिन्न तथ्यों एवं साक्ष्य के आधार में मामलों के पर्दाफाश करने तथा अपराधियों को सजा दिलाने में पुलिस को मिली सफ़लता के बारे मे व्यावहारिक उदाहरण दिए।

निगम आयुक्त ने किया इज्तिमा स्थल का निरीक्षण, व्यवस्थाएं बनाने के दिए निर्देश

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

निगम आयुक्त प्रैंक नोबल ए ने निगम अधिकारियों के साथ ईटखेड़ी धासीपुरा में आयोजित होने वाले आलमी तब्लीगी इज्तिमा स्थल का निरीक्षण किया और नगर निगम द्वारा की जाने वाली सभी व्यवस्थाओं को उच्च स्तरीय गुणवत्ता के साथ समय से पूर्व सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्तद्वय निधि सिंह एवं पवन सिंह, अधीक्षण यंत्री उदित गर्ग व संतोष गुप्ता सहित निगम के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

निगम आयुक्त प्रैंक नोबल ए ने बुधवार को ईटखेड़ी धासीपुरा में आगामी 08 दिसम्बर से 11 दिसम्बर 2023 तक आयोजित होने वाले आलमी तब्लीगी इज्तिमा में नगर निगम भोपाल द्वारा की जा रही व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों से साफ सफाई, अस्थायी शौचालय, सीवेज, विद्युत, फायर बिग्रेड, पेयजल आदि से संबंधित कार्यों की विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की साथ ही इज्तिमा आयोजन समिति के सदस्यों से भी चर्चा की और इज्तिमा स्थल एवं आसपास के क्षेत्रों में पार्किंग स्थलों, आवागमन के मार्गों आदि से संबंधित मानचित्रों का अवलोकन भी किया। निगम आयुक्त नोबल ने इज्तिमा स्थल की पार्किंग स्थलों की साफ सफाई एवं समतलीकरण तथा संपूर्ण क्षेत्र व मार्गों पर विद्युत व्यवस्था संबंधी सभी कार्यों को समय से पूर्व सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने इज्तिमा स्थल की ओर जाने वाले सभी मार्गों से अस्थायी अतिक्रमणों को एवं स्वतंत्र विचरण करने वाले पशुओं को हटाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने निर्देशित किया कि सभी व्यवस्थाओं को समय से पूर्व आपसी सामंजस्य के साथ सुनिश्चित करें और इज्तिमा समाप्ति तक सभी व्यवस्थाओं को निरंतरता के साथ बेहतर ढंग से संचालित करें।

एसएचआईएम का तीन दिवसीय पचमढ़ी शैक्षणिक भ्रमण

छात्राओं ने सतपुड़ा के सौंदर्य और पर्यावरण प्रबंधन के आयाम को समझा

संत हिरदाराम नगर। प्रबंधन की छात्राओं के लिए ईकोसिस्टम और बायोडायवर्सिटी को बेहतर समझने के लिए तीन दिवसीय पचमढ़ी भ्रमण आयोजित किया गया। इस भ्रमण का उद्देश्य था छात्राओं को सतपुड़ा के नैसर्गिक सौंदर्य से अवगत कराना एवं पर्यावरण प्रबंधन के आयाम को समझाना। इस भ्रमण के प्रथम दिवस में छात्राओं ने पचमढ़ी में जटाशंकर महादेव के दर्शन किए एवं स्थानीय बाजार का अवलोकन किया। स्थानीय लोगों के रहन-सहन को समझ कर उन्होंने उनके द्वारा प्राकृतिक जीवन यापन के बारे में जाना। इसके अलावा उन्होंने स्थानीय जड़ी-बूटियों के बारे में भी जाना। इस दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। दूसरे दिन छात्राओं ने वन क्षेत्र का भ्रमण किया जिसमें उन्होंने जिप्सी वाहन के द्वारा पांडव गुफाएं, बी फॉल एवं धूपगढ़ सनसेट पॉइंट को बारीकी से देखा। वन्य प्राणियों के बारे में जानने के लिए छात्राओं में बड़ी उत्सुकता थी। तीसरे एवं अंतिम दिवस छात्राओं ने बड़ा महादेव, गुप्त महादेव, हांडी खो एवं चंपक लेक का भ्रमण किया। इस भ्रमण से छात्रों ने टीमवर्क, समन्वय एवं अनुशासन की भावना को समझा। इस पूरी यात्रा में छात्राओं ने प्रकृति एवं सुरम्य वादियों के अनोखे रंग देखे, जो उनके लिए बिलकुल नए थेय यह अनुभव उन्हें प्रकृति से जोड़ रखेगा। संस्थान के मैनेजिंग डायरेक्टर हीरो ज्ञानचंदानी एवं डायरेक्टर डॉ. आशीष ठाकुर ने इस भ्रमण के सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय में छात्राओं के लिए प्रेरणादायी सत्र का आयोजन

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय के ई-सेल और आई.आई.सी. के संयुक्त तत्वावधान में छात्राओं के लिए प्रेरणादायी सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में अर्पण सैनी उपस्थित थे। सैनी ने वर्तमान में मात्र 17 वर्ष की आयु में यू.पी.एस.सी. द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित एन.डी.ए. परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक 163 प्राप्त की है। वे राष्ट्रीय स्तर के साईकिल चालक होने के साथ डी.पी.एस. हरिद्वार के भूतपूर्व मेधावी छात्र रहे है। एन.डी.ए में चार वर्ष के प्रशिक्षण के पश्चात उन्हें आगामी प्रशिक्षण हेतु भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून में प्रशिक्षण हेतु भेजा जायेगा। प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने के पश्चात भारतीय सेना में उन्हें लेफ्टिनेंट के पद पर कमीशन प्रदान किया जायेगा। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने संत शिरोमणि हिरदाराम साहिब के विजन पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं के स्वावलंबी जीवन की महत्ता, महिला सशक्तिकरण पर अपना महत्वपूर्ण वक्तव्य दिया और कहा कि अनुशासन का दर्द, पछतावे के दर्द से कही ज्यादा महत्वपूर्ण है। मुख्य अतिथि अर्पण सैनी ने अपने जीवन संघर्षों तथा देश की प्रतिष्ठित एन.डी.ए. की परीक्षा में चयन प्रक्रिया के बारे में सविस्तार बात की। छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सैनी की बात को ध्यान से सुना। जीवन में उद्देश्य का होना बहुत जरूरी है। तभी जीवन में सफलता हासिल की जा सकती है।

निगम आयुक्त ने यूनिडो के प्रतिनिधियों के साथ ग्लोबल इन्वायरमेंटल फेसिलिटी के कार्यों की समीक्षा की

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

निगम आयुक्त प्रैंक नोबल ए ने संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन (यूनिडो) के प्रतिनिधियों के साथ ग्लोबल इन्वायरमेंटल फेसिलिटी के तहत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की और पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिगत विभिन्न परियोजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में भी चर्चा की गई। समीक्षा बैठक में यूनिडो के डॉ.मनीष नेगी, डॉ.एल.एक्स.जेडर, डॉ.एन.पी.सिंह, डॉ.बी.आर.मिश्रा के अलावा निगम के अपर आयुक्त विनीत तिवारी, उपायुक्त योगेन्द्र सिंह पटेल, अधीक्षण यंत्री सुबोध जैन आदि मौजूद थे।

निगम आयुक्त प्रैंक नोबल ए ने बुधवार को भोपाल स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड के कार्यालय में यूनिडो के प्रतिनिधियों के साथ ग्लोबल इन्वायरमेंटल फेसिलिटी (ळम्थ्) द्वारा वित्त पोषित सस्टेनेबल सिटीज इन्टीग्रेटेड एप्रोज पॉयलट प्रोजेक्ट (ैब्प्च्) के तहत भोपाल नगर निगम के डोर-टू-डोर कचरा एकत्रीकरण कार्य से संलग्न 250 बॉयो सी.एन.जी चलित कचरा वाहनों की कार्य पद्धति एवं ग्रीन हाउस गैसेस के प्रभाव को कम करने हेतु इन वाहनों की उपयोगिता के संबंध में जानकारी दी गई और इन वाहनों के संचालन से शहर के पर्यावरण में सुधार एवं निगम को होने वाली आर्थिक बचत के संबंध में भी चर्चा की गई।

समीक्षा बैठक में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु भोपाल नगर निगम द्वारा निजी जन भागीदारी के माध्यम से क्रियान्वित 400 टन प्रतिदिन क्षमता की बॉयो सी.एन.जी परियोजना, 400 टन प्रतिदिन क्षमता के एन.टी.पी.सी के माध्यम से लगाए जा रहे टोरीफाईड चारकोल प्लांट, 100 टन प्रतिदिन क्षमता के सी.एन.डी वेस्ट प्लांट, प्लास्टिक कचरे के रिसाईकिल प्लांट्स अत्याधुनिक स्लाटर हाउस, मछली तथा बूचडखाने से निकलने वाले अपशिष्ट के निष्पादन संयंत्र के संबंध में भी चर्चा की गई और इन परियोजनाओं के क्रियान्वयन से शहर के पर्यावरणीय वातावरण में सुधार एवं निगम की वित्तीय स्थिति पर होने वाले प्रभाव के संबंध में भी विस्तारपूर्वक जानकारी पॉवर पाईंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से दी गई। बैठक में निगम द्वारा क्रियान्वित की जा रही परियोजनाओं में व्यवहारिक रूप से आने वाली कठिनाईयों एवं उनके निराकरण तथा परियोजनाओं में आवश्यक सुधार के संबंध में भी विस्तारपूर्वक चर्चा की गई और विषय विशेषज्ञों से सुझाव आमंत्रित कर उन पर विचार विमर्श किया गया। समीक्षा बैठक के प्रारंभ में निगम आयुक्त प्रैंक नोबल ए ने यूनिडो के प्रतिनिधियों का स्वागत भी किया।

मेडिकल कालेज के विद्यार्थी 56 साल बाद एक मंच पर होंगे

भोपाल। एमजीएम मेडिकल कॉलेज इंदौर के 1967 बैच के चिकित्सकों का 56 वें साल में रियूनियन भोपाल में होने जा रहा है। यह एक से तीन दिसंबर को हो रहा है जिसमें बड़ी संख्या में चिकित्सक हिस्सा ले रहे हैं। इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां कर ली गई हैं। एम जी एम एलुमनी की ओर से डॉ छाया बुधवानी ने बताया कि देश के विभिन्न नगरों और अन्य देशों में कार्यरत चिकित्सक इस रियूनियन में हिस्सा ले रहे हैं। सभी मिलकर स्मृतियों को ताजा करेंगे और अपने कॉलेज डेज को याद करेंगे। गीत संगीत के कार्यक्रम के साथ ही अनेक गेम्स भी होंगे। एम जी एम 19 67 बैच के डॉक्टर प्रणव पंड्या प्रमुख शांतिकुंज हरिद्वार को भी कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है। ये चिकित्सक 2017 में गोल्डन जुबली पर यादगार कार्यक्रम कर चुके हैं। गोल्डन जुबली प्रोग्राम से छूटे कई डॉक्टर्स भी इस बार यूनियन प्रोग्राम में भोपाल पधार रहे हैं।

भाजपा ने चुनाव आयोग से की भिण्ड जिले के अटेर विधानसभा के मतदान केन्द्र 11 एवं 12 पर पुनः मतदान कराने की मांग

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को चुनाव आयोग को लिखित शिकायत कर भिण्ड जिले के अटेर विधानसभा क्षेत्र के मतदान क्रमांक 11 एवं 12 का मतदान निरस्त कर पुन: मतदान कराए जाने की मांग की है। प्रतिनिधिमंडल ने उक्त दोनों मतदान केन्द्रों के मतों की गणना पर भी रोक लगाने की मांग करते हुए निर्वाचन आयोग को साक्ष्य भी सौंपे है। मध्यप्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को भाजपा प्रतिनिधिमंडल द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि 17 नवंबर को हुए मतदान के दिन अटेर विधानसभा के बूथ क्रमांक 11 एवं 12 (खडित 01 व खडित 02) पर असामाजिक तत्वों द्वारा कब्जा कर फर्जी मतदान कराए जाने की शिकायत की है। अटेर से पार्टी प्रत्याशी डॉ. अरविन्द सिंह भदौरिया ने मतदान के एक दिन बाद ही भारत निर्वाचन आयोग को 16 मतदान केन्द्रों पर असामाजिक तत्वों द्वारा फर्जी मतदान बूथ कैप्चरिंग की शिकायत की गयी थी, जिसमें उक्त दोनों मतदान केन्द्र भी शामिल थे। पार्टी ने भारत निर्वाचन आयोग को फिर से उक्त दोनों मतदान केन्द्रों के मतदान को निरस्त कर पुन: मतदान कराने व 3 दिसंबर को होने वाली मतगणना में 17 नवंबर को उक्त दोनों मतदान केन्द्रों के मतों की गणना पर रोक लगाने की मांग की है।ज्ञापन सौंपने वाले प्रतिनिधिमंडल में भारतीय जनता पार्टी निर्वाचन आयोग, समन्वय विभाग के प्रदेश संयोजक श्री एस.एस. उप्पल एवं भाजपा विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक श्री मनोज द्विवेदी उपस्थित थे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राजन ने ग्वालियर एवं भिण्ड में किया मतगणना केन्द्र का निरीक्षण

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बुधवार को ग्वालियर और भिंड जिले में बनाए गए मतगणना केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने 3 दिसंबर को होने वाली मतगणना को लेकर दोनों जिलों में की जा रही तैयारियों का मुआयना किया और संबंधित कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार 3 दिसम्बर को सुबह 8 बजे सबसे पहले डाक मतपत्रों की गिनती शुरू होगी। आधा घंटे बाद ईवीएम में दर्ज मतों की गिनती शुरू की जायेगी।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने बुधवार को महारानी लक्ष्मीबाई (एमएलबी) कॉलेज पहुँचकर ग्वालियर जिले के सभी 6 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतगणना की तैयारियों का अवलोकन किया। राजनैतिक दलों एवं प्रत्याशियों के प्रतिनिधियों से चर्चा कर उनके साथ ईवीएम स्ट्राँग रूम का निरीक्षण किया। राजनैतिक दलों एवं प्रत्याशियों के प्रतिनिधियों ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन से कहा कि स्ट्राँग रूम की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर वे पूरी तरह संतुष्ट है। सीसीटीव्ही कैमरे और एलईडी स्क्रीन से 24 घंटे वे स्ट्रांग रूम को देख रख रहे हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राजन ने ईवीएम एवं डाक मतपत्र गिनने के लिये लगाईं गई टेबल, स्ट्राँग रूम से मतगणना कक्ष तक ईवीएम पहुँचाने के लिये बनाए गए अलग-अलग कारिडोर, प्रत्याशियों के अभिकर्ताओं की बैठक व्यवस्था, मतगणना परिसर में प्रवेश तथा मीडिया सेंटर सहित मतगणना से संबंधित सभी व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी और रिटर्निंग अधिकारियों को निर्देश दिए कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का अक्षरश: पालन करते हुए मतगणना सम्पन्न कराएँ। श्री राजन ने कहा कि डाक मतपत्रों की गिनती तेजी से हो सके, इसके लिये भारत निर्वाचन आयोग ने टेबल बढ़ाने की अनुमति दे दी है। एमएलबी कॉलेज में हर विधानसभा क्षेत्र के मतों की गिनती के लिये दो दो गणना कक्ष बनाए गए हैं। कमिश्नर ग्वालियर दीपक सिंह, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ग्वालियर रेन्ज डी श्रीनिवास वर्मा, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अक्षय कुमार सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश चंदेल सहित अधिकारी मौजूद थे।

भिंड में आईटीआई परिसर में होगी मतगणना: मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने भिण्ड के आईटीआई परिसर में बनाये गये मतगणना स्थल पहुंचकर निरीक्षण किया और ईवीएम की सुरक्षा व्यवस्था, स्ट्रॉन्ग रूम के बारे में जानकारी प्राप्त की। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने विधानसभा क्षेत्रवार बनाए गए मतगणना कक्षों में जाकर तैयारियों का निरीक्षण किया। साथ ही डाक मतपत्रों की गणना के लिए की जा रही व्यवस्थाओं को भी देखा एवं मतगणना टेबल, मतगणना कार्य में लगे अमले की संख्या, सुरक्षा व्यवस्था आदि के बारे में जानकारी ली। राजन ने मतगणना स्थल पर स्ट्रांग रूम की सीसीटीवी के माध्यम से निगरानी के लिये बनायी गई व्यवस्था का भी अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि मतगणना स्थल पर सभी व्यवस्थाएं सुचारू रहें, किसी भी वजह से मतगणना प्रभावित नहीं हो, यह सुनिश्चित किया जाये। मतगणना स्थल के निरीक्षण के बाद जिला कोषालय के स्ट्रांग रूम का अवलोकन कर डाक मतपत्र की सुरक्षा व्यवस्था के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। कमिश्नर चम्बल संभाग श्री दीपक सिंह, आईजी चम्बल श्री सुशांत कुमार सक्सेना, डीआईजी श्री कुमार सौरभ, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजीव श्रीवास्तव, पुलिस अधीक्षक श्री असित यादव, सीईओ जिला पंचायत श्री मनोज सरियाम सहित अधिकारी उपस्थित थे।

प्रशिक्षण में 800 कर्मचारी सीखेंगे मतगणना की बारीकियां

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

जिले की सात विधानसभा क्षेत्रों की मतगणना तीन दिसंबर को जिला जेल में सुबह 8 बजे से की जाएगी। इसके लिए लगभग 800 कर्मचारियों को पहले चरण में प्रशिक्षण दिया गया है। अब उनको अंतिम प्रशिक्षण शनिवार यानी दो दिसंबर को दिया जाएगा। अंतिम प्रशिक्षण में कर्मचारियों को डाक मतपत्रों की गिनती की प्रक्रिया क्या रहेगी, ईवीएम से वोटों की गिनती कैसे की जाएगी सहित मतगणना से जुड़े हर बिंदु की जानकारी बारीकी से दी जाएगी। जिससे मतगणना के दौरान कर्मचारियों को किसी प्रकार की समस्या न हो। बता दें कि सुबह आठ बजे से जिला जेल में पहले डाक मत पत्रों की गिनती की जाएगी। इसके आधे घंटे बाद ईवीएम मशीनों के मतों की गिनती शुरू हो जाएगी।

मतगणना का प्रशिक्षण कर्मचारियों को आज गुरुवार को ही दिया जाना था, लेकिन इसमें बदलाव करते हुए अब यह दो दिसंबर को किया गया है । इसकी वजह यह है कि यदि आज प्रशिक्षण दे देते तो फिर कर्मचारियों को पहचान पत्र के लिए दोबारा से बुलाना पड़ता। इसलिए उसी दिन प्रशिक्षण के साथ ही उनको पहचान पत्र भी वितरित कर दिए जाएंगे। जिससे वह बिना किसी परेशानी के स्ट्रांग रूम में पहुंच सकें।

विधानसभा क्षेत्रवार दिया जाएगा प्रशिक्षण

मतगणना का प्रशिक्षण एमबीएम कालेज में दोपहर 12 से तीन बजे तक दिया जाएगा। प्रशिक्षण लेने वाले कर्मचारियों को पहले से विधानसभाएं अलाट कर दी जाएंगी। इसलिए वह विधानसभावार बनाए गए रूम में ही बैठेंगे। यानी बैरसिया, भोपाल उत्तर, नरेला, दक्षिण-पश्चिम, भोपाल मध्य और गोविंदपुरा, हुजूर विधानसभा के लिए अलग-अलग रूम रहेंगे।

मतगणना में सभी टेबिलों पर होगी वीडियोग्राफी

विधानसभा चुनाव के लिए जिले के सात सीटों के उम्मीदवारों के लिए डाले गए वोटों की गणना की वीडियोग्राफी कराई जाएगी। इसके साथ स्ट्रांग रूम से ईवीएम मशीनें निकालने, टेबिलों पर रखने और उनके वोटों की गिनती तक पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराई जाएगी। इसके साथ काउंटिंग के बाद मशीनों की सीलिंग का काम भी कैमरे की देखरेख में किया जाना है। एक-एक राउंड की मतगणना के बाद रिटर्निंग अधिकारी को सर्टिफिकेट देना पड़ेगा। जिसके आधार पर सभी राउंडों की काउंटिंग को आखिर में जोड़कर कुल वोटों की गिनती होगी। आयोग के मुताबिक मतगणना की प्रक्रिया पूरी होने के बाद वीडियो कैसेट भविष्य के लिए सीलबंद की जाएगी। उम्मीदवार यह कैसेट ले भी सकते हैं।

बीटेक के छात्र ने फांसी लगाकर जान दी, रिश्तेदार पर प्रताड़ित करने का आरोप

भोपाल। शहर के बिलखिरिया इलाके में स्थित आइबीडी कालोनी में किराये से रहने वाले बीटेक छात्र 19 वर्षीय अनुराग सूर्यवंशी ने फांसी लगाकर जान दे दी। सुसाइड नोट न मिलने के कारण उसके जान देने का कारण सामने नहीं आ पाया है। हालांकि छात्र के स्वजन ने एक रिश्तेदार पर प्रताड़ित करने के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। बिलखिरिया टीआइ कुंवर सिंह मुकाती के मुताबिक मूलत: छिंदवाड़ा निवासी अनुराग सूर्यवंशी अपने बड़े भाई अभिषेक के साथ भोपाल में रहकर पढ़ाई कर रहा था। अभिषेक एमसीए कर रहा है। अभिषेक ने बताया कि मंगलवार सुबह दोनों कालेज चले गए। दोपहर करीब साढ़े 4 बजे वह घर पहुंचा तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। काफी आवाज देने के बाद भी जब दरवाजा नहीं खुला तो उसने खिड़की से अंदर देखा था तो अनुराग फांसी पर लटका था। इसके बाद दरवाजा तोड़कर कमरे में पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। अनुराग रोजाना अपने भाई के साथ ही कालेज से लौटता था, लेकिन मंगलवार को वह जल्दी लौट आया था। अभिषेक के पिता सहदेव सूर्यवंशी ने अपने एक रिश्तेदार पर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि हमारा जमीनी विवाद चल रहा है। जमीनी विवाद के कारण रिश्तेदार ने मेरे बेटे पर छिंदवाड़ा में प्रकरण दर्ज करा दिया था। इस कारण से वह तनाव में था।

केंद्र सरकार बताएं 17 दिन क्यों लगे श्रमिकों को बाहर निकालने में : विभा पटेल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष विभा पटेल ने कहा कि 17 दिन बाद उत्तरकाशी के सिलक्यारा टनल में फंसे 41 मजदूर ईश्वर की असीम कृपा से सुरक्षित रूप से बाहर आ गए। लाखों, करोड़ों भारतीयों की प्रार्थनाएं ईश्वर ने स्वीकार की। देश और प्रदेश ने राहत की सांस ली। सफलतम रेस्क्यू ऑपरेशन में सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, बीआरओ, आरवीएनएल, एसजेवीएनएल, ओएनजीसी, आईटीबीपी आदि समेत तमाम अफसरों एवं कर्मचारियों की दिन-रात की जीतोड़ मेहनत काम आई। सभी श्रमिकों को सकुशल बाहर निकालने में इन सभी की अहम भूमिका रही है। अद्भुत टीम के रूप में काम किया। रेस्क्यू ऑपरेशन में शामिल टीम का वंदन, अभिनंदन और आभार के साथ बधाई। 41 मजदूरों के बाहर आने पर मध्य प्रदेश समेत देश में हर्ष की लहर है। यह भी प्रसन्नता की बात है कि सभी श्रमिक स्वस्थ है। विभा पटेल ने कहा कि विचारणीय प्रश्न तो ये है कि हम चांद तक पहुंचे, मंगलग्रह को नापने के बावजूद टनल में फंसे 41 श्रमिकों को बाहर निकालने में 17 दिन लगे? देश-दुनिया के स्टूडेंट के लिए अब यह एक रिसर्च का सब्जेक्ट हो गया है। श्रीमती विभा पटेल ने कहा कि अब यह भी सार्वजनिक होना चाहिए कि आखिर कौन सी कंपनी ने टनल खुदाई का ठेका लिया है? इस कंपनी का मालिक कौन है? उसका इस बचाव अभियान में कहीं भी क्यों अता-पता नहीं चला? वह सहायता कार्य में क्यों आगे नहीं आई? इसका जवाब केंद्र सरकार को देना चाहिए।

विभा पटेल ने कहा कि सिलक्यारा टनल मिशन को सफल बनाने में मध्यप्रदेश कैडर के एक सीनियर आईएएस सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के सचिव अनुराग जैन ने अहम रोल निभाया है। मजदूरों के सुरंग में फंसने के बाद पहले दिन से ही उन्होंने मौके पर मोर्चा संभाल लिया था। उनके नेतृत्व में ही मजदूरों को सकुशल बाहर निकालने का काम हुआ है। उनका भी आभार है। वे उनकी सराहना करती है।

विभा पटेल ने कहा कि 41 श्रमिकों के हौंसले, जीवटता, इच्छा शक्ति को सलाम है। इससे हमें प्रेरणा भी मिलती है। श्रमिकों का साहस हमें शिक्षा देता है कि विपदा में धैर्य नहीं खोना चाहिए। श्रीमती विभा पटेल ने कहा कि जब तमाम मजदूरों ने टनल से बाहर आकर खुली हवा में सांस ली तो देश और दुनिया में हर कोई भारतीय सेना, एनडीआरएफ जवानों की प्रशंसा और सराहना करने से खुद को नहीं रोक सका।

एम्स के डॉक्टरों ने सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व किया

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

एम्स भोपाल के प्रोफेसर जयंती यादव, डॉ. दिव्यभूषण वार्ष्णेय और डॉ. मृणाल पटनायक ने सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में, 20 नवंबर से 24 नवंबर, 2023 तक आयोजित 23वें त्रैवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय फोरेंसिक साइंसेज सम्मेलन (आईएएफएस 2023) में प्रतिनिधित्व करते हुए फोरेंसिक चिकित्सा के महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला और शोध पत्र प्रस्तुत किये।

प्रोफेसर यादव ने सर्पदंश के मामलों का विश्लेषण प्रस्तुत किया, जो अक्सर सर्पदंश के मामलों से जुड़ी जटिलताओं और गलत अवधारणाओं से सम्बंधित है। डॉ. वार्ष्णेय ने आत्मघाती मौतों के मामलों में जैव रासायनिक मार्करों और मनोवैज्ञानिक शव परीक्षण के बीच संबंध की खोज के बारे में अपना शोध प्रस्तुत किया। डॉ. पटनायक ने अलग-अलग पोस्टमार्टम अंतराल के साथ शवों से प्राप्त शुक्राणुओं की व्यवहार्यता के बारे में बताया, जो फोरेंसिक जीवविज्ञान की समझ में योगदान देता है। डॉ. पटनायक और डॉ. वार्ष्णेय को उनके असाधारण योगदान के लिए आईसीएमआर और एमपीसीएसटी से अनुदान प्राप्त हुआ था।

विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अरनीत अरोड़ा के नेतृत्व में फोरेंसिक मेडिसिन विभाग इन उपलब्धियों के लिए प्रेरणा श्रोत रहा है। प्रतिभागियों ने एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ) अजय सिंह के अपार समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया है जो न केवल एम्स भोपाल के डॉक्टरों को ऐसे प्रयासों के लिए प्रेरित करते हैं बल्कि प्रोत्साहित भी करते हैं। उनहोंने आईएएफएस 2023 में सफल और ज्ञानवर्धक भागीदारी के लिए विभाग को बधाई देते हैं, जो न केवल संस्थान का बल्कि फोरेंसिक और चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में भारत की शक्ति का भी प्रतिनिधित्व करता है।

एम्स कल्याणी में फिजियोलॉजी में परिदृश्य आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों पर कार्यशाला का आयोजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

एम्स के डॉक्टरों ने एम्स कल्याणी में फिजियोलॉजी में परिदृश्य-आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों (एमसीक्यू) पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया । फार्माकोलॉजी सेमिनार रूम में आज सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक आयोजित इस कार्यक्रम में चिकित्सा पेशेवरों, संकाय सदस्यों और छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया ।

एम्स भोपाल की डॉ. रेखा जिवाने और डॉ. रचना पाराशर एवं प्यूपिल्स मेडिकल कॉलेज की डॉ. युगांति के कुशल समन्वय में कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को व्यावहारिक परिदृश्यों में ले जा कर फिजियोलॉजी शिक्षा के पारंपरिक दृष्टिकोण में क्रांतिकारी बदलाव लाना था। समन्वयकों ने एक आकर्षक सत्र का आयोजन किया, जिसमें परिदृश्य-आधारित एमसीक्यू की जटिलताओं पर प्रकाश डाला गया। पूरी कार्यशाला के दौरान, प्रतिभागियों को इंटरैक्टिव चर्चाओं से अवगत कराया गया, जिससे उन्हें मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्राप्त करने और परिदृश्य-आधारित प्रश्नों से निपटने के लिए प्रभावी रणनीति विकसित करने में मदद मिली। कार्यशाला द्वारा प्रोत्साहित सहयोगात्मक शिक्षण वातावरण ने न केवल प्रतिभागियों के शरीर क्रिया विज्ञान के ज्ञान को बढ़ाया बल्कि उनकी आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान कौशल को भी निखारा। तीन घंटे के सत्र ने उपस्थित लोगों को व्यावहारिक अभ्यास में संलग्न होने के लिए एक मंच प्रदान किया, जिससे उन्हें सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों में लागू करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। डॉ. रेखा जिवाने ने उपस्थित लोगों द्वारा प्रदर्शित उत्साह और सक्रिय भागीदारी पर अपनी संतुष्टि व्यक्त की। उन्होंने कहा कि हमारा मानना है कि सीखने के पाठ्यक्रम में परिदृश्य-आधारित एमसीक्यू का एकीकरण चिकित्सा पेशेवरों को उनके करियर में आने वाली जटिल परिस्थितियों से निपटने के लिए तैयार करने के लिए आवश्यक है।

एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक, प्रोफेसर (डॉ.) अजय सिंह ने कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए टीम को बधाई दी है।

शोध कार्य में तंत्रिका चालन अध्ययन और खोजी उपकरण पर कार्यशाला: एम्स के फिजियोलॉजी विभाग ने तंत्रिका चालन अध्ययन और फिजियोलॉजी के जांच उपकरणों पर एक व्यावहारिक कार्यशाला का आयोजन किया। डॉ. रुचि सिंह और डॉ. सुनील चौहान द्वारा समन्वित, यह कार्यशाला एम्स कल्याणी में चल रहे एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट एंड फार्माकोलॉजिस्ट (एपीकोन) 2023 के राष्ट्रीय सम्मेलनके तत्वावधान में एक उपग्रह कार्यक्रम के रूप में आयोजित की गयी । इस कार्यशाला में मेरठ, इंदौर, भोपाल और सागर के विभिन्न संस्थानों के 40 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम ने उपस्थित लोगों को तंत्रिका चालन अध्ययन की तकनीकी जटिलताओं में व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान किया, जो नैदानिक निदान के लिए एक आवश्यक विस्तार है।

एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक और सीईओ प्रोफेसर (डॉ) अजय सिंह ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस अवसर पर असाध्य मिर्गी के रोगियों के लिए तैयार योग पर एक पुस्तिका का विमोचन भी किया। विज्ञानं एवं प्रौद्योगिकी विभाग की सत्यम योजना के अंतर्गत वित्त पोषित है। तंत्रिका चालन अध्ययन नैदानिक निदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कार्यशाला में अध्ययन किए जा रहे भाग की शारीरिक रचना को समझने के महत्व पर जोर दिया गया। डॉ. नीरेंद्र राय (न्यूरोलॉजिस्ट), डॉ. सुनीता अठावले (एनाटोमिस्ट), डॉ. रेखा लालवानी (एनाटोमिस्ट) और डॉ. शीतल कोटगिरवार (एनाटोमिस्ट) सहित विशेषज्ञ वक्ताओं की एक टीम फिजियोलॉजी विभाग केडॉ. संतोष वाकोडे (फिजियोलॉजी के प्रमुख), डॉ. रुचि सिंह, और डॉ. सुनील चौहान ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किये। प्रो. रजनीश जोशी (डीन एकेडमिक्स) ने नियमित रोगी निदान में इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल अध्ययन की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

सम्पादकीय

लापरवाही, गलतियां, फिर भी काम जारी...!

भले ही इकतालीस मजदूरों की जिंदगी दांव पर लग गई थी, बचाव कार्य में कितनी ही मेहनत लगी हो, आगे भी कितनी ही रिस्क हो, लेकिन सिलक्यारा-डंडारगांव टनल का काम जारी रहेगा। ये हमारी प्रशासनिक व्यवस्था की जिद है। और शायद फिर से कई जिंदगियों को दांव पर लगाने की मूर्खता भी। हम जिन लोगों से उम्मीद करते हैं, वो उम्मीद व्यर्थ ही है। क्योंकि बड़े प्रोजेक्ट से सरकार को श्रेय मिलता है और शायद सत्ता में बैठी पार्टी वोट भी कबाड़ने में कामयाब हो जाती है। और शायद नेता-अफसरों और ठेकेदारों के गठजोड़ को बड़ी कमाई भी हो जाती है, ऊपरी।

तभी तो चूने के पहाड़ में बनाई जा रही टनल का काम जारी रहेगा। क्योंकि यह टनल 12 हजार करोड़ रुपए के महत्त्वाकांक्षी चार धाम ऑल वेदर रोड परियोजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके निर्माण की खामियों पर उठ रहे सवालों पर कंस्ट्रक्शन एजेंसी और केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय अभी चुप है। इसका प्रशासनिक और राजनीतिक कारण हो सकता है। इसकी कुछ खामियों पर हम भी नजर डालते हैं, जो न केवल चौंकाने वाली हैं, अपितु राजनीतिक और प्रशासनिक हठ का भी उदाहरण सामने रखती हैं।

एक खबर पर गौर करें तो टनल प्रोजेक्ट की डीपीआर और निर्माण में बड़ा अंतर है। सरकारी वेबसाइट पर जून 2018 में अपलोड इस प्रोजेक्ट का आरएफपी यानि रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल) देखेंगे तो नेशनल हाईवे एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेट लिमिटेड के बनाए टनल का प्लान समझ आएगा। इसमें इमरजेंसी में टनल से बाहर निकलने के तीन रास्ते थे, लेकिन कंपनी ने अब तक एक भी नहीं बनाया। क्या यह लापरवाही नहीं? टनल के निरीक्षण में भी विशेषज्ञों ने इसकी अनदेखी की। फिर उन्हें विशेषज्ञ कहलाने का अधिकार कैसे मिल गया?

भूवैज्ञानिक और पर्यावरणविद लगातार इस पर आपत्ति उठाते आ रहे हैं। उनका साफ कहना है कि इस प्रोजेक्ट का भू वैज्ञानिक और भू तकनीकी सर्वेक्षण ठीक से नहीं हुआ। सुरंग का स्थान मेन सेंट्रल थ्रस्ट के करीब है और यह क्षेत्र भूकंप संभावित है। सर्वेक्षण में इस अति महत्वपूर्ण तथ्य की अनदेखी की गई। इस प्रोजेक्ट की डीपीआर और निर्माण कंपनी के काम की गहन जांच होना चाहिए, लेकिन सवाल फिर उठता है कि करेगा कौन? भू वैज्ञानिक कहते हैं कि सिल्कयारा सुरंग चूने की चट्टान यानि तलछटी चट्टान वाले क्षेत्र में बनाई जा रही है, जिससे इसके बार-बार ढहने का खतरा है। इसके दो संभावित कारण हैं। पहला- ब्लाइंड शियर जोन की संभावना, जिसकी पहले रिपोर्ट नहीं देखी गई थी। दूसरा- सुरंग बनाने के लिए विस्फोटकों का उपयोग। यह घटना सुरंग निर्माण सुरक्षा प्रोटोकॉल से समझौते का परिणाम है।

मंत्रालय की एस्टिमेट्स समिति की रिपोर्ट के मुताबिक 1383.78 करोड़ के प्रोजेक्ट में दो लेन की बाय-डायरेक्शन टनल, इसके ऑपरेशन और मेंटेनेंस के अलावा संपर्क मार्ग और एस्केप पैसेज यानि बाहर निकलने के रास्ते का निर्माण शामिल था। एनएचआईडीसीएल ने शॉर्टलिस्टेड 10 कंस्ट्रक्शन कंपनियों में से एनईसीएल यानि नवयुगा इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड को 853.79 करोड़ में ठेका ईपीसी मोड में दिया। फिर एनईसीएल ने तिन अन्य कंपनियों श्री साई कंस्ट्रक्शन, नव दुर्गा और पीबी चड्ढा के जरिए मजदूरों को अनुबंधित किया। तय हुआ कि टनल, एस्केप पैसेज और अप्रोच रोड आठ जुलाई 2022 तक बन जाएंगे। इसका काम जुलाई 2018 में शुरू हुआ, लेकिन अब तक सिर्फ 56 प्रतिशत ही काम हो पाया। अब इसकी डेडलाइन मई 2024 है। रेस्क्यू पैसेज तो टनल में है ही नहीं।

क्या यह गंभीर लापरवाही नहीं है? कंपनी से सवाल किया तो कहा गया कि टनल में इसकी जरूरत नहीं थी, क्योंकि दोनों लेन के बीच दीवार में इमरजेंसी एग्जिट गेट का प्रावधान है। इससे आपात स्थिति में एक से दूसरे तरफ मूवमेंट होगा। हकीकत ये है कि सुरंग में कहीं भी एग्जिट गेट अब तक नहीं हैं। सुरंग के खोदे गए हिस्से में सुरक्षा (ह्यूम) पाइप नहीं डाले गए। इस प्रोजेक्ट के लिए एनएचआईडीसीएल के महाप्रबंधक के रूप में काम कर रहे कर्नल दीपक पाटिल ने बताया कि कमजोर स्थानों पर ह्यूम पाइप का उपयोग करने की योजना थी, लेकिन किसी को भी एहसास नहीं था कि इस पैमाने पर कुछ हो सकता है।

10 और 11 नवंबर को भी मलबा गिर रहा था, जिसे जेसीबी मशीन से एक लोडर में भरा गया। उस समय भी कंपनी ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। मलबा गिरने के बाद आपदा की प्रारंभिक प्रक्रिया में भी देरी हुई। फंसे हुए मजदूरों और बचाव टीमों के बीच बातचीत का कोई भी चैनल नहीं था। जबकि सुरक्षा के लिहाज से ये जरूरी था। कंपनी के पास ऐसी चुनौती से निपटने के लिए एक भी विशेष मशीन नहीं थी, न ही उसने किसी दूसरी कंपनी से इसे लेकर करार किया था। सिल्क्यारा सुरंग की खुदाई के दौरान भी गलती होने का दावा भी किया जा रहा है, जिस कारण उसके अंतिम आकार और सपोर्ट के लिए सेकंड लेयर के दौरान फिर से प्रोफाइलिंग करनी पड़ी। लाइनिंग के दौरान रीप्रोफाइलिंग भी बेतरतीब तरीके से की गई।

अब एक अंतिम लापरवाही। या जानबूझकर की जा रही गलती। वो ये कि हादसे की जांच समिति का नेतृत्व निदेशक, भूस्खलन शमन और प्रबंधन केंद्र उत्तराखंड कर रहे हैं। एलएमएमसी नया स्वायत्त निकाय है। आश्चर्य की बात ये है कि इसमें कोई भू-वैज्ञानिक नहीं है, सिर्फ इंजीनियर हैं। 6 सदस्यीय समिति में श्रमिक संघ या स्वतंत्र विशेषज्ञ भी नहीं है, जो आपत्ति करने की हिम्मत जुटा सके। यानि काम जारी रहेगा। राजनीतिक प्रोजेक्ट जो है। कमीशन की अभी बात नहीं की जा सकती, क्योंकि बड़े प्रोजेक्ट में बड़ा नहीं बहुत बड़ा कमीशन होता है। और ऐसी परियोजनाओं में, जो महत्वाकांक्षी हों, जिनसे राजनीतिक फायदा उठाना हो, उनकी बात तो कुछ और ही है। कितने ही आम लोगों की जान खतरे में पड़े, कोई फर्क नहीं पड़ता। हम इसी भूस्खलन और हिमस्खलन वाले क्षेत्र में कमजोर पहाड़ों में सुरंग यानि टनल बनाएंगे। कोई रोक सके तो रोक ले। वैसे भी हमारे देश के अधिसंख्य लोग हजारों साल वाले सुसुप्त ज्वालामुखी की तरह अभी भी नींद में हैं। बेखबर हैं। या तो बोलने से डरते हैं, या बिक जाते हैं।

जय हिंद।

टनल रेस्क्यू ऑपरेशनः

आखिर मनुष्य पर भरोसा ही काम आया...!

अजय बोकिल

आस-निरास से भरे इस महाअभियान ने यह फिर से साबित किया कि मनुष्य और उसकी इच्छाशक्ति तमाम मशीनों और प्रौद्योगिकियों पर भारी है। आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस से मानव सभ्यता को मिल रही चुनौतियों का सिलक्यारा टनल ऑपरेशन सटीक जवाब है।

उत्तराखंड के उत्तरकाशी में निर्माणाधीन सिलक्यारा टनल (सुरंग) का एक हिस्सा ढह जाने से वहां फंसे 41 मजदूरों को 17 वें दिन सकुशल निकाले जाने के अभूतपूर्व बचाव अभियान ने रेस्क्यू ऑपरेशनों के इतिहास में एक नया अध्याय रच दिया है। यह समूचा घटनाक्रम मनुष्य की जिजीविषा और मानवीय गलतियों का मिश्रित आख्यान है, जो अंततः मनुष्य की सर्वश्रेष्ठता को साबित करता है। साथ ही प्रकृति से दुस्सासिक छेड़छाड़ से आगाह भी करता है।

तमाम खट्टे- मीठे और आस-निरास से भरे इस महाअभियान ने यह फिर से साबित किया कि मनुष्य और उसकी इच्छाशक्ति तमाम मशीनों और प्रौद्योगिकियों पर भारी है। आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस से मानव सभ्यता को मिल रही चुनौतियों का सिलक्यारा टनल ऑपरेशन सटीक जवाब है। जब सारी मशीने फेल हो गईं तब मानव शक्ति और जिद ही काम आई। मनुष्य को बचाने के लिए मनुष्य के हाथ ही सर्वशक्तिमान साबित हुए। आस्था ने अनास्था को अतिक्रमण नहीं करने दिया। धैर्य और संयम, अवसाद और निराशा पर भारी पड़ा। मृत्यु पर मनुष्य की जिजीविषा की ताकत सवा सेर सिद्ध हुई। फिर भरोसा बना कि मनुष्य का मनुष्य ही रक्षक है। मनुष्य बचेगा तो मानवता बचेगी।

उत्तर काशी का यह बचाव अभियान विश्व के अब तक सबसे लंबे चले थाम लुआंग गुफा रेस्क्यू ऑपरेशन का रिकॉर्ड भले न तोड़ पाया हो, लेकिन उसकी लगभग बराबरी जरूर कर गया।

गौरतलब, है कि 23 जून 2018 को थाईलैंड किशोर फुटबॉल खिलाड़ियों की एक टीम प्रेक्टिस के दौरान अपने सहायक कोच के साथ थाम लुआंग नांग नोम गुफा में उसे देखने पहुंची। थोड़ी बाद ही मौसम बदला और भारी बारिश शुरू हो गई। बाढ़ और पानी की तेज धारा ने गुफा से निकलने का रास्ता बंद कर दिया। उन गुफा में फंसे बच्चों को सुरक्षित निकालना पूरी मानवता के लिए चुनौती बन गया।

बच्चों से कोई संपर्क न होने से यह पता लगाना भी मुश्किल था कि गुफा में फंसे बच्चे जिंदा है भी या नहीं। पूरे थाईलैंड में भारी चिंता फैल गई। वहां की सरकार ने दुनिया भर से बचाव अभियान में सहायता मांगी। घटना के नौवें दिन ब्रिटिश गोताखोरों ने पता लगाया कि गुफा में कैद बच्चे जिंदा हैं। ये बच्चे गुफा के प्रवेश द्वार से चार किमी दूर एक उठी हुई चट्टान पर शरण लिए हुए थे। लेकिन सवाल यह था कि भारी मानसूनी बारिश में इन बच्चों को कैसे सुरक्षित निकाला जाए।

इसके लिए बहुत व्यापक बचाव अभियान चलाया गया और अंततः घटना के 18 वें दिन गुफा में फंसे सभी 12 बच्चों को सुरक्षित निकाल लिया गया। इस पूरे महाभियान में 10 हजार से ज्यादा राहत कर्मी, 100 गोताखोर, 100 सरकारी एजेंसियां, 2900 पुलिस कर्मी, 10 पुलिस के हेलीकॉप्टर, 7 एंबुलेंस, 100 डायविंग सिलेंडर लगे थे। बच्चों को बचाने के लिए गुफा से एक अरब लीटर पानी उलीचना पड़ा था। 18 जुलाई 2018 को यह बेहद चुनौतीभरा अभियान सफलतापूर्वक पूरा हुआ। हालांकि, इस अभियान के दौरान थाई सेना को अपना एक नेवी सील कमांडो खोना पड़ा था।

इसी कड़ी में ताजा उत्तरकाशी टनल बचाव अभियान भी थाम लुआंग गुफा से कम चुनौतीपूर्ण नहीं था। राहत की बात केवल इतनी थी कि जो मजदूर टनल के धंसने से दूसरे सिरे पर फंस गए थे, उनसे संपर्क जल्द ही स्थापित हो गया था और यह संपर्क ही जीवन ज्योत जलते रहने की गारंटी साबित हुआ। थाम लुआंग में 12 बच्चे थे, सिलक्यारा टनल में 41 युवा मजदूर फंसे थे, जिन्हें इस बात का अहसास शायद ही होगा कि जिस टनल का 60 फीसदी काम वो पूरा कर चुके थे, उसकी छत अचानक एक दिन धंस जाएगी और उनके लौटने का रास्ता बंद हो जाएगा।

सिलक्यारा टनल रेक्स्यू ऑपरेशन की कहानी भी पल- पल उभरती नई चुनौतियों और उनसे जूझने के अथक परिश्रम की रोमांचक कहानी है। टनल में फंसे मजदूरों ने वो टनल के अंधेरे में वो 17 दिन और रातें किस तरह काटी होंगी, इसका खुलासा तो कुछ दिन बाद ही होगा। लेकिन जो हुआ होगा, उसकी कल्पना भी सिहरा देने वाली है।

न खाने का पूरा इंतजाम, न सोने की जगह और न नित्य कर्म की कोई सुविधा। ऐसे में आशा और निराशा की लहरों के बीच 17 दिन गुजारना और वो भी बगैर अवसाद का शिकार हुए, अपने आप में बहुत बड़ी और प्रेरक बात है। हालांकि, उन मजदूरों तक खाना, पानी और ऑक्सीजन पहुंचाने के इंतजाम संभव हो सके थे। उनसे टेलीफोन के जरिए बातचीत भी हो रही थी। लेकिन इस बात की गारंटी देने की स्थिति में कोई नहीं था कि टनल में फंसे मजदूर नई सुबह कब देख सकेंगे।

फिर भी अपनों से संपर्क ने उम्मीद की किरण कायम रखी। टनल में फंसे ये मजदूर जब बाहर आए तब भी उनके चेहरे राहत का भाव स्पष्ट था, लेकिन व्यवहार में कहीं कोई असामान्यता नहीं थी। बेशक उत्तरकाशी का यह टनल बचाव अभियान भारत का सबसे लंबा और सफल बचाव अभियान था।

इसमें भी एनडीआरएफ, भारतीय सेना, उत्तराखंड सरकार की सभी एजेंसियां और अंतरराष्ट्रीय टनल एक्सपर्ट रात दिन लगे थे। समय लग रहा था, लेकिन प्रयासों और इच्छाशक्ति में कहीं कोई कमी नहीं थी। वैसे भी प्रकृति से लड़ना मनुष्य के लिए सबसे कठिन है। इस बचाव अभियान में भी कई प्लान बने। कई नाकामयाब हुए तो कुछ कामयाब भी हुए। जीवन बचाने की दौड़ में मशीनें ज्यादा साथ नहीं दे पाईं।

अंततः मनुष्य की ताकत और इच्छाशक्ति पर भरोसा किया गया। वही काम भी आया। इस अभियान में देवदूत बने रैट होल माइनर मजदूरों का यह कहना बहुत मायने रखता है कि हमारे सामने बस एक लक्ष्य था, अपने मजदूर भाइयों को बचाना है। वो हमने कर दिखाया। यह बात अलग है कि दुर्गम पहाड़ों और धरती की गहराइयों को अपनी खुदाई के हुनर से नापने वालों की तुलना अंग्रेजी में चूहों से की जाती है।

असल में इन मजदूरों के हाथ मृत्यु की चट्टानों को जीवन की छेनी से भेदने वाले हाथ हैं, जो खुद मौत के खतरों को अपने कंधों पर थामे चलते हैं। इनकी मेहनत रंग लाई और आखिरकार मलबे में उस पार फंसे मजदूरों तक फिर से जीवन रेखा खिंच गई। हालांकि, रेट होल माइनिंग में होने वाले हादसों के मद्देनजर हाई कोर्ट ने पांच साल से इस पर रोक लगा रखी है, लेकिन यह प्रतिबंधित तकनीक ही आड़े वक्त पर संजीवनी साबित हुई।

मंगलवार की शाम 7 बजकर 5 मिनट पर टनल में कैद जिंदगियों तक रिहाई की रोशनी पहुंची और दो ढाई घंटों में सभी को मौत के कुएं से बाहर खींच लिया गया। 41 मजदूरों को बचाने में प्रयत्नों की पराकाष्ठा में असफलता के खतरे भी छिपे हुए थे। लेकिन प्रधानमंत्री से लेकर स्थानीय स्तर पर समूचे बचाव अभियान की निरंतर मॉनिटरिंग और आपसी समन्वय ने इस महाभियान को सफलता की मंजिल तक पहुंचाया।

आस्था के पुट ने इस महा बचाव अभियान को अपने ढंग से ताकत दी। कुछ लोग इसे अंधविश्वास अथवा महज संयोग भी मान सकते हैं, लेकिन सुरंग के मुहाने पर बने स्थानीय देवता बाबा बौखनाग की प्रतिमा के आगे टनल विशेषज्ञ और इंटरनेशनल टनलिंग एंड अंडरग्राउंड स्पेस एसोसिएशन (आइटीयूएसए) के प्रेजिडेंट अर्नाल्ड डिक्स यूं रोज सिर नहीं नवाते, लेकिन इस समूचे हादसे ने जीवन रेखा को अधोरेखित करने के साथ सवालों और चेतावनियों की लाल रेखाएं भी हाई लाइट कर दी हैं।

पहला तो यह अपेक्षाकृत कच्ची चट्टानों से बने हिमालय से साथ विकास के नाम पर मानवीय छेड़छाड़ कितनी घातक है। और दूसरा यह कि क्या ऐसे संभावित हादसों का पूर्वानुमान लगाते हुए एहतियाती उपाय नहीं किए जाने चाहिए? पर्यावरणविदों का कहना है कि यह हादसा हम सभी के लिए सीखने का एक मौका है।

रोमन दार्शनिक ल्युसियस एनायस सेनेका का वाक्य है दुनिया में सबसे बहादुर दृष्टि किसी महान व्यक्ति को आपदा से लड़ते हुए देखना है। इसी तरह कन्हैयालाल नंदन की कविता की पंक्ति है- जीवन के साथ थोड़ा-बहुत मृत्यु भी मरती है। इसीलिये मृत्यु जिजीविषा से बहुत डरती है।

बाबा रामदेव कहीं धीरेन्द्र ब्रह्मचारी की तरह फ्लाइंग गुरु न बन जाएं?

आलोक मेहता

बाबा रामदेव ने योग के प्रचार प्रसार के साथ न केवल सत्ता की राजनीति में प्रभाव बनाया, बल्कि अब देशी और बहुराष्ट्रीय कंपनियों को चुनौती देते हुए दवाइयों के व्यापार से अपना आर्थिक साम्राज्य सा खड़ा कर लिया है। विभिन्न राज्यों में जमीन लेने और दवाइयों और घातक बीमारियों से बचाव के दावों से विवादों में उलझते जा रहे हैं। इसलिए भारत में नेहरू इंदिरा सत्ता काल में योग शिक्षा से सरकारों में प्रभाव और जमीनों, विमानों की खरीदी तथा हथियारों की फैक्ट्री और धंधों के कारण संकट में पड़ गए थे। उन्हें फ़्लाइंग गुरु कहा जाता था। भारत के पहले समाचार टेलीविज़न दूरदर्शन से धीरेन्द्र ब्रह्मचारी ने योग शिक्षा शुरु की थी, लेकिन बहुत धंधा करने पर रातोंरात वह कार्यक्रम बंद हुआ था। बहरहाल यह स्वीकारना होगा कि बाबा रामदेव के योग प्रचार और आयुर्वेद के उपयोग पर भी किसीको आपत्ति नहीं है। उनके गलत दावों और व्यापार के लिए देश दुनिया में कमाई, जमीन लेने, नियम कानून का पालन नहीं करने के आरोप गंभीर हैं। वह तो सुप्रीम कोर्ट को भी चुनौती दे रहे हैं कि चाहे एक हजार करोड़ का जुर्माना करें या फांसी की सजा दे दें, उनके दावे दवा इलाज ही सही है।

सुप्रीम कोर्ट ने पिछले दिनों बाबा रामदेव और उनकी कंपनी पतंजलि आयुर्वेद को फटकार लगाई है। मॉडर्न मेडिसिन सिस्टम यानी आधुनिक चिकित्सा प्रणालियों के खिलाफ भ्रामक दावे और विज्ञापन प्रचार करने को लेकर ये फटकार लगाई गई है। भ्रामक विज्ञापनों के खिलाफ इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने याचिका दायर की थी। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और प्रशांत कुमार मिश्रा की बेंच ने इस मामले की सुनवाई की। जस्टिस अमानुल्लाह ने कहा- पतंजलि आयुर्वेद को सभी झूठे और भ्रामक दावों वाले विज्ञापनों को तुरंत बंद करना होगा। कोर्ट ऐसे किसी भी उल्लंघन को बहुत गंभीरता से लेगा और हर एक प्रोडक्ट के झूठे दावे पर 1 करोड़ रुपए तक का जुर्माना भी लगा सकता है। इसके बाद कोर्ट ने निर्देश दिया कि पतंजलि आयुर्वेद भविष्य में ऐसा कोई विज्ञापन प्रकाशित नहीं करेगा और यह भी सुनिश्चित करेगा कि प्रेस में उसकी ओर से इस तरह के कैज़ुअल स्टेटमेंट न दिए जाएं। बेंच ने यह भी कहा कि वह इस मुद्दे को 'एलोपैथी बनाम आयुर्वेद' की बहस नहीं बनाना चाहती बल्कि भ्रामक चिकित्सा विज्ञापनों की समस्या का वास्तविक समाधान ढूंढना चाहती है।

बेंच ने भारत के एडिशनल सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज से कहा कि केंद्र सरकार को समस्या से निपटने के लिए एक व्यवहारपूर्ण समाधान ढूंढना होगा। कोर्ट ने सरकार से कंसल्टेशन के बाद कोर्ट में आने को कहा है। इस मामले पर अगली सुनवाई 5 फरवरी 2024 को होगी।पिछले साल भी इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की याचिका पर नोटिस जारी करते हुए कोर्ट ने एलोपैथी जैसी आधुनिक चिकित्सा प्रणालियों के खिलाफ बयान देने के लिए बाबा रामदेव को फटकार लगाई थी। तत्कालीन चीफ जस्टिस एनवी रमन्ना ने तब कहा था 'बाबा रामदेव अपनी चिकित्सा प्रणाली को लोकप्रिय बना सकते हैं, लेकिन उन्हें अन्य प्रणालियों की आलोचना क्यों करनी चाहिए। हम सभी उनका सम्मान करते हैं, उन्होंने योग को लोकप्रिय बनाया लेकिन उन्हें अन्य प्रणालियों की आलोचना नहीं करनी चाहिए।'

रामदेव बाबा ने दावा किया था कि उनके प्रोडक्ट कोरोनिल और स्वसारी से कोरोना का इलाज किया जा सकता है। इस दावे के बाद कंपनी को आयुष मंत्रालय ने फटकार लगाई और इसके प्रमोशन पर तुरंत रोक लगाने को कहा था। 2015 में कंपनी ने इंस्टेंट आटा नूडल्स लॉन्च करने से पहले फूड सेफ्टी एंड रेगुलेरिटी ऑथोरिटी ऑफ इंडिया से लाइसेंस नहीं लिया था। इसके बाद पतंजलि को फूड सेफ्टी के नियम तोड़ने के लिए लीगल नोटिस का सामना करना पड़ा था 7 2015 में कैन्टीन स्टोर्स डिपार्टमेंट ने पतंजलि के आंवला जूस को पीने के लिए अनफिट बताया था। इसके बाद सीएसडी ने अपने सारे स्टोर्स से आंवला जूस हटा दिया था। 2015 में ही हरिद्वार में लोगों ने पतंजलि घी में फंगस और अशुद्धियां मिलने की शिकायत की थी। 2018 में भी स्नस्स्ड्ढ ने पतंजलि को मेडिसिनल प्रोडक्ट गिलोय घनवटी पर एक महीने आगे की मैन्युफैक्चरिंग डेट लिखने के लिए फटकार लगाई थी। कोरोना के अलावा, रामदेव बाबा कई बार योग और पतंजलि के प्रोडक्ट्स से कैंसर, एड्स और होमोसेक्सुअलिटी तक ठीक करने के दावे को लेकर विवादों में रहे हैं।

पतंजलि फूड्स के नए प्रोडक्ट लॉन्च करने के मौके पर बाबा रामदेव ने कहा था कि अभी पतंजलि ग्रुप का टर्नओवर करीब 45 हजार करोड़ रुपये से भी अधिक है और दुनिया में क़रीब 200 करोड़ और भारत में 70 करोड़ लोगों तक हमारी पहुंच है। बाबा रामदेव ने अनाज, दूध की तरह खाद्य तेलों में भी देश को आत्मनिर्भर बनाने का अपना विजन रखते हुए कहा है कि 20 लाख एकड़ जमीन पर पाम प्लांटेशन का काम करना। उन्होंने कहा कि अगले पांच साल में पतंजलि का टर्नओवर 1 लाख करोड़ तक करने का लक्ष्य रखा गया है, जो अभी पतंजलि ग्रुप का टर्नओवर करीब 45 हजार करोड़ रुपये से भी अधिक है। एक लाख करोड़ रुपये कारोबार का लक्ष्य हासिल करने में समूह की कंपनी पतंजलि फूड्स (पूर्व में रुचि सोया) अहम भूमिका निभाएगी।

बाबा रामदेव ने दावा किया है कि पतंजलि खुद पाम ऑयल का उत्पादन करेगा। इसकी खेती के लिए 40 से 50 हजार किसान पतंजलि से जुड़ चुके हैं और आने वाले समय में किसानों की संख्या 5 लाख तक करनी है। ऐसे में पतंजलि में पाम ऑयल का उत्पादन शुरू होने से 5 लाख किसानों को सीधे रोजगार मिल सकेगा। असम, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश सहित 12 राज्यों में किसान पतंजलि से जुड़कर पाम ऑयल की खेती कर रहे हैं। अभी बंजर जमीन समेत उस जमीन पर प्लांटेशन हो रहा है, जो उपजाऊ नहीं है। इससे जंगल बढ़ेगा, पेड़ बढ़ेंगे, आक्सीनजन की मात्रा बढ़गी, बारिश ज्यादा होगी, जमीन उपजाऊ होगी और किसान की समृद्धि बढ़ेगी। पर्यावरण का नुकसान का सवाल ही नहीं है। खाद्य तेलों के आयात पर निर्भरता कम होगी। उन्होंने कहा कि खाद्य तेलों में पतंजलि की ओर से सालाना दस लाख टन का प्रोडक्शन हो सकेगा। यह पांच साल का प्रोजेक्ट है। एक दिन में पाम बोया जाता है, लगभग 35 से 40 साल तक चलता है।

पतंजलि फूड्स के नए प्रोडक्ट लॉन्च करने के मौके पर बाबा रामदेव ने कहा कि अभी पतंजलि ग्रुप का टर्नओवर करीब 45 हजार करोड़ रुपये से भी अधिक है और दुनिया में क़रीब 200 करोड़ और भारत में 70 करोड़ लोगों तक हमारी पहुंच है। उन्होंने कहा कि हमने कई विदेशी कंपनियों को शीर्षासन कराकर भारतीय बाज़ार से विदा किया है। पतंजलि फूड्स ने 14 नए प्रोडक्ट लॉन्च किए हैं। पतंजलि फूड्स ने प्रीमियम प्रोडक्ट लॉन्च करने के अभियान में बिस्कुट, न्यूट्रेला के बाजरे से बने उत्पाद और प्रीमियम सूखे मेवों समेत कई उत्पाद लॉन्च किए । बाबा रामदेव ने कहा कि पतंजलि ने गाय के घी का 1500 करोड़ रुपये का ब्रांड बनाया है और जल्द ही पतंजलि की तरफ से बफेलो घी भी लॉन्च किया जाएगा। पतंजलि फूड्स लिमिटेड का नाम पहले रुचि सोया इंडस्ट्रीज था और पतंजलि के इसका अधिग्रहण करने के बाद रुचि सोया का नाम बदलकर पतंजलि फूड्स किया है।

पतंजलि का नाम सामने आते ही हर किसी के जेहन में बाबा रामदेव की तस्वीर उतर आती है। ज्यादातर लोगों को यही लगता है कि बाबा रामदेव ही इस कंपनी के असली मालिक हैं, लेकिन वास्तविकता इससे इतर है। पतंजलि की शुरुआत साल 2006 में हरिद्वार से हुई थी और योग गुरु बाबा रामदेव शुरुआत में इस कंपनी के सिर्फ ब्रांड प्रमोटर थे. कॉरपारेट मंत्रालय के अनुसार, कंपनी की 93 फीसदी से ज्यादा हिस्सेदारी आचार्य बालकृष्ण के पास है, जो अभी पतंजलि आयुर्वेद के एमडी, चेयरमैन और सीईओ हैं। बाबा रामदेव की कुल संपत्ति करीब 20 हजार करोड़ रुपये है, जिसमें सबसे बड़ा हिस्सा रॉयल्टी के तौर पर आता है। बाबा रामदेव कंपनी के ब्रांडिंग प्रमोटर हैं और कंपनी की मार्केटिंग के लिए योग गुरु के तौर पर अपने चेहरे का इस्तेमाल करते हैं। बालकृष्ण सुवेदी, जिन्हें आचार्य बालकृष्ण के नाम से जाना जाता है, उनके माता-पिता नेपाल के रहने वाले थे और बाद में भारत आ गए थे। हरियाणा के एक गुरुकुल में साल 1995 में उनकी मुलाकात बाबा रामदेव से हुई थी. शुरुआत में उन्होंने दिव्य फार्मेसी के नाम से कारोबार शुरू किया, जो बाद में पतंजलि ब्रांड बन गया। कंपनी में शीर्ष पदों पर भर्ती से लेकर मार्केटिंग और ब्रांडिंग तक सभी काम आचार्य बालकृष्ण ही देखते हैं। करीब 40 हजार करोड़ रुपये के पतंजलि समूह के मालिक और सीईओ आचार्य बालकृष्ण हैं। समूह के तहत वे करीब 34 कंपनियों और तीन ट्रस्ट की अगुवाई करते हैं। बाबा रामदेव को गाड़ियों का काफी शौक है। योग गुरू को हाल ही में महिंद्रा एक्सयूवी 700 को चलाते हुए देखा गया है। सोशल मीडिया पर शेयर एक वीडियो में रामदेव अपने साथी के साथ नई कार में घूमते हुए दिखाई दे रहे हैं। बाबा रामदेव जिस एक्सयूवी 700 को चलाते हुए देखे गए हैं, उसमें पैनोरमिक सनरूफ दिखाई दे रहा है, इसका मतलब साफ है कि ये गाड़ी टॉप मॉडल है। उन्हें कुछ समय पहले जगुआर एक्सजे एल में देखा गया था। बालकृष्ण के पास लैंड रोवर रेंज रोवर लग्जरी गाड़ी है।बाबा रामदेव एक उत्साही बाइकर रहे हैं। अब तो वह विशेष निजी विमानों से देश विदेश की यात्राएं भी करने का दावा करने लगे हैं। धीरेन्द्र ब्रह्मचारी विमानों के शौक़ीन थे और योग शिक्षा के लिए जयप्रकाश नारायण और डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद के साथ पंडित नेहरू और श्रीमती इंदिरा गाँधी को प्रभावित कर बाद में सत्ता की राजनीति तथा आर्थिक धंधों में लग गए थे। बाबा रामदेव ने भी योग के जरिये ही देश के विभिन्न दलों के नेताओं और फिर अन्ना आंदोलन के बाद भाजपा की सत्ता का हर संभव लाभ उठाते रहे हैं। लेकिन योग से अधिक कंपनियों के व्यापार से आर्थिक साम्राज्य बना रहे हैं। लेकिन नियम कानून की अनदेखी और अहंकार के साथ यह आर्थिक उड़ानें कहीं उनके लिए गंभीर संकट न पैदा कर दे।

स्पेक्ट्रम आवंटन में देरी क्यों?

-राकेश दुबे

यह शुभ लक्षण है कि हमारा देश भारत भी व्यावसायिक सैटेलाइट ब्रॉडबैंड संचार सुविधा शुरू करने के निकट पहुंच गया है। इस सेवा से देश के सुदूर स्थानों में बड़ी संख्या में रहने वाले लोगों तक इंटरनेट संपर्क आसानी से उपलब्ध हो जाएगा, परंतु, ये सेवाएं शुरू करने के लिए कंपनियों को स्पेक्ट्रम के लिए प्रतीक्षा करनी होगी।

जैसे भारती समूह समर्थित यूटेलसैट वनवेब ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि उसे व्यावसायिक शुरुआत के लिए सभी आवश्यक मंजूरी (अंतरिक्ष विभाग सहित) मिल गई है। यह निश्चित तौर पर स्वागत योग्य कदम है परंतु, अपनी सेवाएं शुरू करने के लिए इस कंपनी को भी स्पेक्ट्रम के लिए प्रतीक्षा करनी होगी।

इससे भी बड़ी चिंता की बात है कि यह स्पष्ट नहीं है कि सैटेलाइट ब्रॉडबैंड या अंतरिक्ष आधारित संचार सेवाएं देने की योजना बनाने वाली वनवेब सहित अन्य निजी कंपनियों को कब स्पेक्ट्रम उपलब्ध कराया जाएगा। जो संकेत मिल रहे हैं उनसे तो यही लग रहा है कि स्पेक्ट्रम आवंटन में समय लगेगा क्योंकि वर्तमान में कई विषयों पर तस्वीर पूरी तरह साफ नहीं हुई है।

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) को ही सबसे पहले यह सिफारिश करनी है कि सैटेलाइट ब्रॉडबैंड के लिए स्पेक्ट्रम की नीलामी होनी चाहिए या एक प्रशासित व्यवस्था से इसका आवंटन किया जाए।ट्राई की सिफारिश के बिना विभिन्न सरकारी विभागों से मिली अनुमति का कोई महत्त्व नहीं रह जाता है। सरकार को ऐसे मामलों में आपसी समन्वय स्थापित कर निर्णय लेना चाहिए ताकि नई तकनीक एवं सेवाओं की शुरुआत से संबंधित नीतियां निर्बाध रूप से क्रियान्वित हो सकें।

इस मामले में कंपनियों(भारतीय एवं विदेशी दोनों ही) को स्पेक्ट्रम देने के तरीके पर सरकार के भीतर स्थिति स्पष्ट नहीं रही है। इस कारण सैटेलाइट ब्रॉडबैंड के लिए स्पेक्ट्रम नीति आगे नहीं बढ़ पाई है। स्पेक्ट्रम की नीलामी या प्रशासित प्रक्रिया के अंतर्गत इसके आवंटन पर सरकार के विभिन्न विभागों के बीच समन्वय एवं सहमति नहीं बन पाई है।कई कंपनियां बोली प्रक्रिया के माध्यम से स्पेक्ट्रम की नीलामी के पक्ष में नहीं हैं। वनवेब सहित दूसरी कई इकाइयों ने अंतरराष्ट्रीय चलन एवं अंतरिक्ष संचार में नीलामी प्रक्रिया की गैर-व्यवहार्यता का उद्धरण दिया है और प्रशासित प्रक्रिया के अंतर्गत स्पेक्ट्रम आवंटन का आग्रह किया है।

वैश्विक स्तर पर सरकारें नीलामी के माध्यम से उपग्रह संचार कंपनियों को स्पेक्ट्रम आवंटित करने से दूर रही हैं। हालांकि, रिलायंस जियो एवं दूसरी ऐसी कंपनियां भी हैं जो सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सेवा की होड़ में हैं। ये कंपनियां नीलामी के पक्ष में हैं और इसके लिए सभी मंचों एवं सेवाओं में अवसर की समानता का तर्क दे रही हैं।किसी भी स्थिति में वर्तमान में इस विषय पर ट्राई की तरफ से जल्द कोई निर्णय आने की गुंजाइश बहुत कम है। पिछले दो महीनों से ट्राई में चेयरमैन का पद रिक्त है। बिना चेयरमैन के ट्राई कोई सिफारिश करने की स्थिति में नहीं होगा।

ट्राई अधिनियम के अंतर्गत प्राधिकरण के कार्यों के संपादन में चेयरमैन के पास सामान्य अधीक्षण एवं निर्देश देने का अधिकार है। सरकार ट्राई के चेयरमैन पद के लिए निजी क्षेत्र से उम्मीदवार की खोज कर रही है जिससे नियुक्ति में और देरी हो सकती है। निजी क्षेत्र से उम्मीदवार लाने के लिए संसद के आगामी सत्र में ट्राई अधिनियम में संशोधन करने की आवश्यकता हो सकती है।

एक महत्त्वपूर्ण नियामक में शीर्ष पद का लंबे समय तक रिक्त रहना उचित नहीं माना जा सकता परंतु यह ऐसा पहला मामला नहीं है। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) भी हाल तक अध्यक्ष के बिना ही कार्य करता रहा है। इसका परिणाम निर्णय लेने में देरी और बाजार के संचालन में बाधा के रूप में सामने आया है।

भारती एंटरप्राइजेज के अध्यक्ष एवं यूटेलसैट समूह के निदेशक मंडल के उपाध्यक्ष सुनील भारती मित्तल का कहना है कि देश में सभी लोगों तक इंटरनेट सुविधा पहुंचाने एवं प्रधानमंत्री के 'डिजिटल इंडिया' का महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य पूरा करने के लिए वनवेब को व्यावसायिक सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सेवा की अनुमति मिलना इस दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम होगा। स्पेक्ट्रम आवंटन में देरी से 'डिजिटल इंडिया' जैसे विशेष अभियान प्रभावित होंगे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना, प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईटः dainiksandhyaprakash.in

पारदर्शी प्रक्रिया से संपन्न करायी जाये मतगणना 3 को सुबह 8 बजे से प्रारंभ होगी

सीहोर। विधानसभा निर्वाचन-2023 के अंतर्गत 3 दिसंबर को होने वाली मतगणना के संबंधी जिलों में की जा रही तैयारियों को लेकर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम जिलेवार जानकारी प्राप्त की और विस्तार से चर्चा की और आवश्यक निर्देश दिए। विधानसभा निर्वाचन की मतगणना 3 दिसम्बर को सुबह 8 बजे से पोस्टल बैलेट की गिनती के साथ शुरू होगी। सुबह 8ः30 बजे से ईव्हीएम में दर्ज मतों की गणना प्रारंभ होगी। सभी जिला निर्वाचन अधिकारी सजग एवं सतर्क रहें और मतगणना को पारदर्शी प्रक्रिया से सम्पन्न कराएं। स्ट्रांग रूम में केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल (छ्क्क्ष्र) की सुरक्षा व्यवस्था की जाये। मतगणना के दिन विद्युत की सतत् आपूर्ति हो और किसी भी वजह से मतगणना प्रभावित न हो। सभी मतगणना केन्द्रों में अग्निशमन यंत्र भी अनिवार्य रूप से उपलब्ध रहें। मतगणना स्थल पर सभी व्यवस्थाएँ सुचारू तरीके से कर ली जाये।

चारो विधानसभा में मतगणना के लिए 68 टेबलों पर कुल 202 कर्मचारियों की लगेगी ड्यूटी

सीहोर। विधानसभा निर्वाचन-2023 के तहत जिले की चारो विधानसभा में हुए मतदान की मतगणना 3 दिसम्बर को होगी। मतगणना के लिए जिले की चारो विधानसभाओं में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं निश्चित की जा रही है। बुधनी और आष्टा में मतगणना के लिए 17-17 टेबले लगाई जाएगी तथा इछावर और सीहोर में मतगणना के लिए 14-14 टेबलें लगाई जाएगी। इसके साथ ही पोस्टल बैलेट के लिए एक-एक टेबल अलग से लगाई जाएगी। चारो विधानसभाओं की मतगणना के लिए 62 टेबलों पर कुल 186 कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। इसके साथ ही चारो विधानसभा में पोस्टल बैलेट की गणना के लिए 4 टेबलो पर कुल 16 कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। इस दौरान 20 अधिकारी-कर्मचारी रिजर्व में रहेंगे।

आयोग की वेबसाइट और वोटर हेल्पलाइन एप पर देखे जा सकेंगे विधानसभा निर्वाचन के परिणाम

सीहोर। विधानसभा निर्वाचन-2023 के लिए 17 नवम्बर को हुए मतदान के पश्चात 3 दिसंबर को मतगणना होगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया 3 दिसम्बर को प्रातः 8 बजे से प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में स्थापित मतगणना केन्द्रों में मतों की गिनती प्रारंभ होगी। मतगणना के राउन्ड-वाइज परिणाम प्रदर्शित किये जाएंगे। सर्वप्रथम प्रातः 8 बजे से पोस्टल बैलेट की गणना प्रारंभ होगी। इसके आधे घंटे बाद 8.30 बजे ईवीएम में दर्ज मतों की गणना प्रारंभ होगी। पोस्टल बैलेट की गणना समाप्त होने के तत्काल बाद प्रत्येक उम्मीदवार को मिले डाक मत पत्रों की घोषणा की जाएगी। विधानसभा निर्वाचन-2023 की मतगणना के परिणाम भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट और वोटर हेल्पलाइन एप पर देखे जा सकेंगे। वोटर हेल्पलाइन एप को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड करना होगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतगणना संबंधी तैयारियों एवं व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

छतरपुर। जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप जी.आर. एवं पुलिस अधीक्षक अमित सांघी ने बुधवार को शा.उ.मा. विद्यालय क्र. 1 में ईव्हीएम स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री जी.आर. ने विधानसभा चुनाव 2023 अंतर्गत 3 दिसम्बर को होने वाली मतगणना के संबंध में तैयारियों एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मतगणना दिवस पर ट्राफिक एवं पार्किंग के लिए उचित प्रबंध करने के संबंध में अधिकारियों को आवष्यक दिषा निर्देष दिए। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी नमः षिवाय अरजरिया, एएसपी विक्रम सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। जिले की छः विधानसभा क्षेत्र की मतगणना के लिए अलग-अलग मतगणना कक्ष बनाए गए है। विधानसभा क्षेत्र महाराजपुर, चंदला, छतरपुर, मलहरा, बिजावर के लिए मतगणना कक्षों में 14 टेबल लगाई जाएगी एवं राजनगर के लिए 16 टेबल लगाई जाएगी। मतगणना में काउंटिंग सुपरवाइजर, सहायक, माइक्रोऑब्जर्वर एवं आरओ रहेंगे। पोस्टल बेलेट के प्रत्येक टेबल पर एआरओ रहेंगे। बिजावर विधानसभा के लिए पोस्टल बेलेट की मतगणना के लिए 1 टेबल एवं अन्य विधानसभाओं के लिए दो-दो टेबल लगाई जाएगीं। मतगणना निगरानी के लिए चुनाव आयोग द्वारा विधानसभावार प्रत्येक कक्ष के लिए ऑब्जर्वर भी नियुक्त किये गये हैं।

विकासखण्ड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता आज

छतरपुर। विशेष आवष्यकता वाले छात्र-छात्राओं के लिए गुरूवार 30 नवम्बर को विकासखण्ड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। बीआरसी छतरपुर ने बताया कि विकासखण्ड ईशानगर एवं छतरपुर अंतर्गत छात्र-छात्राओं की विकासखण्ड खेलकूद प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं सामर्थ्य प्रदर्शन, ड्राइंग, पेंटिंग, रंगोली, केरम, मेंहदी दौड़ इत्यादि का अयोजन 30 नवम्बर को शासकीय नवीन मा. विद्यालय छतरपुर में किया जाएगा।

बोर्ड परीक्षाओं के बेहतर परिणाम के लिए जिले में सुबह 9 बजे से संचालित होंगे स्कूल

सीहोर। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित की जाने वाली बोर्ड परीक्षाओं में छात्र-छात्राओं के परीक्षा परिणामों में सुधार के लिए कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह द्वारा लगातार विस्तृत दिशा-निर्देश दिये जा रहें है और सघन एवं सतत मॉनिटरिंग के निर्देश भी दिए गए है। उल्लेखनीय है कि हाईस्कूल का परीक्षा वर्ष 2022-23 में राज्य में द्वितीय स्थान पर तथा हॉयर सेकेण्ड्री में राज्य में आठवें स्थान पर रहा था।

हाईस्कूल एवं हॉयर सेकेण्ड्री स्कूलों के परीक्षा परिणाम में सुधार के लिए जिले के समस्त शासकीय हाई स्कूल एवं हॉयर सेकेण्ड्री विद्यालयों के प्राचार्यों की समीक्षा बैठक शासकीय आवासीय खेलकूद संस्था में आयोजित की गई। बैठक में जिले का परीक्षा परिणाम मध्यप्रदेश में प्रथम स्थान पर लाने के लिए विभिन्न बिन्दुओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में सहायक कलेक्टर अर्पित गुप्ता एवं जिला शिक्षा अधिकारी संजय सिंह तोमर ने जिले के समस्त प्राचार्यों को छात्र एवं छात्राओं को शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम देने के लिए अतिरिक्त कक्षा संचालन तथा रेमेडियल कक्षाओं के संचालन पर विशेष जोर देते हुए डी एवं ई ग्रेड के विद्यार्थियों पर विस्तृत शैक्षणिक कार्य योजना बनाकर ध्यान देने के निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त कक्षा का संचालन प्रातः 09 बजे से किया जाना निर्धारित कर सभी छात्र छात्राओं पर विशेष ध्यान देने की बात कही तथा अर्द्धवार्षिक परीक्षा की तैयारी की समीक्षा की गई।

बैठक में सहायक कलेक्टर अर्पित गुप्ता ने कहा कि छात्रों में विशेष प्रकार के मॉडल पेपर के माध्यम से परीक्षा पेपर के लिए रूचि विकसित करते हुए सभी छात्र एवं छात्राओं को पिछले वर्ष के परीक्षा पेपरों में पूछे गये प्रश्नों को हल करवाया जाए। कम परीक्षा परिणाम वाली शालाओं को उसी संकुल की शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम वाली शालाओं से शेयरिंग के आधार पर शिक्षण कार्य कराया जाए। रेमेडियल मॉड्यूल का वितरण कर कक्षाओं का संचालन तथा प्रतिदिन संभाग स्तर से दिये जाने वाले 2 प्रश्नों को विद्यार्थियों को हल कराए जाए।

कोहरे के लिहाफ में लिपटा रहा शहर, तापमान में गिरावट से बढ़ी ठंड

सुबह 9 बजे तक वाहन चालक हुए परेशान, कड़ाके की ठंड के कारण गर्म कपड़ों में दिखे लोग

सीहोर। गुरुवार सुबह क्षेत्र में घना कोहरा छा गया। कोहरे के कारण हाईवे सहित अन्य मार्गों पर वाहन चालकों को लाइट जला कर वाहन चलाना पड़ रहा था। यहां सामने के वाहन कोहरे के कारण दिखाई ही नहीं दे रहे थे। सोमवार-मंगलवार को हुई बारिश के बाद कड़ाके की ठंड ने दस्तक दे दी है। लोग गर्म कपड़ों में नजर आए।

कड़ाके की ठंड के कारण लोग गर्म कपड़ों में ही नजर आए । इधर गुरुवार सुबह 4 बजे से क्षेत्र में घना कोहरा छाया रहा, जो सुबह 9ः00 बजे तक छाया रहा। इसके कारण सबसे ज्यादा परेशानी इंदौर-भोपाल हाईवे सहित अन्य मार्गों पर चलने वाले वाहन चालकों को परेशानी उठाना पड़ी। अधिकांश वाहन चालक लाइट जलाकर चल रहे थे। इधर तीन दिन हो गए हैं, धूप नहीं निकली है, बादल छाए रहे। हालांकी की बदलो के कारण ठंड का असर थोड़ा कम हुआ है। भोपाल-इंदौर हाईवे, पुराना इंदौर हाईवे सहित अन्य मार्गों पर कोहरे के कारण वाहन धीरे-धीरे चलें। विजिबिलिटी काफी कम हो गई थी करीब 500 मी दूर तक का भी साफ नजर नहीं आ रहा था।

दो दिसंबर तक रुक-रुक हो सकती है बारिश

मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि 2 दिसंबर तक रुक-रुक कर बारिश हो सकती है। जानकारी के अनुसार, जिले में रविवार से मौसम में करवट ली है। जिसके बाद आसमान पर लगातार काले और घने बादल छाए हुए हैं। ठंडी हवाएं भी लोगों को शीत लहर का एहसास करा रही है। सुबह के समय सड़कों पर आवाजाही कम नजर आई। रुक-रुककर हुई बारिश से फसलों को काफी फायदा हो रहा है। मौसम के संबंध में शासकीय कृषि कॉलेज में स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर एसएस तोमर ने बताया कि मौसम का जो पूर्व अनुमान सामने आ रहा है। उसके अनुसार 2 दिसंबर तक रुक-रुककर बारिश होती रहेगी। उन्होंने बताया कि बंगाल की खाड़ी में बन रहे सिस्टम के एक्टिव होने से मौसम में बदलाव आया है।

कॉन्वेंट स्कूल के मनगढ़ंत आरोप के विरुद्ध पत्रकार संघ ने दिया एसडीएम व एसडीओपी को ज्ञापन , निष्पक्ष जांच की अपील

गंजबासोदा। करीब 20दिन पूर्व इसी माह की 9 तारीख को भारत माता कांवेंट स्कूल में कुछ छात्रों को जय श्रीराम के नारे लगाने पर स्कूल प्रबंधन द्वारा मारपीट करने का मामला प्रकाश में आया था जिसके बाद छात्र संगठन व हिंदूवादी संगठन मामले की तत्यता जानने व स्कूल का पक्ष जानने विद्यालय पहुंचे थे मामले की जानकारी लगते ही स्थानीय प्रशासन के साथ मीडिया कर्मी भी कांवेंट स्कूल पहुंचे और आरोप प्रत्यारोप के बीच प्रशासन ने पीड़ित पक्ष से शिकायती आवेदन लेकर जांच के आदेश दिए अगले दिन अधिकांश समाचार पत्रों में भी मामला गर्माया रहा मामले के करीब बीस दिन बाद गत दिवस मिशनरी स्कूल कांवेंट के प्रबंधन ने स्थानीय शिक्षण स्टाप द्वारा एक शिकायती पत्र नगर के पत्रकार गगन दुवे के नाम से देकर अनेक मनगढ़ंत आरोप लगाए जिसकी निष्पक्ष जांच के लिए आज अनेक पत्रकार संगठनों ने एकजुट होकर एक आवेदन बासोदा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस व राजस्व के नाम देकर निष्पक्ष जांच करने की अपील करते हुए कहा की इस प्रकार का आवेदन निष्पक्ष पत्रकारिता को बाधित करती है ज्ञापन देते समय प्रमुख रूप से प्रेस क्लब अध्यक्ष नीतेश नायक के साथ अनेक वरिष्ठ पत्रकार उपस्थित थे 7

ये दिया आवेदनः- आवेदन में लेख है की कांवेंट स्कूल के मनगढ़ंत आरोप से नगर के पत्रकारों में आकोश है। साथ ही विद्यालय स्टाफ द्वारा जो आरोप लगाए गए हैं, उनकी स्कूल में लगे सीसी टीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग निकालकर निष्पक्ष जांच की जाए। वहीं गत 9 नवंबर 2023 की जिस घटना का जिक आवेदन में किया गया है, उस घटना में एसडीएम, तहसीलदार, टीआई एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के स्कूल पहुंचने के बाद ही सूचना पर समाचार कवरेज के लिए गगन दुबे स्कूल पहुंचे थे। उनके बच्चे भी उसी स्कूल में पढते हैं और वे एक अभिभावक भी हैं। वे पूरे घटनाक्रम में स्कूल प्रबंधन एवं प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ ही रहे और उन्हीं के साथ स्कूल से वापस आए थे। तब से लेकर वे आज दिनांक तक स्कूल ही नहीं गए। इस घटना की जांच के लिए प्रशासन द्वारा स्कूल के सीसी टीवी कैमरे, एंटी बुक की जांच की जाए। वहीं विद्यालय में स्थानीय शिक्षकों के अलावा कई ईसाई शिक्षक भी हैं, लेकिन आवेदन देने सिर्फ स्थानीय शिक्षकों को ही पहुंचाया गया।

महोदय, बीएमसी स्कूल प्रबंधन अपनी कार्यप्रणाली के चलते आए दिन सुर्खियों में रहता है। स्कूल प्रबंधन पर ईसाई मिशनरी गतिविधियों के साथ साथ धर्मांतरण के आरोपों की जांच राज्य एवं राष्ट्रीय बाल आयोग द्वारा चल रही हैं। गगन दुबे एक पत्रकार के रूप में स्कूल गए थे। स्कूल प्रबंधन द्वारा जांचों को प्रभावित करने और पत्रकारों पर दबाब बनाने के लिए इस तरह के झूठे और मनगढंत आरोप लगाकर शिकायतें की जा रही हैं। अतः आपसे अनुरोध है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की जाए।पूरे मामले में यह भी तथ्य सामने आ रहा है की मिशनरी स्कूल प्रबंधन ने स्थानीय शिक्षकों को दबाव डालकर आवेदन दिलवाया हैं कुछ शिक्षकों ने नाम ना छापने की शर्त पर बताया की भईया स्कूल प्रबंधन ने बोला की या तो हमारा साथ दो नहीं तो अपने घर जाओ अब हम उनके स्कूल में पढ़ाते हैं हमें उनकी बात मानना मजबूरी है7 कुछ शिक्षकों ने तो नाम ना छापने की शर्त पर यह तक कहा की गगन भईया से हमारे पारिवारिक संबंध हैं वह हमारे भाई जैसे हैं लेकिन फिर भी हम मजबूर हैं7अब यह अनुमान लगाया जा सकता है की मिशनरी स्कूल में किस प्रकार दबाव बनाकर काम कराया जाता है जब पड़े लिखे लोग इतने दबाब में काम करते हैं तो छोटे छोटे बच्चों पर भी अगर दबाव बनाया जाता हो तो अतिश्योक्ति नहीं होगी7

बस स्टैंड की प्याऊ का हो रहा है दुरुपयोग दबंग दुकानदार , आम जनता को नहीं पीने देता पानी खुद के वाहन धुलवाने का करता है काम

सिरोंज। नगर पालिका प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों की अनदेखी या जानबूझकर लापरवाही कहे तभी तो आम जनता के उपयोग के लिए बस स्टैंड पर संचालित होने वाली सार्वजनिक प्याऊ का उपयोग आम जनता हित में नहीं हो पा रहा है। यहां पर एक दबंग दुकानदार के द्वारा प्याऊ के पानी का उपयोग अपने लिए किया जाता है। यात्री और राहगीरों को नहीं करने दिया जाता है। क्योंकि अधिकांश समय दुकान के बर्तनों की धुलाई भी इसी से होती है साथ ही दबंग दुकानदार के द्वारा अपने चार पहिया वाहन को भी सड़क पर खड़ा करके धुलवाने का काम किया जाता है ,इसकी वजह से सड़क पर गंदगी भी होती है। एक तरफ नगर पालिका प्रशासन के द्वारा नगर को साफ स्वच्छ बनाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। दूसरी ओर इस तरह से खुलेआम बस स्टैंड पर गंदगी करने का काम भी किया जाता है ।जिसकी जानकारी होने के बाद भी नगर पालिका परिषद जिम्मेदार अधिकारी अनदेखा कर रहे हैं । आम जनता के लिए नियम कायदे कानून बताने वाले अधिकारी कर्मचारी भी यहां पर कार्रवाई करने की हिम्मत नहीं जुट पर रहे हैं ना ही इस तरह से प्याऊ के पानी का दुरुपयोग करने वाले दबंग दुकानदार पर रोक लगाने की हिदायत भी नहीं कर पा रहे हैं। दूसरी ओर दबंग दुकानदार के सामने नगर पालिका प्रशासन अधिकारी कर्मचारी भी चुप्पी सादे हुए हैं। इस वजह से सार्वजनिक प्याऊ के पानी का उपयोग भी आमदनी के हित में नहीं हो पा रहा है। अब देखना है कि दबंग दुकानदार पर लगाम लगाने का काम प्रशासन के जिम्मेदारी कर पाएंगे या नहीं।

घने कोहरे के बाद अब मूसलाधार बारिश , वाहनों की लाइट जलाकर चलाने पड़े वाहन

सिरोंज। पिछले तीन दिनों से मौसम में हुए बदलाव के बाद आसमान पर बादलों का डेरा है हल्की बूंदाबांदी 3 दिन पहले हुई थी । घने कोहरे के कारण आसपास का भी नजर नहीं आ रहा था इसके चलते वाहन चालकों को वाहनों की लाइट का सहारा लेना पड़ा आज सुबह सुबह से ही मूसलाधार पानी भी गिर रहा है इसकी वजह से सर्दी का असर भी पड़ गया ओर अभी तो बादलों का डेरा आसमान पर है। जब मौसम पूरी तरह से साफ होगा तो और भी ज्यादा कोहरा पढ़ने के साथ सर्दी भी बढ़ेगी । इस बारिश से किसानों को फायदा और फसलों को काफी फायदा हुआ है

मौसम खराब होने से स्कूल के समय में हुआ बदलाव

- तीन दिनों से मौसम खराब होने के साथ बारिश हो रही है सर्दी के असर को देखते हुए कलेक्टर ने भी स्कूलों के समय में बदलाव करते हुए नर्सरी से लेकर कक्षा पांचवी तक स्कूल प्रारंभ करने का समय सुबह 9 बजे से कर दिया गया है। अभी स्कूलों का समय 8 बजे से होने के कारण सर्दी की वजह से बच्चों को स्कूल जाने में परेशानी हो रही थी उसको दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर ने नवीन आदेश जारी किया है। अब कलेक्टर के आदेश का पालन विकासखंड के मुखिया कर पाएंगे या नहीं यह तो देखने वाली बात होगी ।

ओरछा और श्री पंचमी पर होता है श्रीराम विवाह निशुल्क राम विवाह की तैयारियां

इटारसी। सामाजिक समरसता और कुरीतियों के खात्मे को लेकर श्री देवल मंदिर काली समिति द्वारा 39 वें वर्ष में 17 दिसंबर को श्री राम विवाह निशुल्क सामूहिक विवाह का आयोजन करेगी। अयोध्या, ओरछा और इटारसी में श्री पंचमी के विशेष मुहुर्त में एक साथ राम विवाह होता है। अभी तक 7 जोड़ों का पंजीयन हो गया है, समिति लगातार पंजीयन कर रही है।

देवल मंदिर में राम विवाह की शुरूआत 38 साल पहले समिति द्वारा कि गई थी । साल 1984 में पहली बार राम विवाह एक जोड़े के साथ शुरू हुआ और अब तक करीब 2500 से ज्यादा जोड़ो का विवाह समिति द्वारा निशुल्क कराया जा चुका है। खास बात यह है कि इतने बड़े आयोजन के लिए यहां कोई कमेटी या पदाधिकारी नहीं हैं, बल्कि राम काज के लिए सारे सेवक बनकर काम करते हैं। समिति सदस्य जयप्रकाश करिया पटेल ने बताया कि देवल मंदिर के महंत ब्रह्मलीन दामोदर दास और सहारनपुर के महंत ब्रह्मलीन सुंदरदास जी रामायणी के सहयोग से साल 1984 में पहली बार राम विवाह एक जोड़े से शुरू कराया था। पहली बारात रामजानकी छोटा मंदिर से निकाली गई थी। दो साल सिर्फ राम विवाह हुए, इसके बाद एक जोड़े से सामूहिक विवाह की शुरूआत हुई। आयोजन में चित्रकूट, अयोध्या, वृंदावन, ऋषिकेश, ओरछा, सहारनपुर समेत पूरे देश से साधु-संतो, विद्धान का समागम होता है। द्वारकाधीश बड़ा मंदिर से दूल्हे राजा भगवान राम के साथ भव्य बारात लेकर जनकपुरी देवल मंदिर पहुंचती है। यहां हिन्दू रीति-रिवाजों से विवाह कराया जाता है। समिति के सहयोग से सभी जोड़ों को गृहस्थी का सामान, उपहार, कपड़े एवं अन्य सामग्री भेंट की जाती है।

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम का विवाह श्री पंचमी पर हुआ था, इसे विवाह पंचमी भी कहते हैं। इस पंचमी पर रामलला की जन्मस्थली अयोध्या, बुंदेलखंड की अयोध्या कहे जाने वाले ओरछा और इटारसी में श्री देवल मंदिर काली समिति श्री राम विवाह एवं निशुल्क श्री राम विवाह का आयोजन परंपरानुसार कर रही है।

17 दिसंबर को होगा विवाह- इस वर्ष श्रीराम विवाह महोत?सव एवं निश्शुल?क सामूहिक विवाह उत्सव 17 दिसंबर को होने जा रहा है। आयोजन की तैयारियां चल रहीं हैं। पुरानी इटारसी को जनकपुरी के रूप में दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है। 17 दिसंबर को गोधूलि बेला में श्री द्वारिकाधीश मंदिर से शाम 6 बजे श्री राम जी की बरात पुरानी इटारसी के देवल मंदिर जनकपुरी के लिए प्रस्थान करेगी।

रात 12 बजे होगा पाणिग्रहण संस्कार श्री राम विवाह उत्सव सात दिवसीय है। 12 दिसंबर रात 8 बजे रामलीला मंचन, 13 दिसंबर रात 9 बजे सुंदरकांड, 14 दिसंबर रात 8 बजे अखंड सीताराम कीर्तन, 15 दिसंबर सुबह 9 बजे रामसत्ता, 16 दिसंबर सुबह दस बजे भगवान राम का मंडपाच्छादन एवं सत्यनारायण कथा का आयोजन होगा। मुख्य समारोह 17 दिसंबर को सुबह 9 बजे कन्या भोज एवं भंडारा, शाम 7 बजे आध्यात्मिक प्रवचन, रात 9 बजे देवी जागरण, रात 10 बजे बरात स्वागत, जयमाला एवं प्रीतिभोज पाणिग्रहण संस्कार एवं 18 दिसंबर को विदाई समारोह होगा।

देश भर से आएंगे संत भगवान राम की करीब 3 किमी. लंबी बारात में हाथी, घोड़े, बग्गी, दिलदिल घोड़ी, अखाड़े, रामसखियां, बैंड पार्टियां आकर्षण का केन्द्र रहती हैं।

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर से मंगल धार्मिक यात्रा प्रारंभ हुई

ओबेदुल्लागंज संवाददाता. नगर में श्री 1008 श्री मज्जिनेन्द्र आदिनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महा महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन 27 नवंबर से 2 दिसंबर तक मुनि श्री 108 संस्कार सागर जी मुनि श्री 108 विश्व सूर्य सागर जी महाराज के सानिध्य में एवं प्रतिष्ठा चार्य शोभित भैया के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा हे। इसी के तहत बुधवार को नगर के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर महावीर मार्ग से मंगल धार्मिक यात्रा प्रारम्भ हुई जो नगर के मुख्य मार्ग चौराहे,श्री दिगंबर जैन मंदिर से होते हुए बरखेड़ा रोड स्थित पंचकल्याणक स्थल पहुंचा जुलूस में हाथी घोड़ा बग्गी बैंड बाजे सहित बड़ी संख्या में महिलाएं पुरुष बच्चे एवं समस्त जैन समाज जुलूस में शामिल हुआ

सैवलॉन स्वस्थ इंडिया मिशन पेश करता है 'हाथ धोना कूल है'

मुंबई, एजेंसी। हैंड वॉशिंग को युवाओं के लिए जरूरी और कूल बनाने के लिए सैवलॉन स्वस्थ इंडिया मिशन धारावी ड्रीम प्रोजेक्ट के प्रतिभाशाली बच्चों और लोकप्रिय रैप कलाकार एमिवे बंटाई को साथ लाया है, जो 'हाथ धोना कूल है' गान पेश करेंगे। यह गान हिप हॉप संस्कृति के माध्यम से भारत के युवाओं में हाथों की स्वच्छता को प्रोत्साहित करता है। धारावी ड्रीम प्रोजेक्ट के साथ अपने पहले गठबंधन में सैवलॉन स्वस्थ इंडिया मिशन बच्चों को समुदाय में परिवर्तन लाने के लिए एम्बेसडर्स के रूप में जोड़ रहा है, ताकि इस संदेश का प्रसार हो सके कि हाथ धोकर बीमारियों को फैलने से रोका जा सकता है। धारावी ड्रीम प्रोजेक्ट आफ्टर स्कूल ऑफ हिप-हॉप, मुंबई में स्थित एक नॉन-प्रॉफिट संगठन है, जो विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों, मेंटरशिप्स और सामुदायिक संलग्नता कार्यक्रमों के माध्यम से धारावी, मुंबई में रहने वाले बच्चों को सहारा देता है। आज धारावी सांस्कृतिक रूप से विस्तृत हिप-हॉप प्रतिभा के लिए मशहूर है। इस शैली का लोकप्रियता इसलिए बढ़ती चली गई क्योंकि यह दैनिक जीवन की आवाज बन गई। हैंड वॉश करने के संदेश को युवाओं के लिए न केवल जानकारीवर्धक, बल्कि रोचक और आकर्षक बनाने के सैवलॉन स्वस्थ इंडिया के मिशन के अनुरूप सैवलॉन स्वस्थ इंडिया मिशन पूरे विश्व में रैप कलाकारों के बीच लोकप्रिय हिप हॉप के सिग्नेचर हैंड रब गेस्चर को हाथों की स्वच्छता को बढ़ावा देने के प्रतीक के रूप में पेश कर रहा है।

अकासा ने तारुक के साथ बनाया प्यार और चाहत का अनोखा सफर कलेयाँ

मुंबई, एजेंसी। चॉकलेटी बॉय तारुक रैना के साथ सनसनीखेज गायिका अकासा ने बनाया धमाकेदार ट्रैक कलेयाँ जो दर्शकों के दिल को पूरी तरह से रोमांचित करने के लिए तैयार है। अकासा के नए एल्बम कलेयाँ के चार गानों में से एक बड़ी ही मनमोहक रचना है जो प्रेम, तमन्ना और अनगिनत भावनाओं को एक सामंजस्यपूर्ण टेपेस्ट्री में पिरोती है। बेहतरीन जोड़ी, लयबद्ध बीट्स और गाने के सम्मोहित कर देने वाले बोल एक ऐसा अद्भुत, अविस्मरणीय अनुभव पैदा करने का वादा करते हैं, जो कुछ हट कर है। अपने गीत के बारे में बड़ी भावुकता से बात करते हुए, अकासा ने साझा किया कि कलेयाँ मेरे लिए बहुत ही खास है क्योंकि यह एक ऐसे दोस्त के साथ एक सहयोग है जिसे मैं व्यक्तिगत रूप से जानती हूँ और वर्षों से उसके साथ गाने गा रही हूँ। यह एक ऐसा गाना है, जो दिल टूटने के बाद भी बरकरार रहने वाले प्यार के बारे में बताता है और टूटे हुए दिल को उसी प्यार से जोड़ने की बात करता है। कलेयाँ के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि यह एक दुख भरी कहानी है, जिसमें वास्तव में आज की पीढ़ी की मानसिक स्थिति दिखाई देती है। इस गाने में दिल तो उदास है लेकिन वाइब्स धमाकेदार हैं। मुझे उम्मीद है कि लोग इसे भी उतना ही सराहेंगे जितना उन्होंने मनमानी को सराहा था क्योंकि एक बार फिर से यह गाना मेरी एक बहुत ही निजी झलक ले कर आया है, जो बहुत ही कम देखने को मिलती है। तारुक रैना ने कहा कि यह गाना मेरे लिए मेरे पिछले किसी भी काम से ज्यादा व्यक्तिगत है यह सच्ची दोस्ती के बारे में है, जो वास्तविक है और प्रासंगिक भी, इस गाने में एक सवाल पूछा गया है, कितनी देर को बहुत देर माना जाए? और जवाब है कि कभी भी बहुत ज्यादा देर नहीं होती।

प्रो कबड्डी लीग से ठीक पहले गेम्स24×7 ने हाई-फ्लायर पवन सेहरावत को माय11 सर्किल का नया ब्रांड एंबेसडर बनाया

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत की अग्रणी ऑनलाइन स्किल गेमिंग कंपनी गेम्स24×7 ने भारतीय कबड्डी के प्रतिष्ठित खिलाड़ी पवन सेहरावत को अपने लोकप्रिय फैंटेसी स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म माय11सर्किल का ब्रांड एंबेसडर बनाया है। हाई-फ्लायर पवन सेहरावत ब्रांड के नए कैंपेन अब माय11सर्किल बनेगा कबड्डी का नया मैदान में नजर आएंगे, जो आगामी प्रो कबड्डी लीग सीजन 10 के उत्साह को बढ़ाएगा। प्रो कबड्डी लीग सीजन 10 की शुरुआत 2 दिसंबर, 2023 से होगी और यह 21 फरवरी, 2024 तक चलेगा। प्रतिभाशाली खिलाड़ी पवन सेहरावत के साथ गेम्स24×7 का यह गठजोड़ कबड्डी के दीवानों के साथ प्लेटफॉर्म के जुड़ाव को और मजबूती देगा। अपने लोकप्रिय एंबेसडर और एंगेजिंग इनीशिएटिव के साथ नया कैंपेन अब माय11सर्किल बनेगा कबड्डी का नया मैदान न केवल लोगों का मनोरंजन करेगा, बल्कि इससे प्लेटफॉर्म की पहुंच बढ़ेगी और यह एक ऐसे प्लेटफॉर्म के रूप में स्थापित होगा, जहां देशभर के खेल के दीवानों की हर पसंद की झलक दिखेगी। इस कैंपेन के तहत प्रशंसकों को रोजाना एक एसयूवी जीतने का मौका मिलेगा, साथ ही उनके गेमिंग एक्सपीरियंस का रोमांच भी बढ़ेगा।इस गठजोड़ को लेकर गेम्स24×7के एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट ब्रांड एंड मार्केटिंग स्ट्रेटजी अविक कानूनगो ने कहा, कबड्डी हमारी भारतीय विरासत की जड़ों से जुड़ा खेल है और एक सांस्कृतिक पहचान के रूप में हमारे दिलों में इसकी जगह है। इस स्वदेशी खेल में हमारी परंपराओं और लचीलेपन की झलक दिखती है। हमारे नए कैंपेन के चेहरे के रूप में माय11सर्किल से पवन सेहरावत के जुड़ने से हम न केवल उनके शानदार प्रदर्शन का आनंद ले सकेंगे, बल्कि यह कबड्डी की भावना का भी सम्मान होगा। इस साझेदारी के माध्यम से हम इस शानदार खेल के प्रति लोगों के प्रेम को कई गुना बढ़ाने के लिए समर्पित हैं। यहां देशभर के कबड्डी के दीवानों के उत्साह को प्रदर्शित करता हुआ गेमिंग अनुभव मिलेगा।

मैक्स फैशन की प्रतियोगिता अपर्णा मोदी ने जीता आईफोन -15

भोपाल। भारत के सबसे बड़े फेमिली फैशन डेस्टिनेशन मैक्स फैशन ने हाल ही में अपनी अन्बिलेवबल कॉन्टेस्ट प्रतियोगिता के विजेताओं की घोषणा की। यह प्रतियोगिता लैण्डमार्क रिवार्डस मेम्बर्स के लिए आयोजित की गई थी इस फेस्टिव कॉन्टेस्ट की विजता रही अपर्णा मोदी को डीबी मॉल भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में आईफोन-15 प्रदान किया गया। विजेता अपर्णा मोदी ने कहा कि मैक्स हमारी पूरी फैमिली के शॉपिंग का फेवरेट डेस्टिशन रहा है , यहां से शॉपिंग करने का एक्सपीरियंस हमेशा से ही अच्छा रहा है और इस कॉन्टेस्ट में आईफोन-15 जीतने के बाद यह एक्सपीरियंस अब बेहद शानदार हो गया है।

इस अभियान के बारे में मैक्स फैशन के एरिया मैनेजर सालिग्राम झा ने कहा कि हमारी इस कॉन्टेस्ट को मिले प्रतिसाद से हम प्रसन्न हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि हमारे ग्राहक हमेसा हमार साथ जुड़े हुए है। मै विजेता को आईफोन-15 जीतने की बधाई देने के साथ साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद देता हूं। अपने लॉयल्टी प्रोग्राम लैण्डमार्क रिवार्डस के माध्यम से मैक्स नियमित आधार पर अपने ग्राहकों से जुडा हुआ है। इन्ही ग्राहकों के लिए यह कॉन्टेस्ट फेस्टिव सीजन के दौरान आयोजित किया गया था।

भारत होगा एशिया-प्रशांत के विकास का इंजन, चीन पड़ गया धीमा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के नेतृत्व में एशिया-प्रशांत का विकास इंजन चीन से दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया में स्थानांतरित होने की उम्मीद है। ऐसा एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स की क्रेडिट विश्लेषण रिपोर्ट में कहा गया है। रिपोर्ट के मुताबिक 2026 तक भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 7 प्रतिशत तक हो सकती। इस रिपोर्ट में कहा गया है, चीन धीमा, भारत बढ़ रहा है।

2024 की पहली तिमाही में एशिया-प्रशांत की कर्ज की स्थितियों का विश्लेषण करने वाली रिपोर्ट में कहा गया है कि 2026 तक भारत की जीडीपी वृद्धि दर 7 प्रतिशत की तुलना में, चीन की अर्थव्यवस्था 4.6 प्रतिशत तक रह पाएगी। चीन के लिए विकास की गति को कमजोर करने के लिए संपत्ति क्षेत्र के गहराते संकट और उच्च ऋण स्तर जिम्मेदार हैं।

21 नवंबर को हुई एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स की एशिया-पैसिफिक क्रेडिट कंडीशंस कमेटी पर आधारित रिपोर्ट में कहा गया है कि क्षेत्रीय विकास पैटर्न में बदलाव हो रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है, हमारा अनुमान है कि 2024 में चीन की जीडीपी वृद्धि धीमी होकर 4.6 प्रतिशत (2023: 5.4 प्रतिशत), 2025 में 4.8 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी और 2026 में 4.6 प्रतिशत पर वापस आ जाएगी।

अन्य देशों से भारत काफी आगे- रिपोर्ट में इस क्षेत्र में भारत की उच्चतम विकास दर दर्ज की गई। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है, हम देखते हैं कि भारत 2026 में 7.0 प्रतिशत (अभी 6.4 प्रतिशत) तक पहुंच जाएगा। वियतनाम, 6.8 प्रतिशत (अभी 4.9 प्रतिशत); फिलीपींस, 6.4 प्रतिशत (अभी 5.4 प्रतिशत)और इंडोनेशिया 5 प्रतिशत पर स्थिर है।

रिपोर्ट एडवर्स जियो-पॉलिटिकल विकास के कारण वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों की ओर इशारा करते हुए कहती है, एशिया-प्रशांत के केंद्रीय बैंकों द्वारा ब्याज दरें ऊंची रखने की संभावना के साथ, क्षेत्र के उधारकर्ताओं को महंगी ऋण सेवा देखनी पड़ेगी। मध्य पूर्व में व्यापक संघर्ष ग्लोबल स्पलाई चेन को प्रभावित कर सकता है और ऊर्जा लागत बढ़ा सकता है। इससे मुद्रास्फीति बढ़ सकती है। उच्च इनपुट लागत कॉर्पोरेट मार्जिन को कमजोर करती है, जबकि उच्च कीमतें मांग को कमजोर करती हैं।

मध्य पूर्व में संघर्ष बढ़ने से पैदा हो सकता है ऊर्जा जोखिम- इसमें कहा गया है कि मध्य पूर्व में संघर्ष बढ़ने से ऊर्जा जोखिम पैदा हो सकता है और 2024 में क्षेत्र की वृद्धि (पूर्व-चीन) के लिए इसका अनुमान 4.4 प्रतिशत से घटाकर 4.2 प्रतिशत कर दिया गया है। एशिया-प्रशांत का विकास ऊर्जा के झटकों (मध्य पूर्व में बढ़ते संघर्ष) और धीमी वैश्विक मांग (अमेरिका की मुश्किल स्थिति का खतरा) के प्रति संवेदनशील है, यह दुखद है। इसमें कहा गया है कि उद्योगों के लिए संभावनाएं भी अलग-अलग हैं। निर्यात-केंद्रित विनिर्माण की स्थिति भी बदतर है।

शी जिनपिंग के साथ 40 हजार डॉलर का डिनर !

नईदिल्ली, एजेंसी। चीन और अमेरिका के बीच में अक्सर खटास देखी गई है। कभी व्यापार तो कभी किसी अन्य देश की मदद करने को लेकर दोनों के बीच मनमुटाव बना रहता है। हाल के वर्षों में, चीन में व्यापार करना अमेरिका और अन्य विदेशी कंपनियों के लिए पहले से भी ज्यादा कठिन हो गया है। यह चीनी स्टॉक और बॉन्ड से वापस लिए गए निवेश से साफ है।

188 अरब डॉलर का निवेश कम- ब्लूमबर्ग ने चीन के केंद्रीय बैंक के हालिया आंकड़ों को जारी किया। बताया गया कि इस साल जून के अंत तक चीनी इक्विटी और बॉन्ड में विदेशी निवेश करीब 1.37 ट्रिलियन युआन यानी 188 अरब डॉलर कम हुआ है। दिसंबर 2021 में निवेश अपने चरम पर पहुंचा था, जो अब 17 फीसदी कम है।

यह कीमत चुकानी होगी- अब ऐसे में सवाल उठता है कि अगर चीन में कंपनियों को व्यापार करना है तो इसे पूरा करने के लिए कौन सा तरीका अपनाना चाहिए। इसका जवाब वॉल स्ट्रीट जर्नल में दिया गया है। इसकी एक रिपोर्ट के अनुसार, आप चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ डिनर कर सकते हैं।

OUR PREDICTION CAME TRUE

WHISPERSINTHECORRIDORS.COM

Delhi Chief Secretary gets extension on Nov 29

(WE SAID THIS ON OCTOBER 30, 2023)
Delhi Chief Secretary to get extension?
Buzz is that Chief Secretary Delhi Naresh Kumar is getting a six months extension on December 1. A 1987 batch IAS officer, Naresh Kumar is scheduled to retire in November end.

(WE SAID THIS ON NOV 1, 2023)
Will Delhi Chief Secretary get extension?
Although the Delhi Government has issued orders for the retirement of Delhi Chief Secretary, Naresh Kumar from November 30. MHA sources said that 1987 batch IAS officer Naresh Kumar may be given six months extension beginning December 1.

Atal Dulloo appointed Chief Secretary of J&K on November 29

(WE SAID THIS ON NOVEMBER 21, 2023)
Will Atal Dulloo be Chief Secretary of J&K?
Atal Dulloo, Secretary, Department of Border Management, who has been repatriated to the parent cadre, is expected to be installed as Chief Secretary of Jammu & Kashmir? He is a 1989 batch IAS officer of UT cadre.

Veera Rana apopointed Chief Secretary in evening of Nov 29

(WE SAID THIS ON NOV 24, 2023)
Veera Rana to be acting Chief Secretary of Madhya Pradesh ?
In all probability Veera Rana will take over as acting Chief Secretary of Madhya Pradesh after the retirement of Iqbal Singh Bains on November 30.Seniormost IAS officer in the cadre Veera Rana is 1988 batch IAS officer.

(WE SAID THIS IN THE MORNING OF NOV 29 ORDER ISSUED LATE EVENING)
Orders of Veera Rana as new Chief Secretary of Madhya Pradesh today !
Veera Rana is being appointed acting Chief Secretary of Madhya Pradesh today. She is 1988 batch IAS officer.

Abhinav Kumar appointed new Police Chief in Uttarakhand in evening of Nov 29

(WE SAID THIS IN THE MORNING OF NOV 29 ,ORDERS ISSUED LATE EVENING)
Who would be next DGP in Uttarakhand?
Uttarakhand Director General of Police (DGP) Ashok Kumar is retiring on November 30. His farewell ceremony has been organized in the police lines of Dehradun. All the police captains and dignitaries of Uttarakhand have been invited but the name of the new Director General of Police of Uttarakhand has not been revealed yet. It is being speculated that on the lines of Uttar Pradesh, Uttarakhand may also get an acting DGP. There is a lot of speculation on the names of the new police chief. There are seven names in discussion and the prominent name coming out is Abhinav Kumar, who is a 1996 batch IPS officer. Another name in the race for the new police chief Is Deepam Seth, who is on deputation to the Centre.

जन परिषद का दीपावली मिलन समारोह संपन्न

जन परिषद ने किया एस के मिश्रा जी और भाई दुर्गेश को सम्मानित

भोपाल। आपकी अपनी संस्था जन परिषद का दीपावली मिलन समारोह, गत दिवस संपन्न हुआ द्य कार्यक्रम में कोर कमेटी के प्रायः सभी वरिष्ठ सदस्यगण उपस्थित थे।

अध्यक्षता संस्था के चेयरमैन एवम पूर्व डीजीपी *श्री एन के त्रिपाठी जी* ने की द्य उपाध्यक्ष एवं पूर्व आईएएस *श्री एस के मिश्रा जी* तथा *श्री अजात शत्रु सर*, फिल्म अभिनेता *श्री कमल जैन जी* एवम महासचिव *श्री ओ पी गुप्ता जी* कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहे। चैयरमैन श्री एन के त्रिपाठी सर ने इस अवसर पर सभी को दीपावली की बधाईयां देते हुए कहा कि जिस गति से जन परिषद ने अपना विस्तार किया है, वह एक तरफ आत्मसंतोष का विषय है तो दूसरी तरफ अतिरिक्त जिम्मेदारी का बोध भी है द्य उन्होंने सभी चैप्टर्स के

पदाधिकारियों एवं सदस्यों से आग्रह किया कि वे अपने अपने दायित्वों एवं स्थानों पर यदि पूर्ण समर्पण भावना से तीन वर्ष तक और सक्रिय हो जाएं तो जन परिषद की रचनात्मकता एक इतिहास रच देगी। श्री त्रिपाठी सर की बात को आगे बढ़ाते हुए उपाध्यक्ष श्री अजात शत्रु सर ने कहा कि जन परिषद ने वैसे तो कई ऐतिहासिक कार्य किए हैं परंतु त्रिपाठी सर के नेतृत्व में जिस गति से राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 208 चैप्टर्स का विस्तार किया है , वह अकल्पनीय है द्य उन्होंने संगठन के कई मूलभूत सिद्धांतों को रेखांकित करते हुए कहा कि जन परिषद की अभूतपूर्व एवम , और गरिमामय ऐतिहासिक उपलब्धियां भरी मंजिल अब बहुत निकट है द्य तद हेतु उन्होंने सभी को बधाईयां दीं। उपाध्यक्ष एवं इस आयोजन के प्रमुख मेजबान श्री एस के मिश्रा सर ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वे जन परिषद की यात्रा के बहुत पुराने सहयात्री होने के कारण दावे से कह सकते हैं कि अब इस मुकाम पर जन परिषद के सदस्यों के थोड़े से और गंभीर प्रयास , सामाजिक इतिहास रच सकते हैं।

पुष्कर-मेड़ता और रास-मेड़ता रेल लाइन को मंजूरी, सांसद के प्रयास सफल

नई दिल्ली। 29 नवम्बर ।केंद्र सरकार ने बुधवार को पुष्कर-मेड़ता और रास-मेड़ता रेल लाइन को स्वीकृति दे दी। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सांसद दिया कुमारी को फोन पर इसकी जानकारी दी। राजसमंद सांसद दिया कुमारी ने ही इन दोनों रेल लाइनों के लिए प्रयास किए थे। सांसद दिया कुमारी ने रेल लाइनों की मंजूरी के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री वैष्णव का आभार व्यक्त किया।

सांसद ने कहा कि ये दोनों रेलवे लाइन प्रोजेक्ट राजसमंद लोकसभा क्षेत्र के विकास के लिए दूरगामी कदम साबित होगें। वे दोनों रेल लाइन प्रोजेक्ट के लिए लंबे समय से प्रयासरत थी और अब उनके ये प्रयास सफल हुए हैं। पुष्कर-मेड़ता रेलवे लाइन पूरी होने के बाद यात्रियों को बीकानेर से अजमेर और उदयपुर तक सीधी रेल सेवाएं मिल सकेगी।

59 किलोमीटर लंबी पुष्कर-मेड़ता रेल लाइन के लिए पिछले रेल बजट में पुनः सर्वे करवाया गया और अब इस बहुप्रतीक्षित पुष्कर-मेड़ता रेल लाइन की स्वीकृति प्राप्त हो गई। पुष्कर-मेड़ता रेलवे लाईन से धार्मिक नगरी पुष्कर और रामस्नेही संप्रदाय की रेण पीठ आने वाले श्रद्धालुओं को भी रेल की सुविधा मिल पाएगी।

रेल मंत्रालय ने रास-मेड़ता के बीच क़रीब 47 किलोमीटर लंबी नयी रेलवे लाइन परियोजना को भी मंजूरी दी। दिया कुमारी ने कहा कि रास और मेड़ता के बीच रेल लाइन बनने से इलाके के सीमेंट उद्योग और सीमेंट फैक्ट्रियों में काम करने वाले हज़ारों श्रमिकों को रेल सुविधा का लाभ मिल सकेगा। रास-मेड़ता रेल लाइन इलाके में विकास के नए आयाम स्थापित करने में भी सहायक सिद्ध होगी। मावली-मारवाड़ रेल लाइन प्रोजेक्ट के साथ साथ सांसद पुष्कर-मेड़ता और रास-मेड़ता रेलवे लाइन प्रोजेक्ट को स्वीकृति दिलवाने के लिए अथक प्रयास किए जो सफल रहे।

सनफास्ट ईप पी ! ने अपने मसाला नूडल्स पोर्टफोलियो का विस्तार किया

यह नया वेरिएंट रु. 10 (50 ग्राम) की आकर्षक कीमत पर एक मसालेदार फ्लेवर पेश करने का वादा करता है

नईदिल्ली, एजेंसी। आईटीसी के अग्रणी इंस्टैंट नूडल्स एवं पास्ता ब्रांड सनफास्ट इप पी ! ने एक नया वेरिएंट ईप पी डब्ल्यूओडब्लयूओ मसाला नूडल्य लॉन्च करते हुए अपनी प्रोडक्ट रेंज का विस्तार किया है। यह नई स्वादिष्ट पेशकश सिर्फ 10 रुपए प्रति पैक (50 ग्राम) में उपभोक्ताओं के लिए एक बेहतर मसाला फ्लेवर देने का वादा करती है।

ईप पी ! ने यह महसूस किया कि उपभोक्ताओं को एक किफायती कीमत पर अच्छी क्वालिटी के मसालेदार नूडल्स की तलाश है। देश के सबसे पसंदीदा नूडल्स ब्रांड में से एक होने के नाते ईप पी ! ने उपभोक्ताओं की इस ज़रूरत को पूरा करने के लिए ईप पी डब्ल्यूओडब्लयूओ मसाला तैयार किया है। यह नई पेशकश ईप पी डब्ल्यूओडब्लयूओ मसाला सिर्फ 10 रुपए की प्रतिस्पर्धी कीमत पर

मसालेदार और स्वादिष्ट होने का वादा करती है।

इस लॉन्च के बारे में, श्री सुरेश चांद, वाइस प्रेसिडेंट एवं हेड मार्केटिंग, स्नैक्स, नूडल्स एवं पास्ता, आईटीसी फूड ने कहा, हमारा प्रमुख मैजिक मसाला वेरिएंट अपने लॉन्च के बाद से हमारे बिजनेस को बढ़ाने वाला मुख्य प्रोडक्ट रहा है। अबईप पी डब्ल्यूओडब्लयूओ मसाला के जरिये हम इंस्टैंट नूडल्स के एक अलग और स्वादिष्ट फ्लेवर के साथ उपभोक्ताओं को खुश करना चाहते हैं। हमें पूरा विश्वास है कि इस मसालेदार नूडल्स को पसंद किया जाएगा और उपभोक्तागण इसका भरपूर आनंद उठाएंगे।

ईप पी डब्ल्यूओडब्लयूओ मसाला भारत के विभिन्न बाज़ारों में उपलब्ध है, जिनमें महाराष्ट्र, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, कर्नाटक, आसाम, गुजरात, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड और छत्तीसगढ़ शामिल है। यह सभी रीटेल स्टोर्स से खरीदा जा सकता है और जल्द ही ई-कॉमर्स एवं क्रिक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर भी मिलने लगेगा।

एमेज़ॉन इंडिया ने समावेशी भर्ती को मजबूत किया

अपने कार्यबल में लर्निंग डिसएबिलिटी के लोग शामिल किए

नईदिल्ली, एजेंसी। एमेज़ॉन इंडिया ने एक विविध और समावेशी कार्यबल बनाने के अपने निरंतर प्रयास के साथ ऑरोरा के लॉन्च की घोषणा की है। यह प्रोग्राम लर्निंग डिसएबिलिटी वाले लोगों की अद्वितीय प्रतिभाओं का उपयोग करने और उन्हें उपयोगी व स्थायी रोजगार प्रदान करने के लिए डिज़ाईन किया गया है। यह घोषणा एमेज़ॉन इंडिया द्वारा मुंबई में स्थित नॉन-प्रॉफिट संगठन, सोल्स एआरसी के साथ चलाए गए एक पायलट के बाद की गई, जो ऑटिस्टिक और इंटलैक्चुअल डिसएबिलिटी वाले लोगों को व्यवसायिक प्रशिक्षण प्रदान करता है। एमेज़ॉन इंडिया ने यह घोषणा मुंबई, दिल्ली, बैंगलोर, चेन्नई, हैदराबाद में कंपनी के डिलीवरी स्टेशन में युवा व्यस्कों की प्रतिभा का उपयोग करने के लिए की। हमारे फुलफिलमेंट सेंटर, सॉर्टेशन सेंटर और डिलीवरी स्टेशन के क्षेत्र में 35 से ज्यादा एसोसिएट काम कर रहे हैं। एमेज़ॉन इंडिया का उद्देश्य इस साल लर्निंग डिसएबिलिटी वाले कई लोगों को कंपनी के कार्यबल में शामिल करना है।

इस प्रोग्राम के लॉन्च के बारे में लिजू थॉमस, डायरेक्टर - एचआर ऑपरेशंस, एमेज़ॉन इंडिया ने कहा, ''एमेज़ॉन में हम अपने ग्राहक आधार को प्रतिबिंबित करने के लिए एक विविध कार्यबल बनाने के लिए उत्साहित हैं, और उनके विस्तृत दृष्टिकोणों का लाभ उठाना चाहते हैं। हमारा मानना है कि कार्यस्थल पर विविधता से एक बेहतर और ज्यादा समावेशी वातावरण का निर्माण करने में मदद मिलती है। हम इन लोगों के लिए अवसरों का निर्माण करना चाहते हैं। एमेज़ॉन के लीडरशिप के नए सिद्धांत ''स्ट्राईव टू बी अर्थ्स बेस्ट एम्प्लॉयर'' की शुरुआत के साथ हमने एक ऐसी संस्कृति का निर्माण करने के अपने प्रयास मज़बूत किए हैं, जो समावेशी हो, सभी का स्वागत करती हो और कर्मचारियों में अपनेपन, नैतिक मूल्यों और अवसरों की भावना को बढ़ाए। ''ऑरोरा'' लर्निंग डिसएबिलिटी वाले लोगों को एक समावेशी और समानतापूर्ण कार्यस्थल प्रदान करने की ओर हमारा एक और अभियान है।

मुंबई में एमेज़ॉन के डिलीवरी स्टेशन पर लर्निंग डिसएबिलिटी वाली एक एसोसिएट, खुशी ठक्कर सोल्स एआरसी द्वारा एमेज़ॉन के इस पायलट प्रोग्राम में शामिल हुईं। इस प्रोग्राम ने उनका आत्मविश्वास और सामाजिक कौशल बढ़ा दिया और उन्होंने बताया, ''मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं कहीं नौकरी कर पाउंगी। एमेज़ॉन में मैं ग्राहकों के ऑर्डरों को स्कैन और सॉर्ट करना सीख रही हूँ। अपने सीनियर्स और साथियों की मदद से मैं यहाँ नई चीजें भी सीख रही हूँ।

एस्टर अपने भारत और जीसीसी कारोबारों को अलग करेगा, एस्टर जीसीसी में निवेश के लिए फज़्र कैपिटल के नेतृत्व में निवेशकों के कंसोर्टियम के साथ समझौते की घोषणा

बेंगलुरु जेंसी। जीसीसी और भारत में सबसे बड़े और सबसे तेजी से बढ़ते इंटीग्रेटेड हेल्थकेयर सर्विस प्रोवाइडर्स में से एक एस्टर डीएम हेल्थकेयर (एस्टर) को आज अपनी सहायक कंपनी एफ़िनिटी होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड (एफ़िनिटी) से बोर्ड की मंजूरी और अनुमोदन प्राप्त हुआ है। इसके निदेशक मंडल ने भारत और जीसीसी व्यवसायों को दो अलग और स्टैंडअलोन संस्थाओं में अलग कर दिया है।

विभाजन योजना के तहत, एफिनिटी ने एस्टर के जीसीसी व्यवसाय में निवेश करने के लिए संयुक्त अरब अमीरात में मुख्यालय वाली एक संप्रभु स्वामित्व वाली निजी इक्विटी फर्म फज़्र कैपिटल के नेतृत्व में निवेशकों के कंसोर्टियम के साथ एक निश्चित समझौता किया है। फज़्र कैपिटल के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम में एमिरेट्स इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी, अल धो होल्डिंग कंपनी (अलसेयर ग्रुप की निवेश शाखा), हाना इन्वेस्टमेंट कंपनी (ओलायन फाइनेंसिंग कंपनी की सहायक कंपनी) और वफ्रा इंटरनेशनल इन्वेस्टमेंट कंपनी भी शामिल हैं। इस ट्रांजेक्शन के बारे में नेगोसिएशन करने वाले एफ़िनिटी बोर्ड और उसके प्रतिनिधियों ने फज़्र कैपिटल के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम द्वारा प्रस्तावित मूल्यांकन और अन्य शर्तों के बारे में सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाया और समझौते को अंतिम रूप दिया। एस्टर डीएम हेल्थकेयर की स्थापना डॉ. आज़ाद मूपेन द्वारा एकल क्लिनिक के रूप में 1987 में दुबई, संयुक्त अरब अमीरात में की गई थी। कंपनी तब से एक अग्रणी इंटीग्रेटेड प्राइवेट हेल्थकेयर प्रोवाइडर बन गई है, जो प्राइमरी, सेकंडरी, टर्शिएरी और क्वाटर्नेरी स्वास्थ्य सेवाओं की एक पूरी श्रृंखला पेश करती है। इस तरह कंपनी अपने रोगियों की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करती है। भारत में, एस्टर का अपने 19 अस्पतालों, 13 क्लीनिकों, 226 फार्मेसियों और 251 रोगी अनुभव केंद्रों के माध्यम से 5 दक्षिण भारतीय राज्यों में एक बड़ा और तेजी से बढ़ता हुआ नेटवर्क है। इस बीच, खाड़ी में, एस्टर ने संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कतर, ओमान, बहरीन और जॉर्डन में 15 अस्पतालों, 118 क्लीनिकों और 276 फार्मेसियों के साथ एक मजबूत मौजूदगी कायम की है और साथ ही प्रतिष्ठा भी हासिल की है।

आज ओटीटी प्लेटफार्म के लिए बन रही वेब सीरीज के ऑडिशन

छिंदवाड़ा। आप सभी को सूचित करते हुए बड़ा हर्ष हो रहा है कि श्रेयौन ऑडियो, वीडियो, फिल्म स्टूडियो छिंदवाड़ा, मध्य प्रदेश के द्वारा वेब सीरीज का ऑडिशन जिले एवं प्रदेश के कलाकारों को सुहाना अवसर प्रदान करने के लिए आज गुरुवार, समय सुबह 11 बजे से 5 बजे तक श्रेयौन ऑडियो, वीडियो, फिल्म स्टूडियो, वेवंता हॉस्पिटल के सामने, परासिया रोड, छिंदवाड़ा, मध्य प्रदेश* में किया जा रहा है, जिसमें आप सभी भाग ले सकते हैं, यह ऑडिशन पूर्ण रूप से निशुल्क है।

जुआ खेलते हुये तीन जुआंरी को पुलिस ने धरदबोचा

परासिया। कोयलांचल क्षेत्र के शिवपुरी थाना अंतर्गत ग्राम बागबर्दिया में पुलिस कार्यवाही के दौरान जुआ खेलते हुए तीन जुआरियों को पुलिस ने धरदबोचा। जिनके पास से 22 सौ 70 रुपए नगद जप्त किए। शिवपुरी थाना प्रभारी एकता सोनी ने बताया कि मुखबिर द्वारा सूचना मिलने पर ग्राम बागबर्दिया के टांडा ढाने में पुलिस ने दबिश देते हुए वहां के एक मकान के बरांदे में जुआ खेलते हुए संतोष पिता उदय राम चौहान सिद्दा पिता विपतलाल व संतोष चौहान ताश के पत्तों पर रूपयों के दांव लगाते हुए मिले। जिनके पास से नगद जप्त करते हुए उन्हें गिरफ्तार कर शिवपुरी थाने लाया गया जहां सभी आरोपियों के विरुद्ध 13 जूआ एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

छिंदवाड़ा ने सेमीफाइनल मैच में नरसिंगपुर को 6 विकेट से हराया

फाइनल मुकाबला कटनी से

छिंदवाड़ा। जबलपुर में चल रही अंतर जिला अंडर 15 क्रिकेट प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मैच में छिंदवाड़ा ने नरसिंगपुर को 6 विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। बारिश के कारण सेमीफाइनल मैच 20- 20 ओवर का खेला गया।जिसमे नरसिंगपुर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 60 रन बनाए। छिंदवाड़ा के गेंदबाज युग डेहरिया ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट लिए। हर्षवर्धन सिंग ने 3 विकेट लिए। 61 रनों के लक्ष्य को छिंदवाड़ा ने 19.5 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। बल्लेबाज वेंदान्त जंघेला ने नाबाद 21 रन बनाए। छिंदवाड़ा ने मैच 6 विकेट से जीतकर फाइनल में प्रवेश किया।

कल सुबह 9 बजे से जबलपुर के एमपीसीए क्रिकेट मैदान पर दो दिवसीय फाइनल मुकाबला छिंदवाड़ा व कटनी के मध्य खेला जाएगा।

एक्सीडेंटल पॉइंट के आसपास क्रॉसिंग में लगी हुई झाड़ियां की वजह से हो रही दुर्घटनाएं

अमरवाड़ा। छिंदवाड़ा नरसिंहपुर मार्ग न 547 में अमरवाड़ा बाईपास के एक्सीडेंट पॉइंट पर क्रॉसिंग के आसपास लगी हुई झाड़ियां दुर्घटना का कारण बन रही है प्राप्त जानकारी के अनुसार छिंदवाड़ा नरसिंहपुर मार्ग में अमरवाड़ा शहर से बाईपास की ओर जाने वाले मार्गों के दोनों तरफ बड़ी-बड़ी झाड़ियां है जिसकी वजह से बाईपास से आने वाली गाड़ियां और क्रॉसिंग शहर के अंदर से जाने वाली गाड़ियों के चालकों को समझ में नहीं आ पाता है जिसकी वजह से दुर्घटनाएं हो रही है क्रॉसिंग के आजू-बाजू लगी हुई झाड़ियां को हटाने की मांग की जा रही है प्रगति सोपान समिति और तहसील प्रेस क्लब के पदाधिकारी ने बताया कि अमरवाड़ा बाईपास में लगभग पांच स्थानों पर शहर से जाने वाली रोड की क्रॉसिंग है इसके आसपास झाड़ियां लगी हुई हैं पहले गरमेटा पर्वत शिव धाम मार्ग, चिखली चंदेनी रोड, जेल चौराहा, पोनरी रोड, और पिपरिया पंखा के आसपास क्रॉसिंग में दोनों साइड झाड़ियां लगी है जिसे हटाने की मांग की जा रही है यही मुख्य वजह है कि यहां पर एक्सीडेंट होते रहते हैं वही बाईपास में ट्रामा यूनिट भी बनी हुई है लेकिन जो कि आज तक शुरू नहीं हुई है योगी खंडहर में तब्दील है और यहां पर नशेड़ी बैठकर जमकर नशाखोरी करते हैं शिव धाम मंदिर के पास बाईपास में बड़े-बड़े गड्ढे होने की वजह से भी लोगों को काफी दिक्कतें होती है कई बार राजनीतिक संगठनों और सामाजिक संगठनों ने शिकायत की है लेकिन संबंधित अधिकारी ध्यान नहीं देते हैं

ज्योति भलावी का मध्य प्रदेश कबड्डी कैम्प मे हुआ चयन

छिंदवाड़ा। कार्पोरेशन के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह वेश ने बताया की छिंदवाड़ा कार्पोरेशन की खिलाडी ज्योति भलावि का मध्य प्रदेश कबड्डी कैम्प मे चयन हुआ है कबड्डी मे पहली बार जिले की कोई खिलाडी सलेक्ट हुई है ज्योति भलावि पी जी कॉलेज मे अपनी प्रकटिस करती है उनके कोच अरविंद(सोनू) दुबे है इनकी ये उपलब्दि पर पीजी कॉलेज के स्पोर्ट आफिसर सुशील पटवा, जी एस आर नायडू एवं समस्त स्टप ने बधाई दी एवं उज्जल भविस्य की कामना की है।

आयोग की वेबसाइट और वोटर हेल्पलाइन एप पर देखे जा सकेंगे निर्वाचन के परिणाम

छिन्दवाड़ा। मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन-2023 के लिए दिनांक 17 नवम्बर को हुए मतदान की 3 दिसंबर को मतगणना होगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया 3 दिसम्बर 2023 को प्रातः 8 बजे से प्रदेश के 52 जिला मुख्यालयों में स्थापित मतगणना केन्द्रों में मतों की गिनती प्रारंभ होगी। मतगणना के राउन्ड-वाइज परिणाम प्रदर्शित किये जाएंगे। सर्वप्रथम प्रातः 8 बजे से पोस्टल बैलेट की गणना प्रारंभ होगी। इसके आधे घंटे बाद 8.30 बजे ईवीएम में दर्ज मतों की गणना प्रारंभ होगी। पोस्टल बैलेट की गणना समाप्त होने के तत्काल बाद प्रत्येक उम्मीदवार को मिले डाक मत पत्रों की घोषणा की जाएगी।

जानलेवा हमला कर ज्वेलर्स दुकान से लूट के आरोपी को 10-10 वर्ष का सश्रम कारावास

आरोपी भगोड़े फौजी ने पूर्व में विधायक के गनमैन की हत्या कर लूटी थी मशीनगन, सात माह में न्यायालय ने सुनाई सजा मौके पर ही गोली से आहत सोहनलाल ताम्रकार एवं मोहल्ले के लोगों द्वारा पकडा गया था

छिंदवाड़ा। न्यायालय हरप्रसाद वंशकार पंचम अपत्र सत्र न्यायाधीश छिंदवाडा द्वारा थाना कोतवाली जिला छिंदवाडा के अप.क्र. 35/23 धारा 450, 379, 398, 307 भादवि एवं 25, 27 आर्म्स एक्ट के अपराध में आरोपी संदीप यादव उम्र 32 वर्ष पिता मनालाल यादव निवासी चारगांव प्रहलाद चौकी हाल निवासी एकता कालोनी चंदनगांव थाना कुंडीपुरा छिंदवाडा को भादवि की धारा 450 में 07 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1000 जुर्माना, धारा 394/397 में 10 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1000 जुर्माना, धारा 398 में 10 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1000 जुर्माना, धारा 307 में 10 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1000 जुर्माना, धारा 379 में 01 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1000 जुर्माना एवं आर्म्?स एक्ट की धारा 25 में 01 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1000 जुर्माना व धारा 27 में 07 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1000 जुर्मानासे दंडित किया गया।

पैरवीकर्ता अभियोजन अधिकारी श्रीमती वंदना यादव ने बताया कि छिंदवाडा शहर के मध्य दुर्गाश्री ज्वेलर्स के संचालक सोहन ताम्रकार रोज की भांति दि. 16.01.23 को दुकान खोलकर बैठे थे तभी आरोपी अपने मुंह पर काला सफेद गमछा बांधकर एवं एक हाथ में बैग और एक हाथ में कार्बाइन मशीनगन सहित आया और काउंटर पर बैग रखकर सोहन ताम्रकार को दुकान के सारे जेवर बैग में रखने की धमकी दे रहा था। सोहन तम्रकार के विरोध करने पर आरोपी नकाबपोश लुटेरे ने बंदूक से सोहन के ऊपर फायर कर दिया जिससे एक गोली फरियादी के पेट में और एक गोली दाहिने पैर के घुटने में लगी। मौके पर उपस्थित सोहन ताम्रकार के बेटे के द्वारा अपने पिता को बचाने का प्रयास किया गया तो आरोपी द्वारा उस पर भी फायर किया गया किंतु गोली उसके सिर के ऊपर एवं कंधे के किनारे से होते हुये निकल गई।

गोली की आवाज और हल्ला गोहार सुनकर नजदीक के दुकानदार हरी गुप्ता, आशीष गुप्ता, राधा गुप्ता, ऋषि ताम्रकार, ओमकार शिंदे, दीपक गुप्ता और अन्य लोग मौके पर आ गये थे। लोगों को आता देख आरोपी हथियार सहित दुकान से निकलकर अपनी मोटरसायकिल भागने के लिये स्टार्ट करने लगा तभी आहत व मोहल्?ले के लोगों के साहस से आरोपी पकडा गया। आरोपी जिस मोटरसायकिल से आया था वह चोरी की थी। मौके पर आरोपी की कमर से चाकू भी बरामद हुआ। बंदूक और चाकू आरोपी से छुडाकर रख लिये गये। आरोपी संदीप यादव भारतीय सेना में 283 फील्ड रेजीमेंट सी.ओ. 560को में हवलदार के पद पर कार्यरत था। छुट्टी के दौरान आरोपी के द्वारा सुल्तानपुर यूपी में ट्रेन में सफर के दौरान विधायक के गनमैन की ड्यूटी में लगे सिपाही राकेश कुमार की चाकू से हत्या कर उसके पास से कार्बाइन मशीनगन लूट कर फरार हो गया था। आरोपी के विरूद्ध थाना कुंडीपुरा में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना उपरांत अभियोग पत्र माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया जहां न्यायालय के द्वारा विचारण के दौरान पेश सीसीटीव्ही फुटेज तथा वरिष्ठ अभियोजन अधिकारी श्रीमती वंदना यादव के तर्को से सहमत होते हुये आरोपी को दोषी पाते हुये 10 वर्ष का सश्रम कारावास एवं कुल 7000 रू अर्थदण्ड से दंडित किया गया। उक्त प्रकरण की विवेचना तत्कालीन निरीक्षक सुमेर सिंह जगेत द्वारा की गई थी। उक्त जघन्य एवं सनसनीखेज प्रकरण में माननीय न्यायालय द्वारा त्वरित विचारण कर लगभग 07 माह में निर्णय पारित किया गया है।

अतिथि शिक्षकों को नहीं मिला जुलाई का वेतन,

अक्टूबर की पेमेंट को लेकर गुहार लगा रहे पौनर संकुल के अतिथि शिक्षक

अमरवाड़ा। विकासखंड में अतिथि शिक्षकों को अपनी वेतन के लिए गुहार लगानी पड़ रही है लेकिन उन्हें पेमेंट नहीं मिल रही है सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति आदेश अनुसार 12 जुलाई को हो गई थी लेकिन अमरवाड़ा विकासखंड में 1 अगस्त से अनुमोदन की गई है जिसकी वजह से जुलाई माह की पेमेंट अतिथि शिक्षकों को नहीं मिली है जबकि अतिथि शिक्षकों के द्वारा जुलाई माह में स्कूलों में अध्यापन कार्य कराया गया है जिसकी कारण अतिथि शिक्षक आज जुलाई की पेमेंट के लिए मोहताज हैं अतिथि शिक्षकों को छिंदवाड़ा जिले के दूसरे विकास विकासखंड में जुलाई माह की पेमेंट करी गई है लेकिन सिर्फ अमरवाड़ा में ही नहीं की गई जिसके कारण अतिथि शिक्षकों को काफी नुकसान हुआ है वही अमरवाड़ा विकासखंड के पौनार संकुल में अतिथि शिक्षकों को अक्टूबर की पेमेंट नहीं मिली है जबकि दूसरे संकुल की पेमेंट हो गई है जिसके कारण भी अतिथि शिक्षक काफी परेशान है अतिथि शिक्षकों ने बताया कि हम पूरे महीने अध्यापन कार्य करते हैं और फिर पेमेंट के लिए हमें मोहताज होना पड़ता है जबकि हमें अपने परिवार का भरण पोषण इस पेमेंट से करना पड़ता है और समय से पेमेंट नहीं मिलने की वजह से हमारी आर्थिक स्थिति खराब हो रही है और परिवार के भरण पोषण में भी दिक्कत होती है सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासखंड के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों की हठ धर्मिता की वजह से अतिथियों की पेमेंट नहीं हुई है अतिथि शिक्षकों ने उच्च अधिकारियों से मांग की है कि उन्हें जुलाई की पेमेंट और पौनार संकुल की अक्टूबर की पेमेंट दिलाई जाए।

1 को जिले की सातों विधानसभाओं में कांग्रेस के मतगणना एजेंटों की प्रशिक्षण बैठक

छिन्दवाड़ा। जिले की सातों विधानसभाओं पर मतगणना से जुड़ी एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण बैठक का आयोजन किया गया है जिसमें कांग्रेस के मतगणना एजेंटों को मतगणना से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी जावेगी। प्रशिक्षण में आगामी तीन दिसम्बर को सम्पन्न होने वाली विधानसभा चुनाव की मतगणना से जुड़े आवश्यक बिन्दुओं से अवगत कराने के साथ ही गणना स्थल पर जरूरी सामग्री लेकर निर्धारित समय से पूर्व पहुंचने और सम्पूर्ण कार्यवाहियों को नियमानुसार पूर्ण करने हेतु प्रशिक्षित कि जिला कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार दिनांक 1 दिसम्बर को जिले की सातों विधानसभाओं में कांग्रेस के मतगणना एजेंटों की प्रशिक्षण बैठक का आयोजन किया गया है। श्री ओक्टे ने बताया कि ब्लॉक अध्यक्ष व क्षेत्रीय अध्यक्षों को इस प्रशिक्षण बैठक के आयोजन हेतु निर्देशित किया जा चुका है। कांग्रेस के सभी मतगणना एजेंटों को प्रशिक्षण दिया जावेगा साथ ही उन्होंने सभी मतगणना एजेंटों को निर्देशित किया है कि वे दिनांक 3 दिसम्बर को प्रातः 6.30 बजे छिन्दवाड़ा जिला मुख्यालय स्थित मतगणना स्थल पी.जी कॉलेज पहुंचें।

कालीरात मेले में उमड़ रही भक्तो की भीड़

छिंदवाड़ा। कार्तिक पूर्णिमा से कालीरात धाम प्रबंधकारिणी समिति के द्वारा कालीरात मेले का प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी मेले का आयोजन किया गया जिसमे आसपास के ग्रामीण मंडल के द्वारा भजन की प्रस्तुति दी जा रही है, जो कि आकर्षण का केंद्र बनी हुई है प्रतिदिन अलग अलग मंडलो के कलाकारों द्वारा प्रस्तुति दी जाती है।27 नवंबर से लगने वाले 7 दिवसीय मेले का आज तृतीय दिवस है। भारी ठंड के बाद भी मेले में भक्तो की भीड़ देखने को मिली और यह मेला समापन 3 दिसम्बर को रहेगा ,जबकि एक दिन पूर्व 2 दिसंबर के हरिनाम संकीर्तन सप्ताह के साथ विशाल भंडारा का योजन होगा, मेला समिति ने आव्हान किया है कि सभी भक्त मेले का आनंद जरूर ले। मेला समिति में विभिन्न लोगो का महत्वपूर्ण सहयोग मिल रहा है जिसमे रमेश पोफली, देवराव ठाकरे, रघुनाथ सूर्यवंशी, मधुकर इंगले, उदित आवरे,वेद सिसोदिया , जित्तू सूर्यवंशी, दीपक सूर्यवशी, सुशील सूर्यवंशी,नवीन ठाकरे, मंगेश कपाले, राजेश चौरे, अमन ठाकरे, पवन काले,अरुण इंगले, आशीष सूर्यवंशी,र ाजू विश्वकर्मा, संजू नरवरे सहित क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

मतगणना के लिए लगेगी 16 टेबल, डाक मत पत्र के टेबल अलग

अमरवाड़ा। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 123 अमरवाड़ा के रिटर्निंग ऑफिसर हेमकरण धुर्वे ने बताया है कि पीजी कॉलेज छिंदवाड़ा में अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के मत गणना करने के लिए दिनांक 3 दिसंबर 2023 को समय प्रातः 8:00 बजे से स्थान कक्ष क्रमांक पीजी कॉलेज छिंदवाड़ा के मुख्य भवन के भूतल के कक्ष क्रमांक -27 में एवं ई व्हि एम की गणना निर्धारित 16 टेबलों में एवं पोस्टल बैलट की गणना प्रथक से दो टेबलों (डाक मतपत टेबल क्रमांक एक एवं दो पर की जाएगी।

दुकान लगाने को लेकर दो पक्षों में मारपीट, मामला दर्ज

परासिया। कोयलांचल क्षेत्र में दिन सोमवार को सवेरे पुलिस थाना के समीप दो फल विक्रेताओं के बीच दुकान लगाने को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया। विवाद इतना बढ़ा की डंडे व राड निकल आए और मारपीट हो गई। जिसमें दोनों ही पक्षों के बीच हुए इस विवाद में चार लोगों को गंभीर चोटे आई है। जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया। मिली जानकारी के अनुसार सोमवार सवेरे थाने के समीप अख्तर खान व इकबाल खान आसपास अपनी अपनी फलों की दुकान लगाते हैं। रोज की तरह सोमवार को भी वह दुकान लगा रहे थे। तभी इनके कर्मचारियों के बीच विवाद होने लगा जो मारपीट तक पहुंच गया। तभी दुकान के मालिक इकबाल व अख्तर भी बीच बचाव करने लगे तभी इनके साथ भी मारपीट प्रारंभ हो गई ।जिसके बाद विवाद ने बड़ा रुप ले लिया। राहगीरों द्वारा मामले को शांत कराया गया।दोनों ही पक्षों ने पुलिस थाने पहुंचकर एक दूसरे के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराई। जिस पर पुलिस ने दोनों पक्षों पर मामला दर्ज करते हुए कार्यवाही की एवं घायलों का उपचार कराया। विवाद में अल्ताफ खान इकबाल खान दीन मोहम्मद को सिर पर गंभीर चोट आई जिन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया। वहीं अख्तर खान के चेहरे पर चोट आई। इकबाल खान की शिकायत पर पुलिस ने बिट्टू उर्फ आकाश डेहरिया अख्तर खान वाहिद खान आरिफ मोनू व सुनील के विरुद्ध धारा 294 323 324 506 व 34 के तहत प्रकरण दर्ज किया तो वही अख्तर खान की शिकायत पर अल्ताफ खान इकबाल खान व बारिक खान के विरुद्ध धारा 294 323 324 506 34 व हरिजन एक्ट के तहत् प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की। नगर निरीक्षक जे मसराम का कहना है कि मामला जांच में है विवेचना के दौरान प्रकरण में धाराएं बढ़ भी सकती

छिंदवाड़ा से लोकसभा चुनाव लड़ने नेता अपने नाम आगे बढ़ा रहे

संजय सक्सेना, संदीप रघुवंशी एवं पूर्व मंत्री चौधरी चन्द्रभान सिंह के नामों की चर्चा

छिंदवाड़ा। विधानसभा चुनाव के परिणाम अभी आए नहीं हैं। सरकार किसकी बनेगी यह भी पता नहीं है,आने लोकसभा चुनाव के लिए नेताओं ने अपना नाम आगे बढ़ाना प्रारंभ कर दिया है। भाजपा किसान मोर्चा व खैरीभुताई के इंजीनियर एवं प्रगतिशील कृषक संजय सक्सेना ने लोकसभा चुनाव लड़ने की इच्छा व्यक्त की है। उन्होने इस संबंध में भाजपा के केन्द्रीय नेताओं से पत्र व्यवहार करना भी प्रारंभ कर दिया है। संजय सक्सेना मेकेनिकल इंजीनियर हैं,59 वर्षीय खैरीभुताई के बड़े प्रगतिशील किसान हैं। किसान मोर्चा के प्रदेश में पदाधिकारी हैं, जो पिछले 10 वर्षो से सक्रिय हैं संजय सक्सेना कहते हैं कि पार्टी ने उन्हें टिकट दिया तो वे पूरी तैयारी से चुनाव लड़ेंगे।

संजय सक्सेना के अलावा चौरई विधानसभा क्षेत्र के भाजपा नेता संदीप रघुवंशी भी लोकसभा चुनाव लड़ने के इच्छुक हैं वे विधानसभा के दावेदार भी थे। किन्तु पार्टी ने लखन वर्मा को टिकट दिया तो उन्होने लखन वर्मा के लिए पूरी ताकत लगा दी है। वे पिछले पांच वर्षो से चौरई विधानसभा क्षेत्र में निःशुल्क नेत्र शिविर लगवा रहे हैं। और हजारों की संख्या में ग्रामीणों के मोतियाबिंद के आपरेशन करवा कर उनकी जीवन में रोशनी फैलाई है। संदीप रघुवंशी संघ से जुड़े हैं केन्द्र एवं राज्य के नेताओं से उनके सीधे सम्पर्क हैं। श्री रघुवंशी बताते हैं कि वे अब पूरे जिले में नेत्र शिविर लगाने की योजना बना रहे हैं। संदीप रघुवंशी चौरई विधानसभा के किसान हैं। एवं किसान मोर्चे में सक्रिय हैं। लोकसभा चुनाव पूरी दमखम से लड़ने की ताकत रखते हैं।

संजय सक्सेना व संदीप रघुवंशी के अलावा पूर्व मंत्री चौधरी चन्द्रभान सिंह भी चुनाव लड़ने को तैयार हैं। पार्टी ने मौका दिया तो पूरी दमखम से चुनाव लड़ेंगे। चौधरी चन्द्रभान सिंह पूर्व में 1991,1996,2014,में लोकसभा चुनाव लड़ चुके हैं। 1990, 1998, 2003, 2008, 2013, 2018 में विधानसभा चुनाव लड़ चुके हैं,वे कुल 9 चुनाव लड़ चुके हैं। जिले का जाना पहचाना नाम है, पूर्व मुख्यमंत्री सुंदरलाल पटवा उनके संरक्षक थे।

चौधरी चन्द्रभान सिंह कहते हैं कि इस बार मेरे हाथों की रेखाएं बता रही है कि उन्हें राजयोग है। पार्टी ने मौका दिया तो वे लोकसभा चुनाव लड़ने को तैयार हैं। एक भाजपा नेता का कहना है कि कांग्रेस से लोकसभा चुनाव कौन लड़ेगा यह तय है,भाजपा यदि अभी प्रत्याशी घोषित कर दे तो वे जिले भर में अपनी पहचान बना सकें ऐन वक्त पर चुनाव में प्रत्याशी घोषित होने पर चुनाव हारना ही हाथ लगता है। 2024 में छिंदवाड़ा भाजपा के टारगेट में है, किन्तु प्रदेश में सरकार किसकी बनती है यह तय करेगा कि प्रत्याशी कौन होगा।

संभाग स्तरीय वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता पीजी कॉलेज छिंदवाड़ा बना चैंपियन

छिंदवाड़ा। संभाग स्तरीय वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता डेनियलसन डिग्री कॉलेज छिंदवाड़ा द्वारा आयोजित कराई गई जिसमें जिला सिवनी जिला बैतूल एवं जिला छिंदवाड़ा के खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में शासकीय कन्या महाविद्यालय शिवानी शासकीय कन्या महाविद्यालय छिंदवाड़ा शासकीय महाविद्यालय मुलताई शासकीय पीजी महाविद्यालय छिंदवाड़ा शासकीय महाविद्यालय सिवनी एवं मेजबान डेनियलसन डिग्री कॉलेज छिंदवाड़ा ने भाग लिया। पुरुष वर्ग में पीजी कॉलेज छिंदवाड़ा एवं महिला वर्ग में शासकीय कन्या महाविद्यालय छिंदवाड़ा ने चैंपियनशिप अपने नाम की। प्रतियोगिता की मुख्यअतिथि महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो श्रीमती स्मृति हाबिल थी। संगठन सचिव श्री शरद स्टीफन ने बताया कि प्रतियोगिता वेटलिफ्टिंग संघ के रविकांत अहिरवार के मार्गदर्शन में संपन्न कराई गई। इसमें निर्णायक श्री रवि श्री रविकांत अहिरवार राजकुमार उईके गणेश विश्वकर्मा यासीन शाह एवं पूजा तिवारी थी। प्रतियोगिता के सफल संचालन में डॉक्टर सुशील कुमार पटवा श्री माइक प्रकाश डा सइमा सरदेशमुख कुमारी शिवानी राऊत का सहयोग रहा। निम्न खिलाड़ियों का चयन ऑल इंडिया विश्वविद्यालय के लिए किया गया है। महिला वर्ग में कुमारी सरल मालवी शासकीय कन्या महाविद्यालय छिंदवाड़ा पुरुष वर्ग में संतोष दशमा तथा सुमित गौनेकर शासकीय पीजी कॉलेज छिंदवाड़ा अंशुल इवनाती शासकीय पीजी कॉलेज सिवनी से है।

विधानसभा चुनाव 2023

कांग्रेस एवं भाजपा में जीत का अन्तर कम होगा

जनता चाहती है कि कमलनाथ मुख्यमंत्री बने

छिंदवाड़ा। तीन दिसम्बर का सबको इन्तजार है किन्तु पिछले 2018 के चुनाव परिणाम को देखे तो पता चलेगा कि जिले के सातो भाजपा के प्रत्याशी हारे थे, उनकी लीड लम्बी है वे क्या इस बार लीड को कम कर पायेगें या जीत पायेंगे।

चौरई विधानसभा क्षेत्र

चौरई विधानसभा में पंडित रमेश दुबे एवं सुजीत चौधरी में सीधा मुकाबला था, भाजपा के रमेश दुबे 65,411 एवं कांग्रेस के सुजीत चौधरी को 78,415 वोट मिले थे और सुजीत चौधरी 13004 वोट मिले थे, सुजीत चौधरी पहली बार चुनाव लड़े थे, और सुजीत चौधरी को उनके पिता स्व. मेरसिंह चौधरी की सहानुभूति मिली थी, इसीलिए वे जीते थे, इस चुनाव में कांग्रेस की सीट पर गड्डा करने का प्रयास शहपुरा के युवा कांग्रेस नेता नीरज ठाकुर बंटी पटेल ने किया है, वह कांग्रेस एवं भाजपा दोनों के वोट लेंगे, क्योकि उनके परिवार के सदस्य भाजपा के नेता है। भाजपा ने पंडित रमेश दुबे को टिकट नहीं दिया तो वे चुप थे, उन्होने ने भाजपा का काम नहीं किया। कहते है उनके समर्थकों ने सुजीत चौधरी को वोट दिया है। इसके अलावा बिछुआ ब्लाक चौरई में आता है जो आदिवासी ब्लाक है, जहां गोडवाना का प्रभाव है वहां गोंडवाना के प्रत्याशी जयपाल उईके ने 12,551 वोट लिये थे, इस बार भी गोंडवाना इससे ज्यादा वोट लेगी। पिछले चुनाव में नोटा को 2,331 वोट मिले थे जो प्रत्याशी की हार जीत में महत्व पूर्ण भूमिका निभाते है।

जुन्नारदेव विधानसभा क्षेत्र

जुन्नारदेव आदिवासी सीट है, यहा पर कांग्रेस ने विधायक सुनील उईके को एवं भाजपा ने आशीष ठाकुर को प्रत्याशी बनाया था, सुनील उईके को 78,573 वं आशीष ठाकुर को 55,885 वोट मिले थे सुनील उईके 22,688 वोट मिले थे। गोंडवाना के झमकलाल सरेयाम को 19,369 वोट मिले थे और नोटा को 6,245 वोट मिले थे, गोंडवाना प्रत्याशी इतने ही वोट लेगा। इस बार भाजपा ने आशीष ठाकुर को बदल कर नत्थन शाह को प्रत्याशी बनाया है, नत्थन शाह लोकसभा चुनाव भी लड़े थे, वे जुन्नारदेव विधानसभा के चनाव भी हारे थे। इस चनाव में सनील उईके की सीट चर्चा में रही सुनील उईके का एक वीडियो का मुद्दा चर्चा में था, यहां कांग्रेस में गुटबाजी थी जो वर्तमान विधायक से नाराज थी, वहीं पर भाजपा के कार्यकर्ताओं ने काम नहीं किया आशीष ठाकुर ने भी भाजपा को नुकसान पहुंचाया।

अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र

अमरवाड़ा विधानसभा से कांग्रेस से कमलेश प्रताप शाह पिछली बार पूर्व मंत्री भाजपा के प्रेम नारायण ठाकुर से एवं गोंडवाना के मनमोहन शाह बट्टी से चुनाव लड़े थे जिसमें भाजपा तीसरे एवं गोंडवाना दूसरे नम्बर पर थी, कमलेश शाह को 71,662 एवं मनमोहन शाह बट्टी को 61,269 वोट मिले थे और कमलेश शाह 10,303 वोट से जीते थे।

कोरोना काल में मनमोहन शाह बट्टी की मृत्यु हो गई और भाजपा ने इस बार मनमोहन शाह बट्टी की पुत्री युवा नेत्री मोनिका बट्टी को प्रत्याशी बनाया है। यदि मोनिका को स्व. मनमोहन शाह बट्टी की सहानुभूति के आधे भी वोट मिल गये तो चुनाव परिणाम कुछ भी हो सकते हैं।

सौंसर विधानसभा क्षेत्र

पिछले चुनाव में भाजपा ने नाना मोहोड एवं कांग्रेस ने विजय चौरे को प्रत्याशी बनाया था, विजय चौरे को 86,700 एवं नाना मोहोड को 66,228 वोट मिले थे 20,472 वोट से नाना मोहोड़ हार गये थे। इस बार कांग्रेस ने विजय चौरे एवं भाजपा ने नाना मोहोड को प्रत्याशी बनाया है, इस बार नाना मोहोड को चुनाव में रूपये की कोई कमी नहीं थी, क्योकि नाना मोहोड को रेत माफियों का सपोर्ट था जो चुनाव में चर्चा भी थी। इस चुनाव में संघ के प्रदीप ठाकरे ने विद्रोह कर दिया जो नाराज भाजपा नेताओं के वोट उन्हें मिलेंगे। सौंसर को पांढुर्ना जिले में शामिल होने से सौंसर के लोग भाजपा से नाराज है जिसका नुकसान भाजपा को होगा।

परासिया विधानसभा क्षेत्र

परासिया विधानसभा क्षेत्र में पिछला चुनाव कांग्रेस और ताराचन्द बावरिया बीच हुआ था सोहन वाल्मिकी को 79,046 एवं ताराचन्द बावरिया को 66,409 वोट मिले थे जिसमें कांग्रेस के सोहन वाल्मिकी 12,637 वोटों से जीते थे।

इस बार कांग्रेस ने विधायक सोहन वाल्मिकी एवं भाजपा ने महिला प्रत्याशी श्रीमती ज्योति डेहरिया को प्रत्याशी बनाया है। ताराचन्द बावरिया टिकट मिलने से नाराज थे, उन्होने काम नहीं किया। ज्योति डेहरिया को उनकी जाति के लोगों के वोट यदि मिले तो चुनाव परिणाम कुछ भी हो सकता है। कांग्रेस का एक खेमा सोहन वाल्मिकी से नाराज था, किन्तु कमलनाथ को मुख्यमंत्री बनाना है यह मुद्दा हावी है। यहां पर आमआदमी पार्टी के प्रत्याशी 2228, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी को 4,689, निर्दलीय प्रत्याशी तुलसीदास महलगवैया को 2186 एवं नोटा को 3,178वोट मिले थे।

पांढुर्ना विधानसभा क्षेत्र

पांढुर्ना विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस से नीलेश उईके एवं भाजपा से टीकाराम कोराची चुनाव लड़े थे, नीलेश उईके को 80,125 एवं भाजपा के टीकाराम कोराची को 58,776 वोट मिले थे जिसमें नीलेश उईके 21,349 वोटों से जीते थे। इस बार भाजपा ने कांग्रेस नीलेश उईके एवं भाजपा ने सेवा निवृत जज युवा प्रकाश उईके को प्रत्याशी बनाया है। भाजपा ने पांढुर्ना को जिला घोषित कर दिया इसीलिए वहां के लोग खुश है, इसका फायदा भाजपा को मिलेगा, किन्तु कुछ भाजपा नेताओं ने भाजपा प्रत्याशी को पेरासूट प्रत्याशी बताकर विरोध किया था। पांढुर्ना की जनता जागरूक है यहां परिणाम भाजपा के पक्ष में भी जा सकता है।

छिंदवाड़ा विधानसभा क्षेत्र

2018 में छिंदवाड़ा विधानसभा से भाजपा से चौधरी चन्द्रभानसिंह एवं कांग्रेस से दीपक सक्सेना चुनाव लड़े थे। दीपक सक्सेना को 1,04,034 वोट मिले थे जबकि चौधरी चन्द्रभानसिंह को 89,487 वोट मिले थे, जिसमें दीपक सक्सेना 14,552 वोटों से जीते थे।

कांग्रेस को बहुमत मिला था, तो 2019 में उप चुनाव हुआ जिसमें कांग्रेस से मुख्यमंत्री कमलनाथ चुनाव लड़े थे उनके विरूद्ध भाजपा ने युवा भाजपा प्रत्याशी विवेक बंटी साहू को प्रत्याशी बनाया था। कमलनाथ को 1,14,459 वोट एवं विवेक बंटी साहू को 88,622 वोट मिले थे और कमलनाथ 25,837 वोट से जीते थे।

इस बार भी कमलनाथ एवं बंटी साहू आमने सामने है, कांग्रेस को बहुमत मिला तो कमलनाथ मुख्यमंत्री बनेगा, यह मुद्दा भाजपा के सामने भारी है। भाजपा प्रत्याशी ने मेहनत बहुत की खर्च भी बहुत किया। हार जीत का फैसला कम या ज्यादा जाता वोटो से होगा यह तो चुनाव परिणाम बतायेगा किन्तु नगर की आधी भाजपा ने गुटबाजी के कारण भाजपा का काम नहीं किया, इस बार नई भाजपा एवं पुरानी भाजपा के बीच संघर्ष होगा, किन्तु जनता चाहती है कि कमलनाथ मुख्यमंत्री बनंगे जिससे जिले का विकास तेजी से हो और पिछली कांग्रेस की सरकार के सारे प्रोजेक्ट जल्दी पूरे हो सकें।

कर्जत में राष्ट्रीय कार्य समिति की बैठक के लिए राकांपा राष्ट्रीय प्रवक्ता बृजमोहन श्रीवास्तव और राष्ट्रीय महासचिव एनए मोहम्मद कुट्टी के मुंबई आगमन पर राकांपा के ठाणे ब्लॉक अध्यक्ष समीर पेंढरे द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

भोपाल में सुबह तेज बारिश, 14 जिलों में ऑरेंज अलर्ट

घने कोहरे की वजह से इंदौर की पांच फ्लाइट अहमदाबाद डायवर्ट

भोपाल। मध्यप्रदेश में पिछले पांच दिनों से मौसम सर्द है। भोपाल में गुरुवार सुबह घना कोहरा छाया रहा फिर तेज बारिश हुई। बारिश बंद होते ही धुंध के बीच हल्की धूप खिली। घने कोहरे के कारण इंदौर एयरपोर्ट पर सुबह 9.30 बजे तक लैंड होने वाली पांच फ्लाइट को अहमदाबाद डायवर्ट करना पड़ा। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेशभर में गरज-चमक के साथ बारिश होगी। 14 जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।

मौसम केंद्र भोपाल ने गुरुवार को इंदौर, खरगोन, खंडवा, देवास, हरदा, शाजापुर, सीहोर, नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, सागर, टीकमगढ़ और छतरपुर जिले के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। यहां तेज बारिश हो सकती है। भोपाल, उज्जैन समेत 30 जिलों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश होगी। इन जिलों में सुबह के समय कहीं हल्का तो कहीं घना कोहरा भी छाया रहेगा।

भोपाल में गुरुवार सुबह 9 बजे के बाद करीब 20 मिनट तेज बारिश हुई। इससे पहले बादल और धुंध छाई रही। राजधानी में दिन का टेम्प्रेचर 10 डिग्री तक लुढ़क गया है। कोहरे और बारिश के चलते बुधवार को इंडिगो की भोपाल-प्रयागराज फ्लाइट कैंसिल रही। इंडिगो की ही रात 9 बजे मुंबई से भोपाल आने वाली फ्लाइट करीब 1 घंटे 10 मिनट देर से पहुंची। भोपाल में बुधवार शाम को तेज बारिश हुई, जो देर रात तक जारी रही। रायसेन में भी पानी गिरा। वहीं, उमरिया, बालाघाट जिले के मलाजखंड में भी बारिश हुई। वहीं, प्रदेशभर में बादल छाए रहे। इससे दिन का तापमान भी गिर गया। इंदौर प्रदेश में सबसे ठंडा रहा। यहां तापमान 22.3 डिग्री पहुंच गया। एक ही दिन में 1.7 डिग्री की गिरावट हुई। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ), चक्रवाती हवाओं का घेरा और ट्रफ लाइन के गुजरने से स्ट्रॉन्ग सिस्टम बना। इसका असर मध्यप्रदेश में भी देखने को मिला। लगातार चार दिन तक प्रदेश के कई जिलों में बारिश हुई। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. वेद प्रकाश सिंह ने बताया कि एक और वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हो रहा है, जो दोबारा बारिश कराएगा। सबसे ज्यादा इंदौर-उज्जैन संभाग में बारिश होगी। कई जिलों में आकाशीय बिजली के साथ बारिश होने का अनुमान है।

सर्दी के चलते स्कूलों की टाइमिंग बढ़ाई- बढ़ती सर्दी के मद्देनजर भोपाल, इंदौर, डिंडोरी, सागर, उज्जैन, छिंदवाड़ा, विदिशा, नर्मदापुरम, आगर-मालवा, शाजापुर समेत कई जिलों में नर्सरी से पांचवीं तक की क्लास लगने की टाइमिंग बढ़ाकर सुबह 9 बजे कर दी गई है। हालांकि, भोपाल के कई स्कूलों में तो नर्सरी से 12वीं तक के स्कूल ही सुबह 9 बजे से शुरू होने लगे हैं।

घने कोहरे के कारण इंदौर नहीं उतर सकी पांच फ्लाइट, अहमदाबाद डायवर्ट

इंदौर। इंदौर में घने कोहरे के कारण हवाई सेवा लगातार दूसरे दिन भी प्रभावित रही। देवी अहिल्याबाई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर गुरुवार सुबह 6ः25 से नौ बजे तक दृश्यता 400 मीटर से नीचे पहुंचने के कारण विमानों की लैंडिंग नहीं हो सकी। इन विमानों को एयरपोर्ट प्रबंधन ने उतरने की अनुमति नहीं दी।

इस कारण सुबह आने वाली पांच फ्लाइट अहमदाबाद एयरपोर्ट पर डाइवर्ट की गई। इस दौरान इंदौर एयरपोर्ट से भी कोई विमान उड़ान नहीं भर सका। कोहरे के कारण यात्रियों को भी एयरपोर्ट पर पहुंचने में परेशानी हुई। कोहरे के कारण ट्रेनों का संचालन भी प्रभावित हुआ है।

इंदौर में दूसरे दिन गुरुवार को घना कोहरा छाया। दृश्यता कम होने से सुबह 8.30 बजे तक भी 100 मीटर आगे देखना मुश्किल हो रहा था। इस कारण वाहनों के हैडलाइट चालू रखना पड़े। शहर में कई स्थानों पर सुबह बूंदाबांदी भी हुई। देवी अहिल्याबाई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर सुबह नौ बजे तक आने वाली पांच फ्लाइट को डायवर्ट करना पड़ा।

वन महकमे का कारनामा 17 हजार एकड़ जमीन पर लगे 30 लाख पौधे गायब

भोपाल। सरकारी स्कीमों में 17 हजार एकड़ से ज्यादा इलाके में लगाए गए करीब 30 लाख पौधे अब गायब हो चुके हैं। वन विभाग की गैरजिम्मेदारी की वजह से ऐसे हालात बने हैं। जबलपुर, सागर सहित प्रदेश के सात सर्कल की जारी ताजा रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। अब विभाग लापरवाह अफसरों-कर्मचारियों से इसकी भरपाई यानी रिकवरी करने की तैयारी में है। विभाग ने साल 2005-06 से लेकर 2022 तक बुंदेलखंड पैकेज, बैंबू मिशन, मनरेगा, पर्यावरण वानिकी जैसी 300 अलग-स्कीमों में पौधे लगाए थे। देखरेख के अभाव में हरियाली बढ़ाने के सभी प्रयास फेल हो गए।

कई जगह तो पौधे ही गायब हैं। दरअसल, वन विभाग ने अपने सभी अफसरों से लगाए गए पौधों की ताजा जानकारी मांगी थी। अफसरों ने रिपोर्ट भेजी तो चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए। इस अवधि में कुल 17 हजार 470 एकड़ यानी 7069.48 हेक्टेयर जमीन पर 30.31 लाख पौधे लगाए, जिनमें कहीं भी 30त्न से अधिक सर्वाइवल नहीं है। जहां भी पांच साल की देखभाल के बाद 30त्न से अधिक पौधे जीवित बचते हैं, वह प्लांटेशन सफल होता है। लेकिन शहडोल, बैतूल, जबलपुर, सागर, दमोह, ग्वालियर, सिवनी सर्कल की रिपोर्ट में अभी तक 300 जगहों की हालत खराब है।

विकास शाखा और कैंपा के जिम्मे है प्लांटेशन का काम

विभाग में प्लांटेशन की निगरानी व मूल्यांकन का काम अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक मोहनलाल मीणा के पास है। वहीं, प्लांटेशन में मुख्य काम कैंपा और विकास शाखा के जिम्मे होता है। पूरे मामले विकास शाखा के एपीसीसीएफ यूके सुबुद्धि का कहना है कि यदि ऐसे असफल प्लांटेशन की रिपोर्ट है तो वसूली जरूर होगी। लापरवाही करने वाले पर कार्रवाई भी की जाएगी। वहीं, कैंपा के पीसीसीएफ एमएस धाकड़ का कहना है कि इस बारे में निगरानी शाखा बताएगी। हर चीज के लिए सर्कुलर है। उसी अनुसार कार्यवाही होती है।

हर पौधे पर 70 रुपए होते हैं खर्च

वन विभाग का अमला हर पौधे को रोपने से लेकर 5 साल तक उस पर 70 रुपए प्रति पौधा खर्च करता है। यानी 33.31 लाख पौधों पर 24 करोड़ रुपए खर्च हुए। यह पूरा पैसा उपयोग हो चुका है।

भोपाल में एमबीबीएस की छात्राओं को ट्राले ने टक्कर मारी, एक छात्रा की मौत, हादसे में दो गंभीर

भोपाल। गांधी मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस कर रहीं तीन छात्राओं की एक्टिवा को बुधवार देर रात ट्राले ने टक्कर मार दी। हादसे में एक छात्रा की मौत हो गई। दो छात्राएं गंभीर रूप से घायल हैं। दोनों को हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गांधी मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. सलिल भार्गव ने बताया कि कॉलेज की एमबीबीएससेकेंड ईयर की स्टूडेंट गुंजन, निशिता और छवि सिंह गांधी नगर क्षेत्र में रंगला पंजाब ढाबे के नजदीक सड़क किनारे खड़ी थीं। यहां से गुजर रहे ट्राले ने तीनों को टक्कर मार दी। हादसे में गुंजन सारणीकर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। छवि सिंह उर्फ बिट्टू और निशिता कठेरिया गंभीर रूप से घायल हो गईं।

गुंजन सारणीकर, निशिता कठेरिया और छवि सिंह का 2021 में नीट यूजी काउंसलिंग से में एडमिशन हुआ था। गुंजन बैतूल की रहने वाली थी। घायल निशिता कठेरिया की सर्जरी गुरुवार सुबह 10 बजे शुरू हुई। निशिता जबलपुर और छवि सिंह राजस्थान की रहने वाली हैं। छवि सिंह को आई चोटों का इलाज मेडिकल मैनेजमेंट से किया जा रहा है।

दिग्विजय बोले- भिंड कलेक्टर ने मतदान में गड़बड़ी की: चुनाव आयोग से की ट्रांसफर की मांग

भोपाल। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने भारत निर्वाचन आयोग (श्चष्टद्ब) से भिंड कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव की शिकायत की है। दिग्विजय ने श्रीवास्तव पर लहार विधानसभा क्षेत्र में मतदान के दौरान गड़बड़ी करने का आरोप लगाया है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार को लिखे पत्र में श्रीवास्तव को कलेक्टर पद से हटाने की मांग की है।

इससे पहले नेता प्रतिपक्ष और लहार विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. गोविंद सिंह भी यहां बुजुर्ग, दिव्यांग और सरकारी कर्मचारियों के मतपत्र गायब किए जाने का आरोप लगा चुके हैं।

इन आरोपों पर मध्यप्रदेश के मुख्य निवार्चन पदाधिकारी अनुपम राजन ने कहा, %मतपत्रों से कोई छेड़छाड़ नहीं हुई है। एक भी मतपत्र गायब नहीं है। 3 दिसंबर को निष्पक्ष तरीके से मतगणना होगी।% राजन ने यह बात बुधवार को भिंड में मीडिया के सामने कही। वे यहां ढ्ढञ्जढ्ढ कॉलेज में बने स्ट्रॉन्ग रूम का निरीक्षण करने पहुंचे थे।

दिग्विजय ने दूसरी शिकायत राज्य आर्थिक अन्वेषण ब्यूरो (श्वह्रङ्ख) में की है। इसमें वित्त विभाग में लागू ढ्ढस्न्रस्ढ्ढस् (इंटीग्रेटेड फायनेंशियल मैनेजमेंट एंड इनफॉरमेशन सिस्टम) के सेकंड वर्जन सॉफ्टवेयर में अफसरों पर 50 करोड़ रुपए के लेन-देन का दावा किया है। उन्होंने कहा, %250 करोड़ के इस प्रोजेक्ट को लेकर चैट और ऑडियो भी सामने आए हैं। मैंने शिकायत पत्र के साथ इन्हें भी जांच के लिए सौंपा है।% ढ्ढस्न्रस्ढ्ढस्एक सॉफ्टवेयर है, जो बजट के कामों में इस्तेमाल होता है।

दिग्विजय सिंह ने मुख्य चुनाव आयुक्त (श्चष्टद्ब) को मंगलवार को शिकायती पत्र भेजा। इसमें भिंड के लहार विधानसभा क्षेत्र में मतदान के दौरान गड़बड़ियों का आरोप लगाया। भिंड कलेक्टर पर नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए उनका ट्रांसफर करने की मांग की। दिग्विजय ने लिखा- मतदान वाले दिन लहार विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस से जुड़े एजेंट्स को पोलिंग बूथ के अंदर जाने से रोका गया। हमारे जो एजेंट्स अंदर थे, उन्हें पीठासीन अधिकारियों और सुरक्षाकर्मियों ने जबरदस्ती पोलिंग बूथ छोड़ने के लिए कहा। बूथ में लगे ष्टष्टञ्जङ्क कैमरों में इसे देखा जा सकता है।

500 से ज्यादा सरकारी कर्मचारियों को पोस्टल बैलेट इश्यू नहीं किए गए। 11 नवंबर को इसकी शिकायत भी की गई, लेकिन एक्शन नहीं लिया गया। इस वजह से ये कर्मचारी मतदान नहीं कर सके। कई कर्मचारियों ने इसकी शिकायत की है। प्रत्याशी और इलेक्शन एजेंट को यह जानकारी नहीं दी गई कि पोस्टल बैलेट कहां रखे गए? बाद में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन के हस्तक्षेप से 19 नवंबर की रात जानकारी मिल सकी कि पोस्टल बैलेट लहार ढ्ढञ्जढ्ढ में रखे हैं।

20 नवंबर की सुबह इलेक्शन एजेंट नरेश सिंह चौहान, सहायक रिटर्निंग अधिकारी नवनीत शर्मा के साथ ढ्ढञ्जढ्ढ पहुंचे। यहां पोस्टल बैलेट में छेड़छाड़ पाई गई। जिन बॉक्स में इन्हें रखा हुआ था, उनमें से कुछ की सील टूटी हुई थी। पोस्टल बैलेट बंडल में अलग बक्से में रखे जा रहे थे। आपत्ति जताने पर ्रक्रह्र ने बताया कि ष्ठश्वह्र (जिला चुनाव अधिकारी) ने इसके निर्देश दिए थे।

लहार विधानसभा सीट पर कांग्रेस के डॉ. गोविंद सिंह के सामने क्चछ्वक्रसे अंबरीष शर्मा मैदान में हैं।

भिंड के अटेर में फर्जी वोटिंग का वीडियो वायरल, भाजपा ने की चुनाव आयोग से शिकायत

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में मतदान के करीब 12 दिन बाद भिंड के अटेर विधानसभा क्षेत्र में फर्जी वोटिंग का ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज सामने आया है। यह वीडियो अटेर के खड़ीत गांव के पोलिंग बूथ का बताया जा रहा है। इस बूथ के सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि एक शख्स महिला मतदाता को वोट डालने के लिए निर्देश दे रहा है। आगे के वीडियो में यही शख्स एक अन्य पुरुष मतदाता की जगह खुद ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) का बटन दबाता भी दिख रहा है। वह यह काम पोलिंग बूथ पर तैनात मतदान अधिकारियों के सामने ही खुलेआम कर रहा है।

वीडियो में यह भी दिख रहा है कि पोलिंग बूथ के अंदर वोटर्स की भीड़ लगी है। इनमें से कुछ लोग जमीन पर भी बैठे हैं जबकि नियम के मुताबिक एक बार में एक ही वोटर बूथ के अंदर जा सकता है। यहां बता दें कि खड़ीत गांव में पोलिंग बूथ क्रमांक 11 और 12 एक ही परिसर में बनाए गए थे। ये सीसीटीवी फुटेज इन्हीं में से एक बूथ का बताया जा रहा है।

बुधवार को सामने आए इसी सीसीटीवी फुटेज को आधार बनाकर भाजपा ने इन दोनों पोलिंग बूथों पर फर्जी मतदान की शिकायत की है। पार्टी नेताओं ने मध्यप्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन को यह वीडियो भी भेजा है। भाजपा ने मांग की है कि 3 दिसंबर को इन दो बूथों पर काउंटिंग रोककर रीपोलिंग कराई जाए।

मतगणना का अंतिम प्रशिक्षण शनिवार को

भोपाल। जिले की सात विधानसभा क्षेत्रों की मतगणना तीन दिसंबर को जिला जेल में सुबह 8ः00 बजे से की जाएगी। इसके लिए लगभग 800 कर्मचारियों को पहले चरण में प्रशिक्षण दिया गया है। अब उनको अंतिम प्रशिक्षण शनिवार यानी दो दिसंबर को दिया जाएगा। अंतिम प्रशिक्षण में कर्मचारियों को डाक मतपत्रों की गिनती की प्रक्रिया क्या रहेगी, ईवीएम से वोटों की गिनती कैसे की जाएगी सहित मतगणना से जुड़े हर बिंदु की जानकारी बारीकी से दी जाएगी। जिससे मतगणना के दौरान कर्मचारियों को किसी प्रकार की समस्या न हो। बता दें कि सुबह आठ बजे से जिला जेल में पहले डाक मत पत्रों की गिनती की जाएगी। इसके आधे घंटे बाद ईवीएम मशीनों के मतों की गिनती शुरू हो जाएगी।

मतगणना का प्रशिक्षण कर्मचारियों को आज गुरुवार को ही दिया जाना था, लेकिन इसमें बदलाव करते हुए अब यह दो दिसंबर को किया गया है । इसकी वजह यह है कि यदि आज प्रशिक्षण दे देते तो फिर कर्मचारियों को पहचान पत्र के लिए दोबारा से बुलाना पड़ता। इसलिए उसी दिन प्रशिक्षण के साथ ही उनको पहचान पत्र भी वितरित कर दिए जाएंगे। जिससे वह बिना किसी परेशानी के स्ट्रांग रूम में पहुंच सकें।

विधानसभा क्षेत्रवार दिया जाएगा प्रशिक्षण

मतगणना का प्रशिक्षण एमबीएम कालेज में दोपहर 12 से तीन बजे तक दिया जाएगा। प्रशिक्षण लेने वाले कर्मचारियों को पहले से विधानसभाएं अलाट कर दी जाएंगी। इसलिए वह विधानसभावार बनाए गए रूम में ही बैठेंगे। यानी बैरसिया, भोपाल उत्तर, नरेला, दक्षिण-पश्चिम, भोपाल मध्य और गोविंदपुरा, हुजूर विधानसभा के लिए अलग-अलग रूम रहेंगे।

मतगणना में सभी टेबिलों पर होगी वीडियोग्राफी

विधानसभा चुनाव के लिए जिले के सात सीटों के उम्मीदवारों के लिए डाले गए वोटों की गणना की वीडियोग्राफी कराई जाएगी। इसके साथ स्ट्रांग रूम से ईवीएम मशीनें निकालने, टेबिलों पर रखने और उनके वोटों की गिनती तक पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराई जाएगी। इसके साथ काउंटिंग के बाद मशीनों की सीलिंग का काम भी कैमरे की देखरेख में किया जाना है। एक-एक राउंड की मतगणना के बाद रिटर्निंग अधिकारी को सर्टिफिकेट देना पड़ेगा। जिसके आधार पर सभी राउंडों की काउंटिंग को आखिर में जोड़कर कुल वोटों की गिनती होगी। आयोग के मुताबिक मतगणना की प्रक्रिया पूरी होने के बाद वीडियो कैसेट भविष्य के लिए सीलबंद की जाएगी। उम्मीदवार यह कैसेट ले भी सकते हैं।

इंदौर की हाईप्रोफाइल सीटों के नतीजे आखिरी में आएंगे

इंदौर। विधानसभा चुनाव के काउंटिंग डे (3 दिसंबर) पर इंदौर की नौ सीटों को रिजल्ट जल्दी से जल्दी घोषित करने की तैयारी है। अमूमन 14-14 काउंटिंग टेबलों पर गिनती होते आई लेकिन इस बार प्रशासन ने प्लान बदला है। जिन सीटों पर मतदान केंद्र ज्यादा होने से रिजल्ट लेट होने की संभावना है, वहां टेबलें बढ़ाई जा रही हैं। सबसे ज्यादा 21 काउंटिंग टेबलें इंदौर-2 में लगाई जाएंगी। उसके बाद सबसे ज्यादा वोटर वाली इंदौर-5 सीट पर 20 टेबलों पर गिनती होगी। बावजूद, रिजल्ट सबसे पहले इंदौर-3 का आएगा क्योंकि यहां वोटर्स की संख्या सबसे कम है।

इंदौर के चुनाव अधिकारी और कलेक्टर डॉ. इलैया राजा टी. ने बताया डाक मतपत्रों और श्वङ्करूमें बंद वोटों की गिनती के काम में तेजी लाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। टेबलों की संख्या 14 से बढ़ाने के लिए भेजा जा चुका है। उन्होंने बताया इंदौर-5 में इस बार 20 टेबल लगाकर मतगणना की जाएगी। इससे गिनती जल्दी ही पूरी हो जाएगी। सूत्रों का कहना है कि इंदौर-5 के अलावा अन्य कुछ विधानसभाओं में भी चुनाव आयोग टेबल बढ़ा सकता है। इस पर विचार किया जा रहा है।

900 अधिकारी और कर्मचारी करेंगे मतगणना, मतगणना की होगी रिकॉर्डिंग

कलेक्टर के निर्देश पर मतगणना दलों में नियुक्त सभी अधिकारी-कर्मचारी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मतगणना सुपर वाइजर, मतगणना सहायक और माइक्रो ऑब्जर्वर को प्रशिक्षित किया गया था। जिला प्रशासन से मिली जानकारी के मुताबिक मतगणना में 900 अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगेगी। 700 से ज्यादा कर्मचारी मतगणना में शामिल होंगे, वहीं 200 कर्मचारी रिजर्व में रहेंगे। वहीं डाक मतपत्र में भी ईवीएम की तरह ही सर्टिफिकेट जारी होंगे। इसके लिए सभी दलों को प्रमाणित फोटो कॉपी भी दी जाएगी। पूरी मतगणना की रिकॉर्डिंग भी होगी।

विजयवर्गीय, पटवारी और मंत्री सिलावट की सीट पर सबसे ज्यादा राउंड

इंदौर की हाइप्रोफाइल सीटों में शामिल इंदौर-1, राऊ और सांवेर में सबसे ज्यादा 23-23 राउंड होंगे। यानी इनका रिजल्ट सबसे आखिरी में आएगा। इधर, हमेशा की तरह सबसे पहले रिजल्ट इंदौर-3 का आ जाएगा, जिसके सिर्फ 14 राउंड होने हैं।